भारतीय रेल

दिसम्बर 2022

मूल्य ₹ 20



यूनेस्को एशिया-पैसिफिक 'अवॉर्ड ऑफ मेरिट'

भायखला रेलवे स्टेशन

भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में भारतीय रेल



अयोध्या रेलवे स्टेशन का मॉडल



वंदे भारत एक्सप्रेस का मॉडल



भारतीय रेल पैवेलियन ने जीता कांस्य पदक

AAL®

Autometers Alliance Ltd

Energy & Efficiency / Safety & Reliability



POWERING THE **RAIL TRANSPORT** EFFICIENTLY AND INTELLIGENTLY

DATA ACQUISITION & CONTROL DEVICE

Onboard Measurement Devices



Tachograph System for Electric, Diesel Locomotives, EMU, MEMU & DMU



Active Speed Sensor for Electric Locomotives



Opto Electronic Pulse Generator for Electric, Diesel Locomotives, EMU, MEMU & DMU



Hotel Load Current Sensor for Electric Locomotives



Primary Current Sensor for Electric Locomotives



Aspiration Smoke Detector for Coaches

Onboard Control Devices



Driver Display Unit LCD Displays for Electric Locomotives



Vigilance Control Device for Electric Locomotives



Fire Detector Equipment for Electric Locomotives



Diagnostics Terminal LCD Displays for Electric Locomotives



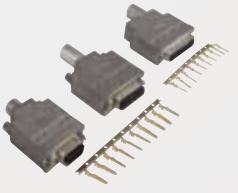
Event Recorder for Electric, Diesel Locomotives & EMUs

Electrical Connectors





Circular Connectors for Onboard & Stationary Traction



D Type Connectors for Onboard & Stationary Traction

mktre@autometers.com | C-63, Sector-57, Noida - 201 307 (U.P.) India

ISO 9001:2015 I ISO 14001:2015 I ISO 45001:2018

भारतीय रेल

रेल मंत्रालय की एकमात्र हिन्दी मासिक पत्रिका

आरंभ : 1960 | वर्ष : 63 | अंक : 05 | राजभाषा कीर्ति पुरस्कार से सम्मानित पत्रिका | दिसम्बर-2022 | मूल्य : ₹20

संपादक मंडल

श्री विनय कुमार त्रिपाठी
अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड

श्री मोहित सिन्हा
सदस्य (वित्त), रेलवे बोर्ड

सुश्री जया वर्मा सिन्हा
सचिव, रेलवे बोर्ड

श्री अमिताभ शर्मा
कार्यकारी निदेशक, सूचना एवं प्रचार

संपादक
योगेश अवस्थी

संपादकीय कार्यालय

संपादक, भारतीय रेल,
कमरा नं. 411, रेल भवन,
रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001
editorbhartiyarailrb@gmail.com
editorbhartiyarail@gmail.com

विज्ञापन व सदस्यता हेतु संपर्क

व्यापार प्रबंधक
कमरा नं. 310, रेल भवन
रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001
टेलीफोन: 011-47845378, 47845089
bmpr310rb@gmail.com

संपादन सहयोग

रणमत सिंह

आवरण

भायखला रेलवे स्टेशन

फॉलो करें

Twitter : @bhartiyarailrb

वार्षिक सदस्यता शुल्क (ऑफलाइन)

सर्वसाधारण -₹250
रेलकर्मियों के लिए -₹200

विदेश में

सी-मेल द्वारा -₹1,250
एयर-मेल द्वारा -₹2,500

एक प्रति-₹20
वार्षिक विशेषांक-₹70

इस पत्रिका में छपी हर सामग्री का सम्बन्ध, जब तक विशेषत: स्पष्ट न लिखा जाए, किसी सरकारी सूत्र से न समझा जाए।

© भारतीय रेल

5 **माननीय प्रधानमंत्री ने भद्राचलम रोड-सत्तुपल्ली** के बीच की नई रेल लाइन राष्ट्र को समर्पित की

6 **माननीय प्रधानमंत्री द्वारा मैसुरु-पुरटिच तलैवरं** डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल वंदे भारत एक्सप्रेस और भारत गौरव काशी दर्शन ट्रेनों का शुभारंभ

7 **माननीय प्रधानमंत्री ने विशाखापट्टनम रेलवे स्टेशन के** पुनर्विकास की आधारशिला रखी

8 **तमिलनाडु के राज्यपाल ने चेन्नै एल्लुंबूर से काशी तमिल** संगमम हेतु पहली ट्रेन यात्रा को झंडी दिखाकर रवाना किया

9 **पश्चिम मध्य रेल के लेखा विभाग को मिला** मध्य प्रदेश भामाशाह पुरस्कार

10 **रेल मंत्री ने बनारस रेल इंजन कारखाना के** विकास कार्यों की समीक्षा की

11 **रेल मंत्री ने दक्षिण तट रेलवे मुख्यालय के लिए** विशाखापट्टनम में वायरलेस कॉलोनी का निरीक्षण किया

11 **जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर रेल मंत्री ने** भगवान बिरसा मुंडा को पुष्पांजलि अर्पित की

12 **रेल मंत्री ने किया नई दिल्ली-देवबंद रेल खंड** का रियर विंडो निरीक्षण

12 **रेल मंत्री ने किया आधुनिक डिब्बा कारखाना का दौरा**

13 **रेल मंत्री ने जयपुर का दौरा कर विकास कार्यों का जायजा लिया**

14 **रेल राज्य मंत्री द्वारा अहमदनगर और नई आष्टी** के बीच अतिरिक्त डेमू सेवाओं का शुभारंभ

14 **रेल राज्य मंत्री की दक्षिण पूर्व रेलवे एवं पूर्व रेलवे के** महाप्रबंधकों के साथ कोलकाता में समीक्षा बैठक

15 **रेल राज्य मंत्री ने वलसाड-वडनगर इंटरसिटी** एक्सप्रेस का हरी झंडी दिखाकर किया शुभारंभ

18 **विभिन्न महाप्रबंधकों की माननीय सांसदों के साथ बैठकें**

21 **भायखला रेलवे स्टेशन** यूनेस्को एशिया-पैसिफिक अवार्ड ऑफ मेरिट से सम्मानित

22 **आईआईटीएफ 2022 : अयोध्या रेलवे स्टेशन की थीम पर आधारित** भारतीय रेल का पैवेलियन रहा दर्शकों के आकर्षण का केन्द्र

27 **768 संस्थाओं ने नवाचार चुनौतियों में भाग लेने के लिए** भारतीय रेल इनोवेशन पोर्टल पर पंजीकरण कराया

29 **रेलों के अंचल से**

44 **खेलों में भारतीय रेल**

49 **ऐतिहासिक मेल ट्रेन की रोचक जानकारी** — श्री विमलेश चन्द्र

52 **भारतीय रेल हेतु ऑटोमेटिक फेज** स्विचिंग सेक्शन का विकास — डॉ. आशीष अग्रवाल

55 **डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर पर रोलिंग स्टॉक के लिए** मशीन विजन इंस्पेक्शन सिस्टम का विकास — श्री राजीव रौशन

58 **नयी वंदे-भारत एक्सप्रेस**

62 **प्यारा सा ठग** — सुश्री रिंकल शर्मा

65 **चंदन उर्फ अमीर हैदर का कमाल अमरोही होना...** — श्री अजय कुमार शर्मा

सम्पादकीय



वैश्विक पटल पर जुड़ता भायखला रेलवे स्टेशन

भारतीय रेल अपने 169 सालों का भव्य इतिहास बड़ी ही शिदद्त के साथ संजोए हुए है। भारतीय रेल पहले से ही परिवर्तनशील रही है। उसने समय के साथ-साथ अपनी विरासत को बनाए रखते हुए नए आयामों को स्वीकारा है, जिसके कारण आज हमारे रेलवे ट्रैक पर वंदेभारत एक्सप्रेस जैसी सेमी हाईस्पीड ट्रेनें दौड़ रही हैं। स्टेशनों पर एयरपोर्ट जैसी सुविधाएँ उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से स्टेशन पुनर्विकास परियोजना पर कार्य किया जा रहा है। इन सबके बावजूद भारतीय रेल अपनी विरासत के प्रसिद्ध स्टेशन, भवन, लोकोमोटिव्स, ब्रिज आदि को संजोए रखने में कहीं भी कोई कमी नहीं छोड़ रही है। इस बात का उत्तम उदाहरण है, हाल ही में भायखला रेलवे स्टेशन को सांस्कृतिक विरासत संरक्षण 2022 के लिए यूनेस्को द्वारा 'एशिया प्रशांत सांस्कृतिक विरासत संरक्षण पुरस्कार' से सम्मानित किया जाना। यह स्टेशन भारतीय रेल के सबसे पुराने रेलवे स्टेशनों में से एक है।

लगभग 169 वर्ष पुराना भायखला रेलवे स्टेशन दक्षिणी मुंबई में स्थित है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह स्टेशन 1853 में लकड़ी का बना हुआ था। सन् 1857 में इस स्टेशन को नया रूप दिया गया था। 162 सालों बाद अब इसका पुनः जीर्णोद्धार किया गया है। बेहद पुरानी धरोहर होने के कारण काफी सावधानी तथा वैज्ञानिक तरीके से इसके जीर्णोद्धार का कार्य पूर्ण किया गया। उत्कृष्टता के साथ अपनी मूल, प्राचीन, विरासत वास्तुकला में इस स्टेशन को 29 अप्रैल, 2022 को बहाल किया गया। इस कार्य को 'आई लव मुंबई' तथा 'बजाज ग्रुप चैरिटेबल ट्रस्ट', की मदद से किया गया। संरक्षण वास्तुकार श्री अभय नारायण लांबा ने इस परियोजना में अपनी सेवाएँ निःशुल्क रूप से प्रदान कीं।

स्टेशन के जीर्णोद्धार के कार्य का भूमि पूजन जुलाई, 2019 में किया गया था, जिसे 18 माह में पूर्ण किया जाना था, लेकिन कोविड महामारी के चलते तीन वर्ष का समय लग गया। स्टेशन का कार्य दो चरणों में किया गया। पहले चरण में नक्काशियों, दरवाजों, खिड़कियों, छत, दीवारों को बदलने का कार्य किया गया तथा दूसरे चरण में प्लेटफॉर्म, स्टेशन प्रबंधक कार्यालय तथा अन्य कार्यालयों की छतों की मरम्मत का कार्य बड़ी ही सावधानी पूर्वक पूरा किया गया था।

उल्लेखनीय है कि देश की पर्वतीय रेलें-दार्जिलिंग हिमालयी रेल, नीलगिरि रेल और कालका-शिमला रेलवे 'भारत की पर्वतीय रेल' के नाम से यूनेस्को के विश्व धरोहर स्थल के अन्तर्गत शामिल हैं। देश-दुनिया के लाखों रेलप्रेमी भारतीय रेल तथा उसकी विरासत के विषय में जानने के इच्छुक रहते हैं। ऐसे लोगों के लिए रेलवे ने देश के विभिन्न स्थानों पर रेल म्यूजियम बनाए हुए हैं, जो लोगों में काफी लोकप्रिय हैं।

ऐसे ही लाखों लोग भारतीय रेल की विकास गाथा को जानने के लिए रेल मंत्रालय द्वारा 41वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला-2022 में लगे भारतीय रेल के पैवेलियन से रू-ब-रू हुए। यह पैवेलियन प्रगति मैदान, नई दिल्ली में लगाया गया था। अयोध्या रेलवे स्टेशन की थीम पर बनाए गए इस पैवेलियन में चिनाब ब्रिज, वंदेभारत ट्रेन, बुलेट ट्रेन तथा अन्य विकास कार्यों को मॉडल्स के द्वारा बड़े ही रोचक ढंग से सामान्य लोगों के लिए प्रदर्शित किया गया था। अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए (मंत्रालय और विभाग, पीएसयू, पीएसबी और कमॉडिटी बोर्ड के पैवेलियन में) भारतीय रेल के पैवेलियन को कांस्य पदक भी प्राप्त हुआ।

इस अंक के साथ हम वर्ष 2023 का कैलेंडर भी प्रकाशित कर रहे हैं। आशा है, यह आपको पसंद आएगा।

आपको हमारा यह अंक कैसा लगा, हमें जरूर बताएँ।

माननीय प्रधानमंत्री ने भद्राचलम रोड-सत्तुपल्ली के बीच की नई रेल लाइन राष्ट्र को समर्पित की



रामगुंडम में आयोजित एक समारोह में वीडियो लिंक के माध्यम से भद्राचलम रोड-सत्तुपल्ली के बीच नई रेल लाइन राष्ट्र को समर्पित करते हुए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं साथ में हैं अन्य अतिथिगण

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने दिनांक 12 नवंबर, 2022 को रामगुंडम में आयोजित एक समारोह में वीडियो लिंक के माध्यम से भद्राचलम रोड-सत्तुपल्ली के बीच नई रेल लाइन राष्ट्र को समर्पित की। डॉ तमिलिसै सौंदरराजन, माननीय राज्यपाल, तेलंगाना राज्य; श्री जी.किशन रेड्डी, केंद्रीय संस्कृति, पर्यटन और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री; श्री भगवंत खुबा, केंद्रीय रसायन और उर्वरक, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री, श्री संजय कुमार बंडी, माननीय संसद सदस्य, करीमनगर इस कार्यक्रम में उपस्थित थे। इस अवसर पर श्री अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे; श्री ए.के.गुप्ता, मंडल रेल प्रबंधक, सिकंदराबाद और अन्य वरिष्ठ रेलवे पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि आज का दिन तेलंगाना राज्य के लोगों के लिए बहुत ही महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि ₹10,000 करोड़ की लागत वाली कई प्रमुख विकास परियोजनाओं को आज राष्ट्र की सेवा के लिए समर्पित किया जा रहा है। इसके अलावा माननीय प्रधानमंत्री ने बताया कि 'प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय योजना' के अंतर्गत पूरे भारत में रेल, सड़क, वायु, जल और इंटरनेट कनेक्टिविटी को बढ़ाया जा रहा है। इस श्रृंखला में उन्होंने बताया कि भद्राचलम रोड-सत्तुपल्ली नई रेलवे लाइन परियोजना को देश की चौदह अति महत्त्वपूर्ण कोयला परियोजनाओं की सूची में शामिल करते हुए इस पर विशेष ध्यान दिया गया। इन प्रयासों से 4 वर्षों से भी कम समय में विद्युतीकरण के साथ-साथ नई रेलवे लाइन परियोजना को चालू करने में मदद मिली है। उन्होंने आगे कहा कि पिछड़े और आदिवासी क्षेत्रों के सामाजिक आर्थिक विकास को सुनिश्चित करने के लिए हमारी सरकार की प्राथमिकता के अनुरूप, यह नई रेलवे लाइन उस क्षेत्र की महत्त्वपूर्ण प्रगति और समृद्धि के लिए बाध्य है, जिससे होकर यह लाइन गुजरती है।

श्री मोदी ने बताया कि नई रेल लाइन परियोजना तेलंगाना राज्य में भद्राद्री, कोत्तगूडेम और खम्मम जिलों के विकास में सहायक होगी। रेल लाइन लोगों और उद्योग के लिए परिवहन का एक सुरक्षित, तेज और किफायती साधन प्रदान करने के साथ-साथ युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी उत्पन्न करेगी।

इस अवसर पर श्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि केंद्र सरकार तेलंगाना राज्य के विकास के लिए प्रतिबद्ध है और इस संबंध में कई पहल कर रही है। उन्होंने बताया कि सरकार ने तेलंगाना राज्य में मेदक-सिद्दीपेट-एलकथुर्ति; बोधन-बासर-भैन्सा और सिरोंचा-महादेवपुर सेक्शन के बीच ₹2,268 करोड़ रुपये की प्राक्कलित लागत से 3 राष्ट्रीय राजमार्गों को चौड़ा करने का कार्य आरंभ किया है। इसके अलावा उन्होंने बताया कि रामगुंडम के लिए ईएसआई अस्पताल के लिए स्वीकृति दी गई।

श्री अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दमरे ने माननीय प्रधानमंत्री को भद्राचलम रोड-सत्तुपल्ली नई रेल लाइन परियोजना की प्रमुख विशेषताओं के बारे में जानकारी देते हुए एक संक्षिप्त प्रस्तुति दी।

भद्राचलम रोड-सत्तुपल्ली रेलवे लाइन खदानों से रेल लोडिंग टर्मिनल तक सड़क परिवहन को पूरी तरह से समाप्त करने में मदद करेगी, सड़क मार्ग से कोयले के परिवहन से जुड़ी समस्या को कम करेगी। कन्वेयर से प्राप्त कोयले का परिवहन अब रेलवे टर्मिनल से ओपन कास्ट खदान में सीधे किया जा सकता है। 200 एमटी से अधिक कोयले के भंडार के साथ इस परियोजना से अगले 30 वर्षों में रेलवे द्वारा कोयले के परिवहन में सहायता मिलने की काफी संभावना है। नई लाइन सेक्शन में 10 बड़े पुल, 37 छोटे पुल, 40 निचले सड़क पुल और 07 ऊपरी सड़क पुल शामिल हैं।

माननीय प्रधानमंत्री द्वारा मैसुरु-पुरटिच तलैवर डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल वंदे भारत एक्सप्रेस और भारत गौरव काशी दर्शन ट्रेनों का शुभारंभ



केएसआर बेंगलुरु रेलवे स्टेशन पर मैसुरु और पुरटिच तलैवर डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी। मंच पर हैं रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 11 नवंबर, 2022 को केएसआर बेंगलुरु रेलवे स्टेशन पर मैसुरु और पुरट्टिच तलैवर डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह देश में शुरू हुई पांचवीं वंदे भारत एक्सप्रेस है और दक्षिण भारत की पहली ऐसी ट्रेन है। प्रधानमंत्री ने केएसआर रेलवे स्टेशन, बेंगलुरु में भारत गौरव काशी दर्शन ट्रेन को भी झंडी दिखाकर रवाना किया। 'मेक इन इंडिया' की सफलता की कहानी के एक उत्कृष्ट उदाहरण के रूप में भारतीय रेल ने भारत की पहली स्वदेशी सेमी-हाई स्पीड ट्रेन-वंदे भारत एक्सप्रेस लॉन्च की थी। माननीय प्रधानमंत्री ने 15 फरवरी, 2019 को नई दिल्ली में पहली वंदे भारत ट्रेन को झंडी दिखाकर रवाना किया था, जो नई दिल्ली-कानपुर-इलाहाबाद-वाराणसी मार्ग पर चलती है। इसके अलावा, वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें नई दिल्ली-माता वैष्णो देवी कटरा, गांधीनगर राजधानी-अहमदाबाद-मुंबई सेंट्रल और अम्ब अंदौरा-नई दिल्ली मार्गों पर शुरू की गई हैं।

यह नई ट्रेन औद्योगिक केंद्र चेन्नई और तकनीकी-सॉफ्टवेयर-स्टार्टअप हब बेंगलुरु और विश्व प्रसिद्ध पर्यटन शहर मैसुरु के

बेंगलुरु-वाराणसी भारत गौरव काशी दर्शन ट्रेन

बेंगलुरु से काशी के लिए भारत गौरव ट्रेन भी शुरू की गई है जो सर्व-समावेशी पैकेज में आरामदायक और सुविधाजनक रेल यात्रा, बोर्डिंग, ठहरने और दर्शन की सुविधा प्रदान करेगी। यह ट्रेन हुबली, बेलगावी से भी गुजरेगी, जिससे न केवल बेंगलुरु के श्रद्धालु बल्कि उत्तरी कर्नाटक के उन लोगों को भी लाभ होगा जो काशी की यात्रा करना चाहते हैं। यह ट्रेन प्रयागराज और अयोध्या से भी गुजरेगी।

भारत गौरव ट्रेनों (थीम आधारित पर्यटक सर्किट ट्रेनों) के माध्यम से भारत गौरव ट्रेन चलाने का उद्देश्य भारत और दुनिया के लोगों को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और शानदार ऐतिहासिक स्थलों का दर्शन कराना है।



केएसआर रेलवे स्टेशन, बेंगलुरु में भारत गौरव काशी दर्शन ट्रेन को भी झंडी दिखाकर रवाना करने पश्चात् यात्रियों का अभिवादन करते हुए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी साथ में हैं रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति

बीच संपर्क को बढ़ाएगी। इससे मैसुरु-बेंगलुरु-चेन्नई मार्ग पर यात्रा करने वाले नियमित यात्रियों के अलावा सॉफ्टवेयर और व्यावसायिक पेशेवरों, प्रौद्योगिकीविदों, पर्यटकों, छात्रों को लाभ होगा। यह यात्रा एयरलाइन जैसा आराम प्रदान करेगी और रेल यात्रा के अनुभव को पुनः परिभाषित करेगी।



नीति का संक्षिप्त विवरण

भारतीय रेल का लक्ष्य भारत की विशाल पर्यटक क्षमता का दोहन करने के लिए थीम-आधारित ट्रेनें चलाने के लिए पर्यटन क्षेत्र के पेशेवरों की मुख्य ताकत का लाभ उठाना है।

इस नीति के तहत, पंजीकृत सेवा प्रदाताओं को भारत गौरव ट्रेनों के संचालन के लिए भारतीय रेल द्वारा 'उपयोग करने का अधिकार' मॉडल के तहत आईसीएफ कोचों से युक्त रेक की पेशकश की जाएगी।

सेवा प्रदाताओं के पास एनआरसी (गैर-रेलवे ग्राहक) योजना के माध्यम से सीधे उत्पादन इकाइयों से नए कोच की खरीद का विकल्प भी होगा।

सेवा प्रदाता के पास इस मॉडल से जुड़े विषयों, मार्गों, यात्रा कार्यक्रम, टैरिफ और अन्य विशेषताओं सहित व्यवसाय मॉडल को तय करने का विकल्प होगा।

माननीय प्रधानमंत्री ने विशाखापट्टनम रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की आधारशिला रखी



आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री, श्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी, आंध्र प्रदेश के राज्यपाल, श्री बिस्वा भूषण हरिचंदन, केंद्रीय मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव की उपस्थिति में विशाखापट्टनम रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की आधारशिला रखते हुए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 12 नवंबर, 2022 को आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में आयोजित एक समारोह में, विशाखापट्टनम रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की आधारशिला रखी। इस रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास लगभग ₹450 करोड़ की लागत से किया जाएगा। पुनः विकसित स्टेशन प्रतिदिन 75,000 यात्रियों की पूर्ति करेगा और आधुनिक सुविधाएं प्रदान करके यात्री अनुभव में सुधार करेगा। इस अवसर पर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री, श्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी, आंध्र प्रदेश के राज्यपाल, श्री बिस्वा भूषण हरिचंदन, रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव, सांसद और विधान परिषद् के सदस्य उपस्थित थे।

तमिलनाडु के राज्यपाल ने चेन्नै एल्लुंबूर से काशी तमिल संगमम हेतु पहली ट्रेन यात्रा को झंडी दिखाकर रवाना किया



चेन्नै एल्लुंबूर रेलवे स्टेशन से काशी तमिल संगमम ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए तमिलनाडु के राज्यपाल श्री आर.एन.रवि साथ में हैं डॉ. एल. मुरुगन, केंद्रीय सूचना और प्रसारण, मत्स्य पालन और पशुपालन राज्य मंत्री

तमिलनाडु के राज्यपाल श्री आर.एन.रवि ने दिनांक 17 नवंबर, 2022 को चेन्नै एल्लुंबूर रेलवे स्टेशन से काशी तमिल संगमम के लिए 216 प्रतिनिधियों के पहले दल की यात्रा को डॉ. एल. मुरुगन, केंद्रीय सूचना और प्रसारण, मत्स्य पालन और पशुपालन राज्य मंत्री की उपस्थिति में झंडी दिखाकर रवाना किया। श्री आर.एन. रवि ने काशी तमिल संगमम चयन समिति के सदस्यों-उद्योगपति डॉ. नल्लि कुप्पुस्वामी चेट्टी, डॉ. सुधा शेषय्यन, कुलपति, तमिलनाडु डॉ.एम.जी.आर. चिकित्सा विश्वविद्यालय, श्री वी. कामकोटी, निदेशक, आईआईटी मद्रास और प्रोफेसर डॉ. मोहनशंकर शिवप्रकाशम, आईआईटी मद्रास, सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यकर्ता, श्री मोहम्मद आसिफ अली के साथ बैठक की। राज्यपाल ने छात्र प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की और उन्हें काशी के साथ तमिलनाडु के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंधों को पुनर्जीवित करने और पुनः पुष्टि करने की पहल का हिस्सा बनने के लिए बधाई दी।



प्रतिनिधियों ने भारत काशी तमिल संगमम में भाग लेने के लिए सरकार द्वारा उन्हें प्रदान किए गए अवसर के लिए प्रसन्नता व्यक्त की। छात्रों ने अपने प्रवास के दौरान वाराणसी में विल्लुपाट्टु, भरतनाट्टयम, लोक नृत्य, कलियाट्टम आदि जैसे तमिलनाडु की समृद्ध परंपरा और संस्कृति को प्रदर्शित करने वाले विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लिया। श्री बी.जी माल्या, अपर महाप्रबंधक, दक्षिण रेलवे, श्री गणेश, मंडल रेल प्रबंधक, चेन्नै, और दक्षिण रेलवे के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों, आईआरसीटीसी और आईआईटी-मद्रास के अधिकारियों ने चेन्नै एल्लुंबूर में इस कार्यक्रम में भाग लिया।

काशी तमिल संगमम

काशी तमिल संगमम भारत सरकार द्वारा 'आजादी का अमृत महोत्सव' के एक भाग के रूप में और विविध संस्कृतियों के बीच पारस्परिक संबंध की भावना को बनाए रखने, पुनर्जीवित करने और पुनः पुष्टि करने के लिए एक पहल है। महीने भर चलने वाले काशी संगमम कार्यक्रम का आयोजन शिक्षा मंत्रालय द्वारा आईआईटी मद्रास और बनारस हिंदु विश्वविद्यालय के साथ साझेदारी में किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य हमारी साझा विरासत को समझना और क्षेत्रों तथा लोगों के बीच के बंधन को और गहरा करना है। काशी तमिल संगमम के आयोजन से दो संस्कृति के लोगों के बीच बंधन को और मजबूत करती है।

तमिलनाडु से लगभग 2,500 प्रतिनिधि काशी तमिल संगमम कार्यक्रमों में भाग लेंगे और प्रतिनिधियों की सुविधा के लिए रेल द्वारा 13 यात्राएं आयोजित की जाएंगी। प्रतिनिधि मंडल में छात्रों, तमिल विद्वानों, कारीगरों, किसानों सहित जीवन के सभी क्षेत्रों के लोग शामिल है।

30 नवंबर, 2022 तक, 216 प्रतिनिधियों के साथ 7 दलों ने तमिलनाडु के विभिन्न स्थानों, जैसे रामेश्वरम, कोयंबत्तूर, तिरुच्चिराप्पल्लि और चेन्नै से काशी तमिल संगमम के लिए अपनी यात्रा शुरू की है। 7 प्रतिनिधि मंडलों में से 4 प्रतिनिधि मंडलों ने अपनी काशी तमिल संगमम यात्राएं सफलतापूर्वक पूरी कर ली हैं और गाड़ी से वापस आ गए हैं। प्रतिनिधियों का हार्दिक रूप से स्वागत किया गया और रेलवे ने रेलवे स्टेशनों पर प्रतिनिधियों की सुविधा के लिए व्यापक व्यवस्था की।

पश्चिम मध्य रेल के लेखा विभाग को मिला मध्य प्रदेश भामाशाह पुरस्कार



मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से पुरस्कार प्राप्त करते हुए पश्चिम मध्य रेलवे जबलपुर के प्रधान वित्त सलाहकार श्री कार्तिक चौहान तथा अन्य अधिकारीगण

पश्चिम मध्य रेल के लेखा विभाग को मध्य प्रदेश शासन द्वारा 'मध्य प्रदेश भामाशाह' पुरस्कार दिया गया। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने पश्चिम मध्य रेलवे जबलपुर के प्रधान वित्त सलाहकार श्री कार्तिक चौहान को रवीन्द्र भवन, भोपाल में प्रशस्ति पत्र एवं ₹02 लाख का पुरस्कार प्रदान किया। यह पुरस्कार कुल ₹336 करोड़ 28 लाख जीएसटी जमा करने पर मिला। समारोह में पश्चिम मध्य रेल जबलपुर की ओर से प्रधान वित्त सलाहकार श्री कार्तिक चौहान एवं उप मुख्य लेखा अधिकारी (सामान्य) श्री ए. एम. खान सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। पश्चिम मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री सुधीर कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में लेखा विभाग के प्रधान वित्त सलाहकार श्री कार्तिक चौहान के निर्देशन में जबलपुर मण्डल के वरिष्ठ मण्डल वित्त प्रबंधक श्री अभिराम खरे एवं भोपाल मण्डल कि वरिष्ठ मण्डल वित्त प्रबंधक श्रीमती एकता अरोरा के नेतृत्व में जीएसटी के नियमित संग्रह हेतु लगातार प्रेरणा दी गयी साथ जीएसटी से सम्बंधित मानक नियमों को सुनिश्चित करने में सराहनीय भूमिका निभाई गयी, जिसके परिणामस्वरूप वित्तीय वर्ष 2021-22 की अवधि में कुल ₹336 करोड़ 28 लाख जीएसटी के रूप में जमा किया।

भारतीय रेल भारत गौरव ट्रेन योजना के तहत केवल एलएचबी कोच आवंटित करेगा

बेहतर गुणवत्ता वाले कोचों और ज्यादा व्यावहारिक टूर पैकेजों के प्रावधान के जरिए रेल आधारित पर्यटन को बढ़ावा देने के प्रयासों को और तेज करने के लिए 'भारत गौरव ट्रेन योजना' की समीक्षा की गई।

संशोधित नीति की मुख्य विशेषताएं इस तरह हैं:

- अब से, भारत गौरव ट्रेन योजना के तहत केवल लिंके हॉफमैन बुश (एलएचबी) कोच आवंटित किए जाएंगे।
- रेल पर्यटन को बढ़ावा देने और उत्पादों को और अधिक व्यवहार्य बनाने के मकसद से रेल मंत्रालय ने इस योजना के तहत भारत गौरव ट्रेनों के संचालन के लिए निश्चित और परिवर्तनीय ढुलाई शुल्क में ओवरहेड कंपोनेंट नहीं लगाने का निर्णय लिया



है। 'भारत गौरव ट्रेन योजना' के तहत रेल पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भारतीय रेल द्वारा लगभग 33 प्रतिशत रियायत दी जाएगी।

- मौजूदा सेवा प्रदाताओं, जिन्हें पहले ही भारत गौरव ट्रेन नीति के ढांचे के तहत आईसीएफ रेक आवंटित किए जा चुके हैं, को संशोधित शुल्कों पर समझौते की शेष अवधि के लिए एलएचबी रेक पर स्विच करने का विकल्प दिया जाएगा हालांकि, यदि वे पहले से आवंटित रेकों को जारी रखने का विकल्प चुनते हैं, तो संशोधित शुल्कों का लाभ नए प्रभाव से उपलब्ध होगा।
- लागू संशोधित शुल्कों को अधिसूचित कर दिया गया है।

रेल मंत्री ने बनारस रेल इंजन कारखाना के विकास कार्यों की समीक्षा की



बनारस रेल इंजन कारखाने के कीर्ति कक्ष में समीक्षा बैठक करते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव। साथ में हैं, महाप्रबंधक अंजलि गोयल एवं बरेका के प्रमुख विभागाध्यक्षगण एवं वरिष्ठ अधिकारीगण

दिनांक 04 नवंबर को रेल, संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, भारत सरकार, श्री अश्विनी वैष्णव ने बनारस रेल इंजन कारखाना का दौरा किया। बरेका प्रशासन भवन के स्वागत हॉल में 12,000 एच.पी. लोकोमोटिव की निर्माण प्रक्रियाओं एवं उनकी विशेषताओं को प्रदर्शित किया गया, जिसे रेल मंत्री ने ध्यानपूर्वक देखा। तदोपरांत बरेका कीर्ति कक्ष में आयोजित बैठक में रेल मंत्री ने महाप्रबंधक अंजलि गोयल के साथ बरेका के प्रमुख विभागाध्यक्षगण एवं वरिष्ठ अधिकारीगण तथा बरेका कर्मचारी परिषद्, ओ.बी.सी. एवं एस.सी.-एस.टी. एसोसिएशन व बरेका के अन्य संगठनों के साथ विस्तारपूर्वक चर्चा की। बैठक में बरेका में चल रही उत्पादन गतिविधियों एवं 12,000 एच.पी. लोकोमोटिव की निर्माण प्रक्रियाओं के विषय पर चर्चा करते हुए उनके विशेषताओं के विषय में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। साथ ही, रेल मंत्री ने बरेका केंद्रीय चिकित्सालय के विस्तारीकरण हेतु ₹7.5 करोड़ के प्रस्ताव की शीघ्र स्वीकृति हेतु आश्वासन भी दिया।

इसके अतिरिक्त रेल मंत्री ने रेलवे में चल रही विभिन्न परियोजनाओं के विषय में भी विस्तार से जानकारी दी एवं अपने अधिकारियों एवं कर्मचारियों के कौशल पर विश्वास जताते हुए कहा कि इसी का परिणाम है कि आज हम हाई स्पीड ट्रेन की परियोजनाओं पर तेजी से कार्य कर रहे हैं। आगे उन्होंने बताया कि लोको की गुणवत्ता में टॉलरेंस माइक्रोन रखेंगे और यात्री सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। साथ ही, रेलवे लाइनों को डबल करेंगे, हमारे अधिकांश रेलवे स्टेशन एयरपोर्ट की तरह होंगे। हम अपने टेकनीशियंस एवं इंजीनियरों के कौशल को और बेहतर करेंगे, वर्तमान की आवश्यकता के हिसाब से रेलवे में निवेश तथा टेक्नोलॉजी बढ़ाएंगे। उन्होंने विश्वास दिलाते हुए कहा कि अगले 5-6 वर्षों के अंदर हमारा लोको एवं बॉगी यूरोप के साथ ही दुनिया के विभिन्न देशों में निर्यात होगा। उदाहरणस्वरूप उन्होंने बताया कि आज टेलीकॉम के क्षेत्र में हमारी टेक्नोलॉजी में इतना विकास हुआ है कि आज एक साथ दस लाख कॉल रन करती हैं और अगले 2-3 वर्षों में अन्य देशों के मोबाइल में हिन्दुस्तान की टेक्नोलॉजी होगी, इसमें भी कोई आश्चर्य नहीं होगा। चर्चा में उपस्थित सभी सदस्यों ने गुणवत्ता एवं उत्पादन बढ़ाने एवं नई परियोजनाओं पर कार्य करने हेतु उत्साह दिखाया।



वन स्टेशन वन प्रोडक्ट के तहत बनारस रेलवे स्टेशन पर बने स्टॉल पर कलाकारों द्वारा तैयार किए गए उत्पादों को देखते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव

रेल मंत्री ने दक्षिण तट रेलवे मुख्यालय के लिए विशाखापट्टनम में वायरलेस कॉलोनी का निरीक्षण किया

रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने विशाखापट्टनम का दौरा किया और दिनांक 11 नवंबर, 2022 को वायरलेस कॉलोनी का निरीक्षण किया, जहां दक्षिण तट रेलवे, क्षेत्रीय रेलवे का मुख्यालय प्रस्तावित किया गया है। वायरलेस कॉलोनी में प्रस्तावित दक्षिण तट रेलवे के क्षेत्रीय मुख्यालय के निर्माण के लिए ₹106 करोड़ स्वीकृत किए गए हैं। इस निर्माण कार्य के लिए रेलवे बोर्ड से स्वीकृति ली गई है। रेल मंत्री के साथ रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री विनय कुमार त्रिपाठी, महाप्रबंधक, पूर्व तट रेलवे श्री आर. एन. सुनकर, मंडल रेल प्रबंधक, वालटेयर श्री अनूप सतपथी एवं रेलवे बोर्ड और पूर्व तट रेलवे के अन्य उच्च अधिकारी भी उपस्थित थे।



विशाखापट्टनम के दौरे के अवसर पर विभिन्न परियोजनाओं की जानकारी लेते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव। साथ में हैं रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री विनय कुमार त्रिपाठी

जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर रेल मंत्री ने भगवान बिरसा मुंडा को पुष्पांजलि अर्पित की



'जनजातीय गौरव दिवस' के अवसर पर रेल भवन में भगवान बिरसा मुंडा को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव। साथ में हैं रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री विनय कुमार त्रिपाठी एवं रेलकर्मी

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव तथा रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री विनय कुमार त्रिपाठी ने 15 नवंबर, 2022 को रेल भवन में महान आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा को पुष्पांजलि अर्पित की। भारत सरकार ने वर्ष 2021 से आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी एवं समाज सुधारक बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में 15 नवंबर को 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। उन्होंने ब्रिटिश औपनिवेशिक सरकार के खिलाफ जनजातीय आंदोलन अर्थात् उलगुलान का नेतृत्व किया था। उन्हें 'धरती अब्बा' के नाम से भी जाना जाता है, क्योंकि उन्होंने जनजातीय समुदायों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों को समझने और एकता का पालन करने के लिए प्रोत्साहित किया था।

भारतीय रेल ने 'जनजातीय गौरव दिवस' के अवसर पर प्रमुख रेल स्टेशनों पर डिजिटल रूप में बैनर प्रदर्शित किए और इसके महत्त्व के बारे में जन संबोधन प्रणाली से ऑडियो क्लिप भी चलाए। इसके अलावा, रेलों द्वारा ऑनलाइन क्विज, निबंध और पेंटिंग प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं और सांस्कृतिक टीमों द्वारा लोकगीत गाए गए। पिछले 8 वर्षों में रेलवे ने अनुसूचित क्षेत्रों में बड़ी संख्या में परियोजनाओं की शुरुआत की है, जिनसे वहां रहने वाले लोगों के लिए कनेक्टिविटी और व्यापार के अवसरों को गति मिली है।

रेल मंत्री ने किया नई दिल्ली-देवबंद रेल खंड का रियर विंडो निरीक्षण



देवबंद स्टेशन पर विभिन्न परियोजनाओं के विषय में अधिकारियों को निर्देश देते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव

रेल, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने 07 नवंबर, 2022 नई दिल्ली–देवबंद रेल खंड का रियर विंडो निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ श्री आशुतोष गंगल, महाप्रबंधक, उत्तर रेलवे, श्री डिंपी गर्ग, डीआरएम, दिल्ली और उत्तर रेलवे के प्रमुख विभागाध्यक्ष उपस्थित थे। विंडो ट्रेलिंग के दौरान, रेल मंत्री ने इस खंड पर पड़ने वाले स्टेशनों एवं प्रगतिशील विकास कार्यों और स्टेशनों पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं के बारे में जानकारी लेते हुए उनकी समीक्षा की। देवबंद रेलवे स्टेशन पर पहुंचने पर, रेल मंत्री को देवबंद स्टेशन पर विभिन्न विकास परियोजनाओं की प्रगति के बारे में जानकारी दी गई।

निरीक्षण के उपरांत रेल मंत्री ने निर्देश दिए कि देवबंद रेलवे स्टेशन के अग्रभाग को स्थानीय संस्कृति और बाला सुंदरी मंदिर जैसे प्रसिद्ध क्षेत्रीय पर्यटन स्थलों को प्रदर्शित करने के लिए विकसित किया जाए। उन्होंने खुर्दा रेलवे स्टेशन की भांति देवबंद स्टेशन के दूसरे प्रवेश द्वार, प्लेटफार्मों की पूर्ण लंबाई की कवरिंग और सर्कुलेटिंग एरिया के आसान पहुंच को विकसित करने के भी निर्देश दिए।

दोनों निरीक्षण कार्यों के उपरांत, रेल मंत्री ने इन सभी कार्यों के निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा होने की उम्मीद जताई। रेल मंत्री ने कहा कि इन खंडों में रेल परिचालन की सुरक्षा पर अत्यधिक ध्यान देने की आवश्यकता है, क्योंकि इस रेलमार्ग पर रेल यातायात बहुत अधिक रहता है।

रेल मंत्री ने किया आधुनिक डिब्बा कारखाना का दौरा

श्री अश्विनी वैष्णव रेल, संचार और इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली में दिनांक 05 नवंबर, 2022 को फैक्ट्री परिसर का दौरा किया। इस दौरान आरेडिका के महाप्रबंधक श्री एस.एस. कलसी ने रेल मंत्री को आरेडिका में विभिन्न प्रकार के कोचों के निर्माण एवं प्रौद्योगिकी के बारे में अवगत कराया।



आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली का निरीक्षण करते हुए रेलवे, संचार और इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव

इस अवसर पर रेल मंत्री ने कहा कि वंदे भारत कोचों का निर्माण अप्रैल माह से एक बड़े स्तर पर आरेडिका में होने लगेगा। भविष्य में आरेडिका यूरोप के देशों में भी निर्यात करेगा। इस अवसर पर रेल मंत्री ने मॉडिफाइड इकोनॉमी कोचों का सफाई कर्मी महिलाओं के द्वारा फीता कटवाकर उद्घाटन कराया। रेल मंत्री ने कहा कि वंदे भारत के अवसंरचना निर्माण हेतु ₹150 करोड़ का आवंटन किया गया है, जिससे वंदे भारत ट्रेनसेट्स का नियमित उत्पादन प्रारम्भ को सके। इसी कड़ी में शेल असेम्बली लाइन में पूर्णतः स्वचालित मशीनों जैसे सीएनसी मशीन, लेजर कटिंग वेल्डिंग मशीन, फाइबर लेजर कटिंग मशीन, रोबोट वेल्डिंग मशीन, एवं व्हीलशॉप में स्वचालित व्हीलसेट मशीनों को देखा। इसके बाद इकोनॉमी कोचों की फनिर्शिंग देखी और एसी इकोनॉमी क्लास के कोचों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

रेल मंत्री ने जयपुर का दौरा कर विकास कार्यों का जायजा लिया

श्री अश्विनी वैष्णव, रेल, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने दिनांक 22 अक्टूबर, 2022 को जयपुर दौरे के दौरान गांधीनगर जयपुर स्टेशन पर यात्री सुविधाओं और रि-डेवलपमेंट कार्यों की जानकारी प्राप्त की तथा यात्रियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए दिशा-निर्देश प्रदान किये और प्रधान कार्यालय में श्री विजय शर्मा, महाप्रबंधक, उत्तर पश्चिम रेलवे एवं विभागाध्यक्षों के साथ समीक्षा के साथ इण्डस्ट्रीज के प्रतिनिधिगणों के साथ रेलवे के समन्वय से व्यापार बढ़ाने पर चर्चा की।



जयपुर दौरे के दौरान गांधीनगर जयपुर स्टेशन पर यात्री सुविधाओं और रि-डेवलपमेंट कार्यों की जानकारी प्राप्त करते हुए रेल मंत्री, श्री अश्विनी वैष्णव,

श्री वैष्णव ने गांधीनगर जयपुर स्टेशन पर डेवलपमेंट के पश्चात् प्रदान की जाने वाली यात्री सुविधाओं, पार्किंग की व्यवस्था, स्टेशन पर पिक एण्ड ड्रॉप मार्ग, कॉनकॉर्स एरिया, स्टेशन बिल्डिंग की डिजाइन एवं अधिकतम स्पेस यूटिलाइजेशन की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश प्रदान किये कि स्टेशन का विकास आगामी वर्षों को ध्यान में रखकर किया जाये। उसी के अनुरूप सभी सुविधाएं उपलब्ध करवानी होंगी। श्री बृजेश कुमार गुप्ता, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण ने मॉडल तथा प्रस्तुतीकरण के माध्यम से भविष्यगामी स्टेशन के प्रत्येक बिन्दु पर प्रकाश डाला। रेलमंत्री जी ने रि-डेवलपमेंट कार्य के क्रियान्वयन तथा प्रगति की प्रशंसा की। गांधीनगर जयपुर स्टेशन निरीक्षण के दौरान श्री राम चरण बोहरा, सांसद, जयपुर तथा श्री मनोज राजौरिया, सांसद, करोली-धौलपुर भी उपस्थित थे।

प्रधान कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में रेल मंत्री ने श्री विजय शर्मा, महाप्रबंधक उत्तर पश्चिम रेलवे तथा विभागाध्यक्षों व पश्चिम मध्य रेलवे के अधिकारियों के साथ बैठक में संरक्षा, निर्माण परियोजनाओं, विद्युतीकरण कार्य, स्टेशन रि-डेवलपमेंट, यात्री सुविधाओं में बढ़ोत्तरी इत्यादि पर चर्चा की। इसके साथ ही श्री अश्विनी वैष्णव ने राजस्थान की इण्डस्ट्रीज के प्रतिनिधिगणों के साथ भी बैठक की, जिसमें राजस्थान चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज, फिक्की, सीआईआई- राजस्थान, ऐसोचेम, गारमेंट एवं फुटवियर इण्डस्ट्रीज के प्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक में विचार किया गया कि किस प्रकार इण्डस्ट्रीज द्वारा रेलवे के साथ बेहतर समन्वय कर व्यापार को बढ़ाया जाये, जिससे व्यापारियों के साथ-साथ रेलवे के राजस्व में भी वृद्धि हो।

केंद्रीय मंत्री द्वारा सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन का निरीक्षण

श्री जी. किशन रेड्डी, संस्कृति, पर्यटन और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ने दिनांक 14 नवंबर, 2022 को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन का दौरा किया और स्टेशन पुनर्विकास योजनाओं की समीक्षा की। उनके साथ श्री अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दमरे, श्री नीरज अग्रवाल, सीएओ, निर्माण, श्री ए.के. गुप्ता, मंडल रेल प्रबंधक, सिकंदराबाद और अन्य वरिष्ठ रेल पदाधिकारी उपस्थित थे।



श्री रेड्डी ने सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास योजना की विस्तृत समीक्षा की। सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर मीडिया को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन जल्द ही आधुनिक सुविधाओं और बेहतर वास्तुशिल्प डिजाइन के साथ तेलंगाना का सर्वश्रेष्ठ रेलवे स्टेशन बन जाएगा। उन्होंने कहा कि परियोजना को चरणबद्ध तरीके से किया जा रहा है ताकि गाड़ी परिचालन में किसी भी तरह की बाधा न आए। उन्होंने जानकारी दी कि सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास अगले 40 वर्षों तक की यात्रियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए हवाई अड्डे जैसी बुनियादी सुविधाओं के साथ किया जा रहा है। इसके अलावा, श्री रेड्डी ने कहा कि सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास योजना में आधुनिक यात्री सुविधाएं, आधुनिक वास्तुकला, आधुनिक तकनीक और सभी यात्रियों के लिए आरामदायक सुविधाएं शामिल हैं।

रेल राज्य मंत्री द्वारा अहमदनगर और नई आष्टी के बीच अतिरिक्त डेमू सेवाओं का शुभारंभ

रेल, कोयला और खान राज्य मंत्री, श्री रावसाहेब दादाराव पाटिल दानवे ने दिनांक 17 नवबंर, 2022 को अहमदनगर रेलवे स्टेशन से अहमदनगर और नई आष्टी के बीच अतिरिक्त डेमू सेवाओं का शुभारंभ किया एवं उद्घाटन सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर संसद सदस्य, डॉ. सुजय विखे पाटिल, डॉ. प्रीतम मुंडे, महाराष्ट्र विधान सभा के सदस्य श्री सुरेश दास, श्री बबनराव पाचपुते उपस्थित थे।



अहमदनगर और नई आष्टी के बीच उद्घाटन सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए रेल कोयला और खान राज्य मंत्री, श्री रावसाहेब दादाराव पाटिल दानवे

इस अवसर पर श्री रावसाहेब दादाराव पाटिल ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि अतिरिक्त डेमू सेवाएं न्यू आष्टी-अहमदनगर बेल्ट और आसपास के क्षेत्रों के निवासियों के लिए बेहतर कनेक्टिविटी सुनिश्चित करेंगी। ये पुणे और मुंबई को सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करेगीं क्योंकि यात्रियों को 11042 साईंनगर शिर्डी-दादर एक्सप्रेस के लिए कनेक्टिंग ट्रेन मिल सकती है। श्री आलोक सिंह, अपर महाप्रबंधक, मध्य रेल ने सभी का स्वागत किया और श्री नीरज दोहरे, मंडल रेल प्रबंधक, सोलापुर मंडल, मध्य रेल ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

रेल राज्य मंत्री की दक्षिण पूर्व रेलवे एवं पूर्व रेलवे के महाप्रबंधकों के साथ कोलकाता में समीक्षा बैठक



दक्षिण पूर्व रेलवे और पूर्व रेलवे के प्रदर्शन की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक करती हुईं रेल और कपड़ा राज्य मंत्री, श्रीमती दर्शना जरदोश

रेल और कपड़ा राज्य मंत्री, श्रीमती दर्शना जरदोश ने दिनांक 12 नवंबर, 2022 को कोलकाता के बेलवेडेर पार्क में दक्षिण पूर्व रेलवे और पूर्व रेलवे के प्रदर्शन की समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक की। सुश्री अर्चना जोशी, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे, श्री अतुल्य सिन्हा, अपर महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे, डॉ. जयदीप गुप्ता, अपर महाप्रबंधक, पूर्व रेलवे और दक्षिण पूर्व एवं पूर्व रेलवे के अन्य प्रधान अधिकारी समीक्षा के बैठक दौरान उपस्थित थे। श्रीमती जरदोश ने बैठक के दौरान फंड के उपयोग और नई परियोजनाओं के लिए अतिरिक्त अनुदान की मांग पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने नई लाइन, दोहरीकरण, तीसरी लाइन, रोड ओवर ब्रिज, यात्री सुविधा कार्यों आदि जैसी चल रही रेलवे परियोजनाओं को समय पर पूरा करने पर जोर दिया। उन्होंने विभिन्न मंत्रालयों के साथ-साथ केंद्र और राज्य सरकारों के बीच समन्वय पर भी जोर दिया। यात्रियों की सुरक्षा और संरक्षा बढ़ाने पर भी चर्चा हुई।

सुश्री अर्चना जोशी, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे ने रेल राज्य मंत्री को दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा की गई विभिन्न विकासात्मक पहलों जैसे, चल रही परियोजनाओं की प्रगति, स्टेशनों का पुनर्विकास, एस्केलेटर की स्थापना और अन्य यात्री सुविधा उपाय, समपारों को समाप्त करना, यात्री सुरक्षा के लिए सीसीटीवी की स्थापना आदि के बारे में सूचित किया।

रेल राज्य मंत्री ने वलसाड-वडनगर इंटरसिटी एक्सप्रेस का हरी झंडी दिखाकर किया शुभारंभ





सूरत स्टेशन पर आयोजित एक समारोह में वलसाड-वडनगर इंटरसिटी एक्सप्रेस की पहली सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुईं रेल एवं कपड़ा राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश और अन्य गणमान्य अतिथिगण ।

रेल और कपड़ा राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश ने 3 नवम्बर, 2022 को सूरत स्टेशन से नई वलसाड-वडनगर इंटरसिटी एक्सप्रेस की उद्घाटक सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर सूरत की महापौर श्रीमती हेमाली बोघावाला, माननीय विधायकगण श्री विवेकभाई पटेल, श्री अरविंद राणा, श्री कांतिभाई बलर, श्री किशोरभाई कानाणी (कुमार), श्री प्रवीणभाई घोघारी, श्री वी. डी. झालावाडीया और अन्य गणमान्य अतिथियों के साथ-साथ पश्चिम रेलवे के मुंबई मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री नीरज वर्मा और वरिष्ठ रेल अधिकारी भी उपस्थित थे।

श्रीमती जरदोश ने अपने संबोधन में इस नई ट्रेन को शुरू करने के लिए पश्चिम रेलवे द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह नई ट्रेन वलसाड और सांस्कृतिक और हेरिटेज नगर वडनगर के बीच बेहतर संपर्क प्रदान करेगी। अहमदाबाद और गांधीनगर कैपिटल से गुजरने वाली यह नई ट्रेन सेवा, इस मार्ग पर लगातार बढ़ती मांग को पूरा करेगी तथा शिक्षा, रोजगार, तीर्थाटन के लिए यात्रा करने वालों के साथ-साथ सामान्य यात्रियों और पर्यटकों के लिए भी सुविधाजनक एवं लाभप्रद सिद्ध होगी।

एम ई टी एवं एच टी एस प्रदर्शनी-2022 में बरेका मंडप का रक्षा राज्य मंत्री ने फीता काटकर शुभारंभ किया

बॉम्बे प्रदर्शनी स्थल, मुंबई में एम ई टी एवं एच टी एस-2022 का शुभारंभ रक्षा राज्य मंत्री श्री अजय भट्ट के द्वारा किया गया। इस प्रदर्शनी में मिनिस्ट्री ऑफ रेलवे, मिनिस्ट्री ऑफ डिफेंस, डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड इंडस्ट्रीज रिसर्च, मिनिस्ट्री ऑफ रोड ट्रांसपोर्ट एंड हाईवे, मिनिस्ट्री आफ पॉवर, मिनिस्ट्री ऑफ माइन्स, मिनिस्ट्री ऑफ शिपिंग, मिनिस्ट्री ऑफ माइक्रो स्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राइजेज भारत सरकार द्वारा मुख्य रूप से प्रतिभाग किया जा रहा है, जिसमें बरेका महाप्रबंधक सुश्री अंजलि गोयल के नेतृत्व लोको उत्पादन क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों के साथ लोको उत्पादन क्षमता का बेहतरीन प्रदर्शन विभिन्न प्रकार के विद्युत रेल इंजनों के रनिंग मॉडल एवं निर्यात किये जाने वाले डीजल रेल इंजनों के मॉडलों को प्रदर्शित कर आगंतुकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रहा है,



मुंबई में एमईटी एवं एचटीएस-2022 में बरेका प्रदर्शनी स्टॉल का फीता काटकर शुभारंभ करते हुए रक्षा राज्य मंत्री श्री अजय भट्ट

इससे पहले बरेका प्रदर्शनी स्टॉल का रक्षा राज्य मंत्री श्री अजय भट्ट द्वारा फीता काट कर शुभारंभ किया गया। उन्होंने बरेका स्टॉल का भ्रमण किया। इस दौरान जन संपर्क अधिकारी राजेश कुमार ने रेल उत्पादन से सम्बन्धित विभिन्न क्रियाकलापों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। प्रदर्शनी में मुख्य रूप से बनारस रेल इंजन कारखाना के मुख्य अभिकल्प इंजीनियर/डीजल, श्री आर.आर. प्रसाद उपस्थित रहे।

कटिहार रेलवे स्टेशन पर विभिन्न यात्री सुविधाओं का उद्घाटन

पूर्वोत्तर सीमा रेल के अधीन कटिहार रेलवे स्टेशन को बेहतर सुविधाओं के साथ पुनर्निर्मित विश्राम कक्ष और एक जोड़ी एस्केलेटर प्रदान किए गए हैं। डॉ. अहमद अशफाक करीम, सांसद, राज्य सभा और श्री दुलाल चंद्र गोस्वामी, सांसद, लोकसभा ने 6 नवंबर, 2022 को एस्केलेटर और पुनर्निर्मित विश्राम कक्षों का उद्घाटन किया। उद्घाटन कार्यक्रम में सदस्य, बिहार विधान परिषद् श्री अशोक कुमार अग्रवाल, पू. सी. रेल के महाप्रबंधक श्री अंशुल गुप्ता और रेलवे के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। कटिहार रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म सं. 8 के पास मॉडल टाउन की ओर नवनिर्मित एस्केलेटर लगाए गए हैं। स्टेशन पर मार्च, 2021 से यात्रियों के उपयोग के लिए प्लेटफॉर्म संख्या एक पर पहले से ही एक जोड़ी एस्केलेटर उपलब्ध हैं।



रेल उपयोगकर्ताओं को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने हेतु अतिरिक्त विश्राम कक्ष विकसित किए गए हैं और मौजूदा कमरों को बेहतर सुविधाओं के साथ पुनर्निर्मित किया गया है। जो यात्री इन आवास कक्षों में रहना चाहते हैं, वे आईआरसीटीसी पोर्टल के माध्यम से या कटिहार स्टेशन पर उपलब्ध विश्राम कक्ष काउंटर पर आसानी से बुकिंग कर सकते हैं।

सांसद द्वारा बीना-कटनी मुड़वारा मेमू ट्रेन का शुभारम्भ



दिनांक 21 अक्टूबर, 2022 को सांसद, सागर, श्री राजबहादुर सिंह द्वारा ट्रेन संख्या 06603 बीना–कटनी मुड़वारा मेमू ट्रेन का बीना स्टेशन पर हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर विधायक, बीना श्री महेश राय जी तथा बीना क्षेत्र के गणमान्य नागरिक भी उपस्थित थे। अपर मण्डल रेल प्रबंधक जबलपुर श्री दीपक कुमार गुप्ता द्वारा सांसद, श्री राजबहादुर सिंह का स्वागत किया गया। सांसद जी ने कहा कि बीना से कटनी मुड़वारा के बीच छोटे–छोटे स्टेशनों के यात्रियों को यात्रा में सुविधा होगी और विशेषकर प्रतिदिन आने जाने वाले यात्रियों एवं व्यापारियों को बहुत राहत मिलेगी। इन मेमू ट्रेनों में सभी तरह की आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। सांसद जी ने इस मेमू ट्रेन में बीना से सागर तक की यात्रा भी की साथ ही यात्रियों से रू–ब–रू भी हुए।

सांसद द्वारा सीतापुर स्टेशन पर 100 फीट ऊँचे राष्ट्रीय ध्वज का लोकार्पण एवं लिफ्ट का शुभारम्भ

श्री राजेश वर्मा, सांसद, सीतापुर ने 26 सितम्बर, 2022 को पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मण्डल के सीतापुर स्टेशन पर आयोजित एक समारोह में सीतापुर स्टेशन पर 100 फीट ऊँचे राष्ट्रीय ध्वज का लोकार्पण, प्लेटफॉर्म संख्या–1 एवं 6 पर लिफ्ट का शुभारम्भ तथा ओ.बी.सी. एसोसिएशन कार्यालय के नवीनीकृत भवन का उद्घाटन फलक का अनावरण कर किया।



समारोह को सम्बोधित करते हुए सांसद श्री राजेश वर्मा ने कहा कि सीतापुर स्टेशन पर राष्ट्रीय ध्वज के स्थापित होने पर जनता एवं रेल यात्रियों के हृदय में राष्ट्र के प्रति सम्मान, गौरव एवं प्रेम की भावना बलवती होगी। प्लेटफॉर्म संख्या–1 एवं 6 पर लगायी गयी लिफ्ट यात्रियों, विशेषकर वृद्ध एवं दिव्यांग यात्रियों के लिए काफी उपयोगी होगी।

गोड्डा-टाटानगर एक्सप्रेस की हरी झंडी दिखाकर रवानगी



सांसद, श्री निशिकांत दुबे ने 22 अक्टूबर, 2022 को गोड्डा स्टेशन पर श्री अमित कुमार मंडल, विधायक, श्री विकाश चौबे, मंडल रेल प्रबंधक, मालदा और मंडल के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में गोड्डा-टाटानगर स्पेशल ट्रेन की उद्घाटन सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर श्री निशिकांत दुबे ने आसपास के क्षेत्र के स्थानीय लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूर्ण करती इस नई ट्रेन के शुभारंभ के लिए माननीय प्रधानमंत्री और रेल मंत्री को धन्यवाद दिया। श्री दुबे ने कहा कि, गोड्डा-टाटानगर-गोड्डा साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन गोड्डा से चलेगी जो झारखंड के गोड्डा जिले को टाटानगर में औद्योगिक हब से जोड़ेगी, जिससे आम लोगों को अत्यंत मदद मिलेगी।

इस अवसर पर श्री अमित कुमार मंडल ने कहा कि नई ट्रेन झारखंड के सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देगी।

संबलपुर मंडल के सांसदों के साथ महाप्रबंधक, पूर्व तट रेलवे की बैठक

दिनांक 14 अक्टूबर, 2022 को संबलपुर रेलवे मंडल के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत संबलपुर में रेलवे के मुद्दों पर सांसदों के साथ एक बैठक आयोजित की गई। महाप्रबंधक (प्रभारी), पूर्व तट रेलवे श्री शरद कुमार श्रीवास्तव एवं पूर्व तट रेलवे के सभी विभागों के विभागाध्यक्ष भी बैठक में शामिल हुए, जिसमें मंडल रेल प्रबंधक/संबलपुर श्री विनीत सिंह भी शामिल थे। सांसदों द्वारा, रेलवे के मुद्दों पर कई रचनात्मक विचार, मूल्यवान सुझाव दिए गए एवं सार्वजनिक मांगें उठाई गईं।



वालटेयर मंडल के सांसदों के साथ महाप्रबंधक, पूर्व तट रेलवे की बैठक



दिनांक 18 अक्टूबर, 2022 को विशाखापट्टनम में पूर्व तट रेलवे के वालटेयर मंडल में आने वाले सांसदों के साथ प्रभारी महाप्रबंधक, पूर्व तट रेलवे श्री शरद कुमार श्रीवास्तव की एक बैठक हुई। आन्ध्र प्रदेश, ओडिशा, छत्तीसगढ़ से कुल आठ सांसद बैठक में उपस्थित थे। यात्रियों की आकांक्षाओं की पूर्ति हेतु यात्री सुविधाओं एवं रेलवे के बुनियादी ढांचे के विकास हेतु, सांसदों ने अपने मूल्यवान सुझाव दिए।

सांसदों ने मंडल में यात्री सुविधाओं में सुधार हेतु अपनी श्रेष्ठतम सेवा देने के लिए महाप्रबंधक, पूर्व तट रेलवे एवं मंडल रेल प्रबंधक, वालटेयर के प्रयासों की सराहना की एवं रेलवे के सुचारू संचालन के लिए अपने पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

महाप्रबंधक, उत्तर रेलवे ने अम्बाला और फिरोजपुर मंडल के क्षेत्राधिकार में आने वाले सांसदों के साथ बैठक की



उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री आशुतोष गंगल ने दिनांक 16 नवंबर, 2022 को चंडीगढ़ में उत्तर रेलवे के अम्बाला और फिरोजपुर मंडलों के क्षेत्राधिकार में आने वाले निर्वाचन क्षेत्रों के लोकसभा एवं राज्यसभा सांसदों के साथ एक बैठक की, जिसमें दोनों मंडलों के क्षेत्राधिकार में आने वाले विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों के 18 सांसदों (लोकसभा और राज्यसभा) तथा सांसदों के 6 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में महाप्रबंधक ने जनता के लिए चलाई जा रहीं विभिन्न रेल परियोजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर अम्बाला मंडल के मंडल रेल प्रबन्धक, श्री मनदीप सिंह भाटिया एवं फिरोजपुर मंडल की मंडल रेल प्रबंधक श्रीमती सीमा शर्मा ने अपने अपने मंडलों की विकासात्मक गतिविधियों का प्रेजेंटेशन भी प्रस्तुत किया।

सांसदों और उनके प्रतिनिधियों ने गाड़ियों के अतिरिक्त स्टॉपेज, नई ट्रेनें चलाने, यात्री सुविधाओं में वृद्धि, स्टेशनों पर सुविधाओं के विकास, उचित स्वच्छता जैसी मांगों को भी सामने रखा तथा रेलवे द्वारा संरक्षित, सुरक्षित एवं समयबद्ध रेल परिचालन करते हुए समस्त विकास कार्यों तथा परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा के अन्दर उच्च गुणवत्ता के साथ संपन्न करने की अपेक्षा की।

उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक ने दिल्ली मंडल के क्षेत्राधिकार में आने वाले सांसदों के साथ बैठक की

उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री आशुतोष गंगल ने दिनांक 17 नवबंर, 2022 को नई दिल्ली में उत्तर रेलवे के दिल्ली मंडल के क्षेत्राधिकार में आने वाले निर्वाचन क्षेत्रों के लोकसभा एवं राज्यसभा सांसदों के साथ एक बैठक की। बैठक में सांसदगण (लोकसभा) श्री राजेन्द्र अग्रवाल, डॉ अरविन्द कुमार शर्मा, श्री रमेश चन्द्र कौशिक, श्री मनोज कुमार तिवारी, श्री बृजेन्द्र सिंह, श्री नायब सिंह, श्रीमती सुनीता दुग्गल, श्री प्रदीप कुमार चौधरी और सांसदगण (राज्यसभा), श्री नारायण दास गुप्ता, श्री रामचंद्र जांगड़ा, श्री कृष्ण लाल पँवार और दिल्ली मण्डल के क्षेत्राधिकार में आने वाले विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों के सांसदों के 12 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।



महाप्रबंधक ने दिल्ली मंडल के परिक्षेत्र में रेलवे द्वारा चलाई जा रही विभिन्न महत्त्वपूर्ण कार्यों की प्रगति से अवगत कराया। इस अवसर पर दिल्ली मंडल के मंडल रेल प्रबन्धक, श्री डिम्पी गर्ग ने दिल्ली मंडलों की विकासात्मक गतिविधियों का एक प्रेजेंटेशन भी प्रस्तुत किया। सांसदों और उनके प्रतिनिधियों ने गाड़ियों के अतिरिक्त स्टॉपेज, नई ट्रेनें चलाने, यात्री सुविधाओं, उचित स्वच्छता जैसी मांगों को सामने रखा।

खोरधा रोड मंडल के सांसदों के साथ महाप्रबंधक, पूर्व तट रेलवे की बैठक



दिनांक 28 अक्टूबर, 2022 को खोरधा रोड रेलवे मंडल के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सांसदों के साथ भुवनेश्वर में रेलवे के मुद्दों पर एक बैठक आयोजित की गई। श्री शरद कुमार श्रीवास्तव महाप्रबंधक (प्रभारी), पूर्व तट रेलवे एवं पूर्व तट रेलवे के सभी विभागों के विभाग प्रमुख बैठक में उपस्थित थे। मंडल रेल प्रबंधक/ खोरधा रोड श्री रिंकेश रॉय भी बैठक में थे। सांसदों द्वारा रेलवे के मुद्दों पर कई रचनात्मक विचार, मूल्यवान सुझाव दिए गए एवं सार्वजनिक मांगें उठाई गईं। रेलवे नेटवर्क के विकास का जिनमें, आम जनता की आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करने वाली सार्वजनिक माँगें एवं पूर्व तट रेलवे के कार्यों की समीक्षा शामिल थी।

महाप्रबंधक पश्चिम मध्य रेल के साथ जबलपुर एवं भोपाल रेल मंडल परिक्षेत्र के सांसदों की बैठक



जबलपुर रेल मंडल परिक्षेत्र-यात्री सुविधाओं पर विचार-विमर्श करने तथा रेल सुविधाओं के विकास एवं विस्तार पर चर्चा करने हेतु दिनांक 14 अक्टूबर, 2022 को जबलपुर रेल मंडल परिक्षेत्र के सांसदों की एक महत्त्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में 8 सांसदों ने अपने-अपने क्षेत्र के रेल यात्रियों की सुविधाओं के लिए अपने सुझाव दिये तथा अन्य सांसदों ने अपने प्रतिनिधियों के माध्यम से सुझाव भेजे।

मण्डल रेल प्रबंधक, जबलपुर श्री विवेकशील ने मण्डल पर चल रहे विकास कार्यों की जानकारी प्रदान की गई। महाप्रबंधक श्री सुधीर कुमार गुप्ता ने एमपीएलएडी फंड से यात्रियों की सुविधा के लिए सहायता देने हेतु सांसदगणों का आभार व्यक्त किया। बैठक के दौरान सांसद, सतना श्री गणेश सिंह, सांसद, होशंगाबाद श्री उदय प्रताप सिंह, सांसद, रीवा श्री जनार्दन मिश्रा, सांसद, सागर श्री राजबहादुर सिंह, सांसद, सीधी श्रीमती रीती पाठक, राज्यसभा सांसद, श्री अजय प्रताप सिंह, सांसद श्री कैलाश सोनी एवं सांसद (राज्यसभा) श्रीमती सुमित्रा बाल्मीक जी ने यात्री सुविधाओं में बढ़ोत्तरी हेतु अपने बहुमूल्य सुझाव दिये।

भोपाल मण्डल रेल परिक्षेत्र-दिनांक 04 नवंबर, 2022 को पश्चिम मध्य रेल, भोपाल मण्डल रेल परिक्षेत्र के सांसदगणों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक का आयोजन भोपाल में किया गया। बैठक में महाप्रबंधक ने अपने स्वागत भाषण में पश्चिम मध्य रेल की उपलब्धियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। भोपाल के मण्डल रेल प्रबंधक श्री सौरभ बंदोपाध्याय ने मण्डल में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी बैठक में उपस्थित सदस्यों को दी।

बैठक के दौरान सांसद-राजगढ़, श्री रोडमल नागर, सांसद-ग्वालियर, श्री विवेक नारायण शेजवलकर, सांसद-विदिशा, श्री रमाकांत भार्गव, सांसद-बैतूल, श्री दुर्गादास उइके, सांसद-सागर, श्री राजबहादुर सिंह, सांसद-खण्डवा, श्री ज्ञानेश्वर पटिल, सांसद-भोपाल, साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर, सांसद-गुना, डॉ. कृष्णपाल सिंह यादव एवं सांसद-नर्मदापुरम, श्री उदय प्रताप सिंह जी ने यात्री सुविधाओं के बारे में विस्तृत चर्चा करते हुए अपने बहुमूल्य सुझाव दिये।



आपको यह
अंक कैसा लगा
हमें जरूर बताएं

ई-मेल : editorbhartiyarailrb@gmail.com

पत्र लिखें ▶ **संपादक,** भारतीय रेल,
कमरा नं. 411, रेल भवन, नई दिल्ली-110 001

पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबंधक की लखनऊ मण्डल के सांसदों के साथ बैठक



पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार मिश्र की वाराणसी मण्डल के सांसदों एवं सांसद प्रतिनिधियों के साथ मण्डलीय कमेटी की बैठक 26 सितम्बर, 2022 को मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय के सभागार में आयोजित की गई। बैठक में प्रमुख रूप से श्री कौशल किशोर, केन्द्रीय आवास एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री, श्री हरीश द्विवेदी, सांसद, बस्ती, श्री कमलेश पासवान, सांसद, बांसगांव, श्री बृजलाल, सांसद (राज्य सभा), श्री प्रवीन कुमार निषाद, सांसद, सन्त कबीरनगर, श्री राम शिरोमणि वर्मा, सांसद, श्रावस्ती, श्री उपेन्द्र सिंह रावत, सांसद, बाराबंकी, श्री अक्षयबर लाल, सांसद, बहराइच, श्री जगदम्बिका पाल, सांसद, डुमरियागंज के अतिरिक्त श्री कीर्ति वर्धन सिंह, सांसद, गोंडा, श्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय रक्षा मंत्री एवं सांसद, लखनऊ, श्री रवींद्र श्यामनारायण शुक्ल (रवि किशन), सांसद, गोरखपुर, श्रीमती रेखा अरुण वर्मा, सांसद, धौरहरा, श्री राजेश वर्मा, सांसद, सीतापुर एवं श्री रामजी, सांसद (राज्य सभा) के प्रतिनिधिगण तथा रेलवे के प्रमुख विभागाध्यक्ष, डॉ. मोनिका अग्निहोत्री, मण्डल रेल प्रबंधक, लखनऊ एवं अन्य वरिष्ठ मण्डलीय रेल अधिकारी उपस्थित थे।

महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार मिश्र ने पूर्वोत्तर रेलवे की विकासात्मक गतिविधियों की जानकारी दी।

डॉ. मोनिका अग्निहोत्री, मण्डल रेल प्रबंधक, लखनऊ ने पॉवर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से लखनऊ मण्डल की विभिन्न गतिविधियों एवं उपलब्धियों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया।

उत्तर पश्चिम रेलवे पर क्षेत्रीय रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति की 20वीं बैठक का आयोजन

उत्तर पश्चिम रेलवे पर क्षेत्रीय रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति की 20वीं बैठक दिनांक 14 नवंबर, 2022 को जगतपुरा स्थित सामुदायिक केन्द्र में आयोजित की गई। समिति के सदस्यों में उत्तर पश्चिम रेलवे के भौगोलिक क्षेत्र से सम्बन्धित संगठनों, चैम्बर ऑफ कॉमर्स, रेल यात्री संगठन, उपभोक्ता संरक्षण संगठन एवं मंत्रियों द्वारा नामित सदस्यों सहित कुल 52 प्रतिनिधिगण उपस्थित थे। बैठक में श्री रामचरण बोहरा, सांसद-जयपुर, श्री सुमेध ानंद सरस्वती, सांसद-सीकर, श्री अर्जुन लाल मीना, सांसद-उदयपुर, श्री निहालचंद, सांसद- गंगानगर, श्री धर्मवीर, सांसद-महेन्द्रगढ़, भिवानी, श्रीमती जसकौर मीना, सांसद-दौसा, श्री हनुमान बेनवाल, सांसद-



नागौर, श्री राजेन्द्र गहलोत, सांसद राज्यसभा-राजस्थान तथा श्री अभय सिंह यादव, विधायक-नांगल चौधरी, नारनौल उपस्थित थे।

इस अवसर पर श्री विजय शर्मा, अध्यक्ष-क्षेत्रीय रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति एवं महाप्रबंधक-उत्तर पश्चिम रेलवे ने समिति के सदस्यों को बताया कि उत्तर पश्चिम रेलवे पर आधारभूत ढांचे को मजबूत बनाने के लिए पूर्ण क्षमता के साथ कार्य किये जा रहे हैं। बैठक में श्री मुकेश दाधीच को इस क्षेत्रीय रेलवे की ओर से राष्ट्रीय रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति में प्रतिनिधित्व के लिए निर्वाचित किया गया।

भायखला रेलवे स्टेशन

यूनेस्को एशिया-पैसिफिक अवार्ड ऑफ मेरिट से सम्मानित

भायखला रेलवे स्टेशन, भारत में 169 साल पुराना रेलवे स्टेशन, सांस्कृतिक विरासत संरक्षण के लिए यूनेस्को एशिया-पैसिफिक अवार्ड ऑफ मेरिट-2022 प्राप्त किया है।



जुलाई, 2019 में भायखला रेलवे स्टेशन की प्राचीन विरासत वास्तुकला को पुनर्स्थापित करने के लिए एक बड़ी परियोजना शुरू हुई, जो भारत के सबसे पुराने स्टेशनों में से एक है, जो सटीक 169 साल पुराना है। सुश्री शाइना एनसी ट्रस्टी, 'आई लव मुंबई' द्वारा रेलवे के साथ समन्वय में यह परियोजना शुरू की गई है, जो उनके पिता मुंबई के पूर्व शेरिफ और 'आई लव मुंबई' और 'जायंट्स इंटरनेशनल' के संस्थापक, दिवंगत पद्मश्री नाना चूडास्मा की प्यार भरी याद में 'बजाज ट्रस्ट ग्रुप्स' के सहयोग से शुरू की गई है। और आभा नारायण लाम्बा एसोसिएट्स, उनकी सीएसआर पहल के रूप में बजाज समूह की श्रीमती मीनल बजाज और श्री नीरज बजाज और जमनालाल बजाज फॉउंडेशन ने ₹4 करोड़ से अधिक की इस विशाल बहाली परियोजना को वित्त पोषित किया। हेरिटेज कंजर्वेशन आर्किटेक्ट आभा नारायण लांबा ने मुंबई शहर के सम्मान में उनकी सीएसआर पहल के रूप में प्रोजेक्ट प्रो-बोनो करने के लिए शालीनता से सहमति दी।

संपूर्ण योजना और निष्पादन का कार्य पूरा किया गया और भायखला रेलवे स्टेशन को दिनांक 29 मार्च, 2022 को उत्कृष्टता के साथ अपने मूल, प्राचीन, विरासत वास्तुकला में बहाल किया गया।



निम्नलिखित कार्य किए गए

- प्लेटफॉर्म नंबर 1 के मुख्य प्रवेश द्वार/मुखौटा का सौंदर्यीकरण-जीर्णोद्धार, प्रकाश व्यवस्था आदि।
- प्लेटफॉर्म नंबर 1 का बेहतर और बहाल निकासी मार्ग-(दादर छोर)।
- अग्रभाग के सामने स्थित उद्यान क्षेत्र का जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण किया गया है।
- सभी दीवारों, ग्रिल, एफओबी की मरम्मत।
- सामान्य एवं दिव्यांगजनों के लिए शौचालयों का नवीनीकरण।
- वॉटर हट का उन्नयन/सौंदर्यीकरण-सभी प्लेटफॉर्मों पर दो-दो बेंचों का जीर्णोद्धार और उन्नयन
- हेरिटेज योजना में स्टेशन पर एलईडी लाइटिंग
- एफओबी का रंग-रोगन और सौंदर्यीकरण
- हेरिटेज विंग की छत का जीर्णोद्धार
- अलग महिला शौचालय और समीप स्थित कार्यालयों/दुकानों के अग्रभाग का विनियमन/पुनर्स्थापना।

आईआईटीएफ 2022 : अयोध्या रेलवे भारतीय रेल का पैवेलियन रहा



41वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला 2022 में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए

भारतीय रेल के पैवेलियन को मिला कांस्य पदक

(मंत्रालय और विभाग, पीएसयू, पीएसबी और कमोडिटी बोर्ड के पैवेलियन में)



श्री राम जन्मभूमि मंदिर से प्रेरित डिजाइन के साथ पुनर्विकसित अयोध्या रेलवे स्टेशन (पैवेलियन का बाहरी दृश्य)



भारतीय रेल के पैवेलियन में लगे इंटरएक्टिव स्क्रीन पर क्विज का आनंद लेते हुए श्री विनय कुमार त्रिपाठी, अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड

रेल मंत्रालय ने प्रगति मैदान, नई दिल्ली में 14 से 27 नवंबर 2022 के बीच आयोजित 41वें भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ) -2022 में भाग लिया। मंत्रालय ने हॉल नं. 5 को 'अयोध्या रेलवे स्टेशन' की थीम दी थी।

रेल मंत्रालय के पैवेलियन को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मेले में कांस्य पदक प्रदान किया गया जिसे रेल मंत्रालय की ओर से कार्यकारी निदेशक (सूचना एवं प्रसार) श्री अमिताभ शर्मा ने प्राप्त किया।

इस पैवेलियन में भारतीय रेल के कई पहलुओं पर प्रकाश डाला गया, जहां फोटो, ट्रांसलाइट और मॉडल आदि के माध्यम से विभिन्न विषयों को उनके तकनीकी और संरचनात्मक विकास के साथ प्रदर्शित किया गया था।

स्टेशन की थीम पर आधारित दर्शकों के आकर्षण का केन्द्र





रेलवे पैवेलियन में लगे विविध मॉडल्स को देखते हुए श्री अशुतोष गंगल, महाप्रबंधक, उत्तर रेलवे



पैवेलियन में लगे विविध मॉडल्स को देखने के पश्चात् सेक्रेटरी, रेलवे बोर्ड, सुश्री जया वर्मा सिन्हा का पत्रिका कॉनर पर भी जाना हुआ, जहां इस अवसर पर पत्रिका 'भारतीय रेल' की एक प्रति भेंट करते हुए कार्यकारी निदेशक, सूचना एवं प्रचार श्री अमिताभ शर्मा।

रेलवे पैवेलियन ने उत्तर प्रदेश में अयोध्या रेलवे स्टेशन के नए रूप की भव्यता को पेश किया, जहां रेलवे खिलाड़ियों द्वारा जीते गए विभिन्न पुरस्कारों को प्रदर्शित करने वाली एक स्पोर्ट्स गैलरी थी, वहीं बाहर की और भाप इंजन के युग से वंदे भारत तक और आगे बुलेट ट्रेन की ओर बढ़ रही यात्रा को दर्शाया गया था। 'आजादी की रेल ट्रेन और स्टेशनों' की थीम पर आधारित दीवारें स्वतंत्रता संग्राम और भारतीय रेल के बीच संबंधों को प्रदर्शित कर रही थी। रेलवे पैवेलियन में हर आयु वर्ग के लिए कुछ न कुछ रुचिकर मिला होगा। स्टेशन पुनर्विकास वीडियो प्रदर्शित करने वाली इंटरएक्टिव कंसोल आधारित स्क्रीन, भारतीय रेल के बारे में अधिक जानने के लिए फ्लिपबुक और शैक्षिक, सूचनात्मक और मजेदार होने के उद्देश्य से आकर्षक पुरस्कारों के साथ एक इंटरैक्टिव क्विज बच्चों के लिए मनोरंजक था। मेले में पैवेलियन की यात्रा जानकारियों से भरी हुई थी। यहां विजिटर्स को नई पहलों से अवगत कराने के साथ साथ भारतीय रेल की प्रगति के बारे में भी बताया गया था। लाखो लोगों ने विशेष सेल्फी बूथ 'आई एम एट रेलवे पैवेलियन' पर तस्वीरें खींचकर अपनी इस यात्रा को यादगार बनाया।



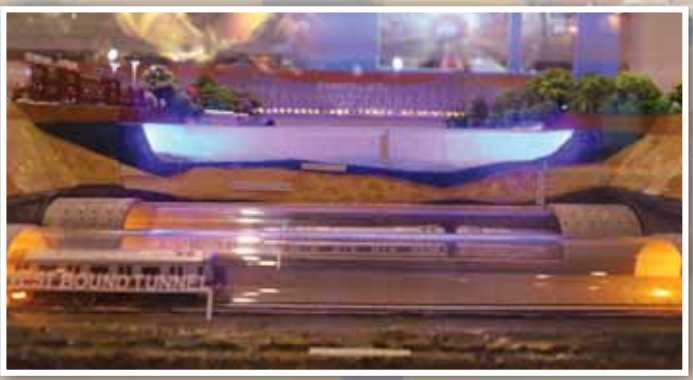
भारत की पहली स्वदेशी सेमी हाई-स्पीड ट्रेन वंदे भारत एक्सप्रेस



दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज, प्रतिष्ठित चिनाब ब्रिज,
(राष्ट्रीय परियोजना उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक का हिस्सा)



भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना, मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर का साबरमती मल्टीमॉडल पैसेंजर हब और कास्टिंग यार्ड



मेट्रो रेलवे, कोलकाता के ईस्ट-वेस्ट मेट्रो कॉरिडोर का भारत का पहला अंडरवाटर (सबाकियस टनल) रेल सिस्टम हिस्सा



'आजादी की रेलगाड़ी और स्टेशन' थीम पर बने विविध पोस्टरों से पैवेलियन को और अधिक आकर्षक बनाया गया था





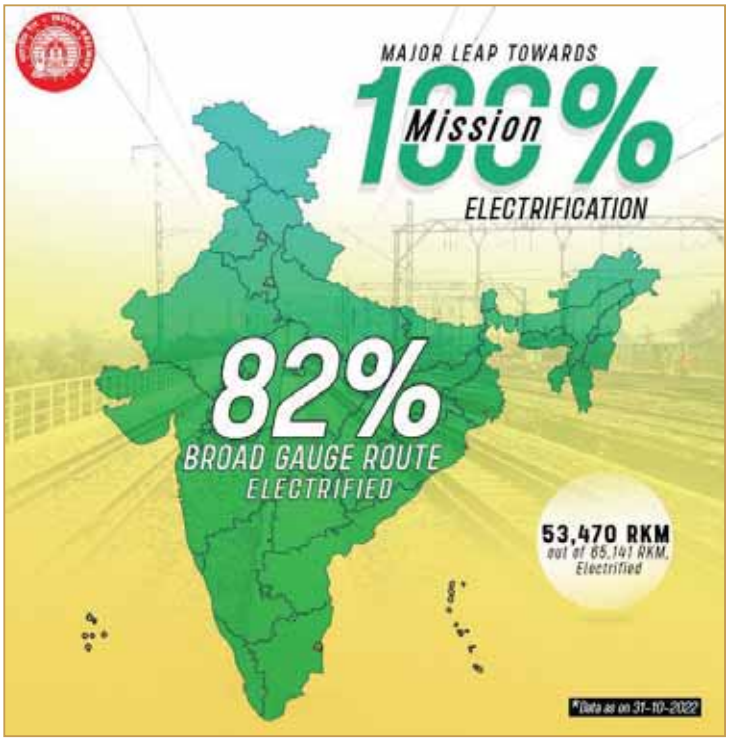
रेलवे पैवेलियन में लगे विविध रेल इंजन, वैगन आदि के मॉडल लोगों के लिए आकर्षण का विशेष केन्द्र थे



कांस्य पदक प्राप्त करने के पश्चात् श्री अमिताभ शर्मा, कार्यकारी निदेशक, सूचना एवं प्रचार जनसम्पर्क विभाग की पूरी टीम के साथ

भारतीय रेल मिशन 100 प्रतिशत विधुतीकरण की ओर अग्रसर

- *भारतीय रेल ने कुल ब्रॉडगेज नेटवर्क के 82 प्रतिशत का विद्युतीकरण कार्य पूरा किया*
- *अप्रैल-अक्टूबर 2022 के दौरान 1223 रूट किमी (आरकेएम) का विद्युतीकरण किया गया*
- *विद्युतीकरण के परिणामस्वरूप ईंधन ऊर्जा का बेहतर उपयोग होगा*



भारतीय रेल ने अपने सम्पूर्ण ब्रॉडगेज नेटवर्क के विद्युतीकरण की महत्त्वाकांक्षी योजना प्रारम्भ की है। इस योजना से न केवल बेहतर ईंधन ऊर्जा का उपयोग होगा, जिससे उत्पादन बढ़ेगा, ईंधन खर्च में कमी आएगी, बल्कि मूल्यवान विदेशी मुद्रा की भी बचत होगी।

वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान अक्टूबर, 2022 तक भारतीय रेल ने 1,223 रूट किमी के विद्युतीकरण का काम कर लिया है। वित्त वर्ष 2021-22 की समानावधि के दौरान 895 रूट किमी का विद्युतीकरण हुआ था। यह पिछले वर्ष की समान अवधि के आंकड़े से 36.64 प्रतिशत अधिक है।

यह महत्त्वपूर्ण है कि भारतीय रेल के इतिहास में 2021-22 के दौरान 6,366 रूट किमी का रिकॉर्ड विद्युतीकरण किया गया। इससे पहले, 2020-21 के दौरान सबसे अधिक विद्युतीकरण 6,015 रूट किमी का हुआ था।

31 अक्टूबर, 2022 तक भारतीय रेल के ब्रॉडगेज नेटवर्क 65,141 रूट किमी (केआरसीएल सहित) में से 53,470 ब्रॉडगेज रूट किमी का विद्युतीकरण किया गया है, जो कुल ब्रॉडगेज नेटवर्क का 82.08 प्रतिशत है।

रेल मंत्रालय ने यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप के माध्यम से अनारक्षित टिकटों की बुकिंग के लिए दूरी के प्रतिबंध में ढील दी

- *गैर-उपनगरीय खण्डों के लिए यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप पर अनारक्षित टिकट 20 किमी तक की दूरी से बुक किए जा सकते हैं पहले यह दूरी 5 किमी तक थी*
- *उपनगरीय क्षेत्रों में यह दूरी 2 किमी से बढ़ाकर 5 किमी कर दी गई है*

रेल मंत्रालय ने गैर-उपनगरीय खण्डों के लिए यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप पर 20 किमी तक की दूरी से अनारक्षित टिकट बुक करने की सुविधा का विस्तार करने का निर्णय लिया है। इसी दौरान उपनगरीय इलाकों में इस दूरी को बढ़ाकर 5 किमी कर दिया गया है। इससे पहले, अनारक्षित टिकट बुकिंग प्रणाली यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप ने गैर-उपनगरीय खण्डों में यात्रियों को 5 किमी तक टिकट बुक करने की अनुमति दी गई थी। उपनगरीय खंड के लिए, यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप के माध्यम से टिकट बुकिंग के लिए दूरी की सीमा 2 किमी थी।



768 संस्थाओं ने नवाचार चुनौतियों में भाग लेने के लिए भारतीय रेल इनोवेशन पोर्टल पर पंजीकरण कराया



भारतीय रेल ने 13 जून, 2022 को 'रेलवे के लिए स्टार्टअप' पहल लॉन्च करके नवाचार यात्रा प्रारंभ की है। रेलवे द्वारा शुरू की गई नवाचार चुनौतियों में भाग लेने के लिए अब तक 768 संस्थान भारतीय रेल नवाचार पोर्टल पर पंजीकृत हैं।

अब तक, 13 नवाचार चुनौतियां अपलोड की गई हैं। इनमें 311 प्रस्तावों के रूप में अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। सभी प्रस्तावों का मूल्यांकन दो चरण की प्रक्रिया के माध्यम से किया जा रहा है और एक नवाचार चुनौती को पहले ही अंतिम रूप दिया जा चुका है।

नवाचार पोर्टल पर अब तक अपलोड किए गए 13 प्रॉब्लम स्टेटमेंट के सापेक्ष कुल 311 ऑफर मिले हैं। प्रतिभागियों का विवरण इस प्रकार है:

स्टार्टअप्स–123, व्यक्तिगत इनोवेटर्स–60ए एमएसएमई–81, अनुसंधान एवं विकास संगठन/संस्थान–18

चरण–1 09 चुनौतियों के लिए मूल्यांकन पूरा कर लिया गया है। चरण–2 07 चुनौतियों के लिए प्रस्तुतियां आयोजित की गई हैं। ''भारी माल ढुलाई वैगनों के लिए बेहतर इलास्टोमेरिक पैड (ईएम पैड) के डिजाइन'' के लिए चरण–2 का मूल्यांकन 20 अक्टूबर, 2022 को संपन्न हुआ। एलओए रेलवे के अनुदान के हिस्से की मंजूरी के बाद जारी किया जाएगा।

रेल/वेल्ड दोषों का पता लगाने के लिए चरण ऐरे रेल/वेल्ड टेस्टर या किसी दूसरी उन्नत तकनीक के विकास पर 01 और प्रॉबलम स्टेटमेंट को अपलोड किया गया है।

इस पहल के भाग के रूप में भारतीय रेल इनोवेशन पोर्टल https://innovation.indianrailways.gov.in/ पर भी लाइव हो गया है। जागरूकता फैलाने के लिए, क्षेत्रीय रेलवे/सार्वजनिक उपक्रम/आरबी द्वारा भारतीय रेल नवाचार नीति पर कुल 131 कार्यशालाएं/बैठकें आयोजित की गई हैं, जिसमें लगभग 1,560 स्टार्टअप/इनोवेटर्स ने भाग लिया। 10 से अधिक साइट का विजिट, आईआईएम बेंगलुरु के एनएसआरसीईएल के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस और सीआईआई के प्रिंसिपल–स्टार्टअप दीपांजन बैग के साथ बैठक भी आयोजित की गई थी।

भारतीय रेल अधिकारियों को प्रेरित करने की इस प्रक्रिया को जारी रखते हुए प्रख्यात इंजीनियर, उद्यमी और उद्यम पूंजीपति श्री विनोद धाम, जिन्हें पेंटियम माइक्रो–प्रोसेसर के विकास में उनके योगदान के लिए 'पेंटियम चिप के जनक' के रूप में भी जाना जाता है, ने रेल भवन में व्याख्यान दिया। उन्होंने 'भारतीय रेल नवाचार नीति' के अंतर्गत रेल मंत्रालय द्वारा जारी पहलों और प्रयासों की सराहना की और 'रेलवे के लिए स्टार्टअप' की शुरुआत की। श्री धाम ने कहा कि प्रौद्योगिकी विश्व में सबसे बड़ा प्रवर्तक और पावर टूल बन गई है और जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में प्रौद्योगिकी प्रेरित हो रही है। प्रौद्योगिकी नवाचार में विभिन्न देशों का उदाहरण देते हुए, जिसने उन देशों को अपने संबंधित क्षेत्रों में शक्ति संपन्न बना दिया, उन्होंने प्रौद्योगिकी नवाचार में सरकारी पहल की महत्त्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। रेल मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों को संबोधित करते हुए, उन्होंने सफलता मंत्र के रूप में जुनून और समस्या को सुलझाने की मानसिकता को रेखांकित किया।

श्री विनोद धाम ने कहा कि भारत शीर्ष 3 स्टार्टअप देशों में से एक है और उसके पास विश्व का नेतृत्व करने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की आत्मानिर्भर भारत पहल ने स्टार्टअप के लिए भी अधिक अनुकूल वातावरण तैयार किया है।

रेल मंत्रालय ने आईआरसीटीसी को ट्रेनों में परोसे जाने वाले खाद्य पदार्थों के मेन्यू में बदलाव करने की छूट दी



ट्रेनों में खानपान सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए, रेल मंत्रालय ने आईआरसीटीसी को मेन्यू में जरूरी बदलाव करने की छूट देने का निर्णय लिया है, ताकि क्षेत्रीय व्यंजनों/प्राथमिकताओं, मौसमी व्यंजनों, त्योहारों के दौरान आवश्यकता, यात्रियों के विभिन्न समूहों की पसंद के अनुसार जैसे मधुमेह भोजन, शिशु आहार, बाजरा आधारित स्थानीय उत्पादों सहित स्वास्थ्य भोजन विकल्प आदि खाद्य पदार्थों को शामिल किया जा सके। तदनुसार, सक्षम प्राधिकारी ने निम्नलिखित का अनुमोदन किया है:

- जिन प्रीपेड ट्रेनों में केटरिंग शुल्क यात्री किराए में शामिल है, उनके लिए मेन्यू का निर्धारण आईआरसीटीसी द्वारा पहले से अधिसूचित टैरिफ के भीतर किया जाएगा। इसके अलावा, इन प्रीपेड ट्रेनों में भोजन के अलग-अलग व्यंजनों और एमआरपी पर ब्रांडेड खाद्य पदार्थों की बिक्री की भी अनुमति होगी। भोजन के ऐसे अलग-अलग व्यंजनों का मेन्यू और टैरिफ आईआरसीटीसी द्वारा तय किया जाएगा।
- अन्य मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों के लिए, मानक भोजन जैसे बजट श्रेणी के खाद्य पदार्थों का मेन्यू पहले से अधिसूचित टैरिफ के भीतर आईआरसीटीसी द्वारा तय किया जाएगा। जनता भोजन के मेन्यू और टैरिफ में कोई बदलाव नहीं होगा।
- मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में भोजन के अलग-अलग व्यंजनों और एमआरपी पर ब्रांडेड खाद्य पदार्थों की बिक्री की अनुमति होगी। भोजन के ऐसे अलग-अलग व्यंजनों का मेन्यू और टैरिफ आईआरसीटीसी द्वारा निर्धारित किया जाएगा।
- मेन्यू तय करते समय, आईआरसीटीसी यह सुनिश्चित करेगा कि भोजन और सेवा की गुणवत्ता और मानकों में उन्नयन को बनाए रखा गया है और यात्रियों की शिकायतों से बचने के लिए मात्रा और गुणवत्ता में कटौती, स्तरहीन ब्रांडों के उपयोग आदि से सम्बंधित बार-बार और अनुचित बदलाव नहीं होने के लिए जरूरी सुरक्षा उपाय किये गए हैं।
- मेन्यू को टैरिफ के अनुरूप होना चाहिए और मेन्यू को यात्रियों की जानकारी के लिए पूर्व-अधिसूचित किया जाना चाहिए तथा इसे पेश किये जाने से पहले इसके बारे में रेलवे को परामर्श दिया जाए।





आईजीबीसी ग्रीन रेलवे स्टेशनों रेटिंग सिस्टम के तहत सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल, बेंगलुरु को प्लेटिनम रेटिंग के साथ 'ग्रीन बिल्डिंग' के रूप में प्रमाणित किया गया है।

आरडीएसओ द्वारा 12वीं सीआरएमजी बैठक का आयोजन एवं एमटीआरएस, रेलवे बोर्ड द्वारा आरडीएसओ का दौरा



आरडीएसओ द्वारा मेम्बर, ट्रैक्शन एंड रोलिंग स्टॉक, रेलवे बोर्ड, श्री डी.सी. शर्मा और श्री संजीव भूटानी डीजी/आरडीएसओ की अध्यक्षता में 21 अक्टूबर, 2022 को 12वीं क्रेन अनुरक्षण समूह की बैठक का आयोजन किया गया। श्री गोपाल कुमार, पीईडी/रोलिंग स्टॉक ने एमटीआरएस, रेलवे बोर्ड, श्री डी.सी. शर्मा का स्वागत किया। अपने स्वागत भाषण में उन्होंने कहा कि आरडीएसओ एमटीआरएस, रेलवे बोर्ड के मार्गदर्शन में भारतीय रेल के परिवर्तन और विकास के लिए लगातार काम कर रहा है। इस अवसर पर मैसर्स टेक्नी रेल एंड मिल जीएमबीएच व निदेशक/आईआरआईडीएम ने 140 ब्रेकडाउन क्रेनों पर विस्तृत प्रस्तुति दी। बैठक में एजेंडा मदों पर भी चर्चा की गई।

श्री डी.सी. शर्मा ने अपने संबोधन में आरडीएसओ द्वारा लंबे समय से किए जा रहे प्रयासों की सराहना की एवं आरडीएसओ द्वारा किये जा रहे कार्यों की समीक्षा भी की। श्री शर्मा ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के तेजी से बदलते परिवेश के बीच और सुधार हेतु आग्रह किया एवं आरडीएसओ के अधिकारियों को परिवर्तनों को अपनाने और उनके ज्ञान के आधार और मूल दक्षताओं को बढ़ाने के लिए बदलते कारोबारी माहौल के साथ उन्हें पुन: संरेखित करने पर जोर दिया। उन्होंने क्रेन मेंटेनेंस ग्रुप को अपनी मशीनरी का बेहतर रखरखाव करने के निर्देश दिए ताकि दुर्घटनास्थलों पर क्रेन समय पर उपलब्ध हो और कम समय में मरम्मत की जा सके।

अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, आईआरएफसी का आईसीएफ दौरा



श्रीमती शेली वर्मा, अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, आई.आर.एफ.सी. ने 8 नवंबर, 2022 को सवारी डिब्बा कारखाना का दौरा किया। उन्होंने सवारी डिब्बा कारखाना के विभागाध्यक्षों और अन्य अधिकारियों से मुलाकात की तथा सडिका की विभिन्न वर्तमान परियोजनाओं पर चर्चा की। इसके बाद उन्होंने एलएचबी शेड का दौरा किया और वंदे भारत गाड़ी के शेल की निर्माण-प्रक्रिया और फर्निशिंग गतिविधियों का निरीक्षण भी किया। फिर, श्रीमती वर्मा, सवारी डिब्बा कारखाना के प्रधान विभागाध्यक्षों और मुख्य विभागाध्यक्षों की बैठक संपन्न हुई।

महाप्रबंधक द्वारा पार्सल कार्गो एक्सप्रेस का शुभारंभ



दिनांक 4 नवंबर को श्री अंशुल गुप्ता, महाप्रबंधक/पू. सी. रेल ने आजरा (गुवाहाटी) और तुगलकाबाद (दिल्ली) के बीच वस्तुओं के त्वरित परिवहन के लिए एक साप्ताहिक पार्सल कार्गो एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। यह नई सेवा व्यापारियों के लिए विभिन्न प्रकार के पैकेज्ड सामानों के परिवहन में सहायक होगी।

उत्तर मध्य रेलवे के नए महाप्रबंधक बने श्री सतीश कुमार



श्री सतीश कुमार ने दिनांक 08 नवबंर, 2022 को महाप्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे का पदभार ग्रहण कर लिया है। इससे पहले आप उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर में वरिष्ठ उप महाप्रबंधक और मुख्य सतर्कता अधिकारी के रूप में काम कर रहे थे।

भारतीय रेल यांत्रिक इंजीनियरिंग सेवा के 1986 बैच के अधिकारी श्री सतीश कुमार, एमएनआईटी जयपुर से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बी.टेक हैं और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय ओपेन विश्वविद्यालय से ऑपरेशन मैनेजमेंट और पीजीसीसीएल (साइबर लॉ) में पीजी डिप्लोमा हासिल किया है। उन्होंने रेलवे में अपनी सेवा मार्च, 1988 में प्रारंभ की। आपने झांसी मंडल और बीएलडब्ल्यू पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर तथा पटियाला लोकोमोटिव वर्क्स में काम किया। उन्होंने 1996 में यूएनडीपी कार्यक्रम के तहत टोटल क्वालिटी प्रबंधन में प्रशिक्षण प्राप्त किया था। आपने अपने करियर में कई परियोजनाओं का दायित्व संभाला है। आपने फॉग सेफ डिवाइस में सुधार लाने में विशेष योगदान दिया है। यह डिवाइस कोहरे की अवधि में सुरक्षित ट्रेन संचालन में बहुत महत्त्वपूर्ण साबित हुई है। आपने अप्रैल, 2017 से अप्रैल, 2019 तक उत्तर रेलवे में मंडल रेल प्रबंधक, लखनऊ मंडल के रूप में भी काम किया।

श्री चन्द्र वीर रमण बने पूर्वोत्तर रेलवे के नए महाप्रबंधक

श्री चन्द्र वीर रमण ने पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबंधक का पदभार 07 नवम्बर, 2022 को ग्रहण कर लिया। इसके पूर्व आप रेलवे बोर्ड, में प्रमुख कार्यपालक निदेशक/सतर्कता एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी/रेलवे बोर्ड के पद पर कार्यरत थे।

आई.आई.टी., खड़गपुर से यांत्रिक इंजीनियरिंग में बी.टेक (आनर्स) श्री रमण 1986 बैच के भारतीय रेल भंडार सेवा के अधिकारी हैं। आपकी पहली नियुक्ति इंटीग्रल कोच फैक्ट्री, चेन्नई में सहायक भंडार नियंत्रक के पद पर हुई। तत्पश्चात् आपने दक्षिण रेलवे के उप मुख्य सामग्री प्रबंधक/विक्रय, दक्षिण पश्चिम रेलवे पर मुख्य सामग्री प्रबंधक, केन्द्रीय कारखाना आधुनिकीकरण संगठन (कॉफमो) में भंडार नियंत्रक एवं रेलवे बोर्ड में कार्यकारी निदेशक/रेलवे स्टोर्स के दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया। श्री रमण ने पूर्वोत्तर सीमा रेलवे पर मण्डल रेल प्रबंधक/अलीपुर द्वार, उत्तर रेलवे पर मुख्य सामग्री प्रबंधक तथा रेल कोच फैक्ट्री, कपूरथला के प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक जैसे महत्त्वपूर्ण पदों पर कुशलतापूर्वक कार्य किया है। आपने



भारत एवं विदेशों जैसे–संयुक्त राष्ट्र अमेरिका, सिंगापुर, मलेशिया, फ्रांस एवं इटली में विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया।

श्री अरुण कुमार जैन ने महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे का कार्यभार संभाला



भारतीय इंजीनियरी सेवा के भारतीय रेल सिगनल इंजीनियरी सेवा (आईआरएसएसई), 1986 बैच के श्री अरुण कुमार जैन ने 07 नवंबर, 2022 को दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक का पदभार सम्भाल लिया हैं।

आपने दक्षिण मध्य रेलवे पर महाप्रबंधक (प्रभारी), अपर महाप्रबंधक, प्रमुख मुख्य सिगनल और दूरसंचार इंजीनियर तथा मंडल रेल प्रबंधाक, हैदराबाद मंडल के रूप में कार्य किया। आपने इनसीड, सिंगापुरय आईसीएलआईएफ, मलेशियाय आईएसबी, हैदराबादय एसडीए बोक्कोनी, मिलान, आईएसबी, मोहाली से प्रबंधान प्रशिक्षण प्राप्त किया।

श्री अरुण जैन ने गोरखपुर से इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरी में स्नातक डिग्री और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर से कंप्यूटर इंजीनियरी में मास्टर डिग्री प्राप्त की है। तीन दशकों से अधिाक की सेवाकाल के दौरान आपने मध्य, उत्तर मध्य और दक्षिण मध्य रेलवे में कई महत्त्वपूर्ण पदों पर कार्य किया।

श्री अतुल कुमार अग्रवाल ने रेपका के महाप्रबंधक का पदभार संभाला



श्री अतुल कुमार अग्रवाल, आई आर एस एम ई ने 07 नवंबर, 2022 को रेपका के महाप्रबंधक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। इससे पहले आप इंटीग्रल कोच फैक्ट्री, चेन्नई के महाप्रबंधक थे।

श्री अग्रवाल भारतीय रेल यांत्रिक और बिजली इंजीनियरिंग संस्थान (IRIMEE), जमालपुर से विशेष श्रेणी के रेलवे प्रशिक्षुओं के 1981 बैच के हैं। आपने रेलवे मंडल और मुख्यालय में विभिन्न पदों पर कार्य किया है और आपको डीजल इंजनों के संचालन में 10 वर्षों से अधिक का अनुभव प्राप्त है। जर्मनी और स्विटजरलैंड में प्रशिक्षित होने के बाद वे आधुनिक एलएचबी कोच वाली पहली शताब्दी एक्सप्रेस ट्रेन चलाने से भी जुड़े रहे हैं।

अपने 41 वर्षों के कार्यकाल के दौरान, आप ने विभिन्न पदों पर भारतीय रेल में सेवा प्रदान की है। श्री अग्रवाल को परिष्कृत कंप्यूटर और संख्यात्मक नियंत्रित मशीनरी और विभिन्न प्रकार की नियंत्रण प्रणालियों वाले संयंत्र के रख-रखाव का व्यापक अनुभव है। आई सी एफ के महाप्रबंधक के रूप में, श्री अग्रवाल वंदे भारत एक्सप्रेस 2.0 के वास्तुकार भी थे।

दक्षिण रेलवे के नए महाप्रबंधक बने श्री आर.एन. सिंह

श्री आर.एन.सिंह ने 7 नवंबर, 2022 को दक्षिण रेलवे के महाप्रबंधक का पदभार ग्रहण कर लिया है। भारतीय रेलवे इंजीनियरी सेवा संवर्ग के 1986 बैच के अधिकारी श्री आर.एन.सिंह ने भारतीय रेलवे और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में महत्त्वपूर्ण कार्यपालक और प्रबंधकीय पदों जैसे मंडल रेल प्रबंधक, दिल्ली मंडल प्रबंध निदेशक/ डीएफसीसीआईएल के रूप में अपनी सेवाएं दी हैं। इससे पूर्व श्री आर.एन.सिंह ने प्रधान कार्यपालक निदेशक/ अवसंरचना, रेल मंत्रालय और सचिव/ रेलवे बोर्ड के पद पर भी कार्य किया है। श्री आर.एन. सिंह के पास डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर, बडे पुलों, हाई स्पीड रेलवे आदि जैसी मेगा-इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं की योजना बनाने और निष्पादन का व्यापक अनुभव है। उन्हें अपने 34 वर्षों से अधिक के कॅरियर में रेलवे प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं का व्यापक एवं विस्तृत अनुभव है। उन्हें परियोजना प्रबंधन, रेलवे संचालन, पीपीपी और सामरिक प्रबंधन में विशेषज्ञता है। वे आईआईटी रुड़की के पूर्व छात्र हैं और उन्होंने हॉलैंड से आपदा प्रबंधन, सिंगापुर/मलेशिया से उन्नत प्रबंधन, पेरिस और आईएसबी से सामरिक प्रबंधन, ऑस्ट्रिया से मैकेनाइज्ड रखरखाव और बोक्कोनी विश्वविद्यालय, इटली से



कार्यकारी प्रबंधन जैसे कई प्रशिक्षण प्राप्त किए हैं।

श्री अशोक कुमार मिश्रा ने पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक का कार्यभार ग्रहण किया



भारतीय रेल यांत्रिक इंजीनियरिंग सेवा के वरिष्ठ अधिकारी श्री अशोक कुमार मिश्रा ने 7 नवंबर, 2022 को पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक का पदभार ग्रहण कर लिया है। इसके पूर्व आप पूर्वोत्तर रेलवे में अपर महाप्रबंधक के पद पर कार्यरत थे।

श्री मिश्रा ने 1983 के स्पेशल क्लास रेलवे अपरेंटिस बैच के माध्यम से भारतीय रेल यांत्रिक इंजीनियरिंग सेवा में प्रवेश किया। आपको विभिन्न महत्त्वपूर्ण पदों पर कार्य करने का गहन अनुभव प्राप्त है।

श्री मिश्रा ने इन्स्टीट्यूट ऑफ मेकेनिकल इंजीनियर्स, यू.के. से ए.एम.आई. (यांत्रिक) ई. की डिग्री व इन्स्टीट्यूट ऑफ मेकेनिकल इंजीनियर्स, कोलकाता से ए.एम.आई.ई. (यांत्रिक), इंजीनियरिंग काउन्सिल, यू.के. से प्रोडक्शन इंजीनियरिंग, इन्स्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स, कोलकाता से ए.एम.आई.ई. (मेट) तथा इग्नू से एम.बी.ए. की उपाधि प्राप्त की।

श्री नवीन गुलाटी ने सवारी डिब्बा कारखाना के महाप्रबंधक का कार्यभार संभाला



भारतीय रेल बिजली इंजीनियरिंग सेवा के 1986 बैच के अधिकारी श्री नवीन गुलाटी ने सवारी डिब्बा कारखाना के महाप्रबंधक का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। श्री गुलाटी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान आईआईटी बनारस हिंदू विश्वविद्यालय बीएचयू से बीटेक इलेक्ट्रिकल में स्वर्ण पदक विजेता हैं। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन को विश्वस्तरीय स्टेशन के रूप में पुनर्विकसित करने में उनकी अहम भूमिका रही है। इन्होंने भारतीय रेल के डेटाबेस सिस्टम की रीढ़ माने जानेवाले क्रिस रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र में डेटा सेंटर बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आईटी उत्साही के रूप में उन्होंने भारतीय रेल के लिए अनेक आईटी एप्लीकेशंस को विकसित करने में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है। यह भी उल्लेखनीय है कि उन्हें रेल कोचों के अभिकल्प और उत्पादन का व्यापक अनुभव है। सवारी डिब्बा कारखाना में कार्यभार संभालने से पहले वे उत्तर रेलवे के अपर महाप्रबंधक थे और उन्होंने मंडल रेल प्रबंधक, चेन्नै सहित रेलवे में विभिन्न पदों को सुशोभित किया है।

दक्षिण पूर्व रेलवे के चिकित्सा विभाग द्वारा 40वें वार्षिक सम्मेलन का आयोजन



केंद्रीय अस्पताल, दक्षिण पूर्व रेलवे के डॉक्टर्स साइंटिफिक फोरम द्वारा आयोजित 40वें वार्षिक सम्मेलन और सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम (सीएमई) का उद्घाटन डॉ प्रसन्ना कुमार, महानिदेशक, रेलवे स्वास्थ्य सेवा द्वारा दिनांक 28 अक्टूबर, 2022 को किया गया। डॉ. जी. हरिहरन, सेवानिवृत्त मुख्य चिकित्सा निदेशक, दक्षिण पूर्व रेलवे विशिष्ट अतिथि थे, जबकि डॉ. ए. के. मल्होत्रा, प्रधान कार्यकारी निदेशक (स्वास्थ्य), रेलवे बोर्ड उद्घाटन समारोह में विशिष्ट अतिथि थे। श्री अतुल्य सिन्हा, अपर महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे, डॉ. मिहिर कुमार चौधरी, प्रधान मुख्य चिकित्सा निदेशक, दक्षिण पूर्व रेलवे और डॉ अंजना मल्होत्रा, चिकित्सा निदेशक, दक्षिण पूर्व रेलवे केंद्रीय अस्पताल भी उद्घाटन समारोह में उपस्थित थे।

डॉ. प्रसन्ना कुमार, महानिदेशक, रेलवे स्वास्थ्य सेवा ने अपने अभिभाषण में दक्षिण पूर्व रेलवे के डॉक्टरों को उत्कृष्ट सेवा प्रदान करने की परंपरा को बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास करने की सलाह दी। दक्षिण पूर्व रेलवे की महाप्रबंधक, सुश्री अर्चना जोशी ने इस अवसर पर अपने सम्बोधन में कोविड महामारी के दौरान दक्षिण पूर्व रेलवे के डॉक्टरों द्वारा की गई सराहनीय सेवा का उल्लेख किया।

महाप्रबंधक, पू. सी. रेल ने लामडिंग में फ्लड लाइट्स का किया उद्घाटन



28 अक्टूबर को श्री अंशुल गुप्ता, महाप्रबंधक, पू. सी. रेल ने विवेकानंद रेलवे स्टेडियम, लामडिंग में फ्लड लाइट्स का उद्घाटन किया। भारत सरकार के फिट इंडिया मिशन को और अधिक गति देने के लिए पू. सी. रेल ने स्टेडियम में फ्लड लाइटें प्रदान की हैं। इस अवसर पर लामडिंग के मंडल रेल प्रबंधक श्री जे.एस. लकड़ा और लामडिंग मंडल के सभी अधिकारी उपस्थित थे।

पश्चिम रेलवे ने अपना 72वां स्थापना दिवस मनाया



दिनांक 5 नवंबर, 2022 को पश्चिम रेलवे का 72वां स्थापना दिवस मनाया गया। अपनी विनम्र शुरुआत के बाद से पश्चिम रेलवे ने राष्ट्र की सेवा में अपनी 70 से अधिक वर्षों की यात्रा में कई मील के पत्थर हासिल किए हैं। पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक प्रभारीद्ध श्री प्रकाश बुटानी ने पश्चिम रेलवे के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को उनके काम के प्रति समर्पण और पश्चिम रेलवे द्वारा हासिल की गई असंख्य उपलब्धियों के लिए बधाई दी। इस दिन को मनाने के लिए पश्चिम रेलवे द्वारा अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर अपनी हालिया उपलब्धियों और गौरवशाली अतीत के बारे में प्रश्नोत्तरी और इंफोग्राफिक के माध्यम से एक विशेष अभियान चलाया गया।

बॉम्बे, बड़ौदा और सेंट्रल इंडिया रेलवे कंपनी; बीबी एंड सीआई का गठन 1855 में किया गया था, जिसकी शुरुआत गुजरात राज्य में पश्चिमी तट पर अंकलेश्वर से उत्राण तक 29 मील ब्रॉड गेज ट्रैक के निर्माण के साथ हुई थी एवं इसका मुख्यालय सूरत में था। उसी वर्ष 21 नवंबर, 1855 को कंपनी ने ईस्ट इंडिया कंपनी के साथ सूरत से बड़ौदा और अहमदाबाद तक एक रेलवे लाइन बनाने के लिए एक समझौता किया। इसके साथ ही पश्चिमी बंदरगाह में गुजरात में पैदा की जाने वाली कपास की भरपूर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए उत्राण; सूरत के उत्तर से तत्कालीन बॉम्बे तक एक लाइन शुरू करने के लिए एक और अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए थे। इसके अगले वर्ष लाइन पर काम शुरू हुआ और उत्राण से बॉम्बे में ग्रांट रोड स्टेशन तक की लाइन को आधिकारिक तौर पर 28 नवंबर, 1864 को खोला गया जिसके द्वारा मुंबई में पश्चिमी लाइन की शुरुआत हुई।

बॉम्बे शहर तक एवं उस के भीतर बीबी एंड सीआई की लोकल लाइन की वास्तविक स्थापना की प्रक्रिया और टर्मिनस की पहचान, विशेष रूप से ग्रांट रोड जो कि पहला टर्मिनस था के दक्षिण में एक जटिल मुद्दा था। हालांकि पश्चिमी लाइन की पहली रेल का उद्घाटक रन ग्रांट रोड स्टेशन तक था किंतु यह टर्मिनस उस बड़ी आबादी की पर्याप्त रूप से सेवा नहीं कर सकता था जो आगे दक्षिणी भाग फोर्ट या कोलाबा की छावनी में या आस पास बसी हुई थी। इसलिए फोर्ट क्षेत्र के पश्चिमी हिस्से के बाहर और पश्चिमी खाड़ी के साथ बैक बे तक इस लाइन का विस्तार करने का निर्णय लिया गया। इस स्टेशन को बाद में चर्चगेट कहा गया क्योंकि यह गढ़वाले शहर के पुराने चर्च के गेट के करीब था। वही द्वार जो सेंट थॉमस चर्च में प्रवेश हेतु था। यह चर्च कालांतर में कैथेड्रल के रूप में जाना जाता है। पश्चिम रेलवे मुंबई शहर के साथ विकसित हुई है और मुंबई शहर पश्चिम रेलवे के साथ विकसित हुआ है और इस प्रकार ये दोनों एक दूसरे के विकास के पर्याय बने।

अपने वर्तमान स्वरूप में पश्चिम रेलवे 5 नवंबर, 1951 को अपनी अग्रदूत, तत्कालीन बॉम्बे, बड़ौदा और सेंट्रल इंडिया रेलवे कंपनी ; बीबी और सीआई के अन्य स्टेट रेलवे जैसे सौराष्ट्र, राजपुताना और जयपुर के साथ विलय से अस्तित्व में आयी। पश्चिम रेलवे का वर्तमान क्षेत्राधिकार छह डिवीजनों यानी मुंबई सेंट्रल, वडोदरा, अहमदाबाद, राजकोट, भावनगर और रतलाम तक फैला हुआ है। 3 मार्च, 1961 को पश्चिम रेलवे ने शहर में यात्रियों की बढ़ती मांग के कारण 9 कोच वाली उपनगरीय ट्रेनों की शुरुआत की। 1972 में पश्चिम रेलवे ने भारतीय रेल नेटवर्क की सबसे महत्त्वपूर्ण और व्यस्ततम लाइनों में से एक पर अपनी प्रतिष्ठित मुंबईनई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन की शुरुआत की। इस वर्ष इस प्रतिष्ठित ट्रेन ने 50 गौरवशाली वर्ष पूरे किए और इसके पहले रन की स्वर्ण जयंती बड़े उत्साह और धूमधाम से मनाई गई थी। दुनिया की पहली महिला विशेष ट्रेन, पहली 15.कार उपनगरीय ट्रेन और भारत में पहली पूरी तरह से वातानुकूलित उपनगरीय ट्रेन की शुरुआत से लेकर इसने विभिन्न क्षेत्रों जैसे परिचालनए संरक्षा और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी को अपनाने में कई प्रथम अर्जित करते हुए अपनी यात्रा के दौरान एक के बाद एक मील के पत्थर स्थापित किए हैं 1850 के दशक में ब्रिटिश काल में अपने जन्म के बाद से पश्चिम रेलवे ने अपनी लंबी यात्रा में बार.बार अपनी श्रेष्ठता साबित की है। हाल ही में पश्चिम रेलवे द्वारा मुंबई सेंट्रल तथा गांधीनगर केपिटल स्टेशनों के बीच अत्याधुनिक वंदे भारत एक्सप्रेस की शुरुआत की गई है। 70 से अधिक वर्षों की अपनी ऐतिहासिक यात्रा में वर्तमान में पश्चिम रेलवे के अंतर्गत महाराष्ट्रए गुजरात और मध्य प्रदेश एवं राजस्थान के कुछ हिस्सों में ब्रॉड गेजए मीटर गेज और नैरो गेज खंडों को मिला कर 6175.9 रूट किमी का एक विस्तृत रेलवे नेटवर्क है।

कोलकाता मेट्रो रेलवे ने मनाया अपना स्थापना दिवस



मेट्रो रेलवे ने 24.10.2022 को अपना स्थापना दिवस मनाया। 1984 में इसी तारीख को भारत की पहली मेट्रो एस्प्लानेड से भवानीपुर स्टेशन (वर्तमान में नेताजी भवन) तक चली थी। इस मौके पर कालीघाट मेट्रो स्टेशन पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका शुभारंभ अपर महाप्रबंधक एवं प्रधान मुख्य इंजीनियर श्री एच एन जायसवाल ने किया। अपने अभिभाषण में श्री जायसवाल ने कहा कि मेट्रो रेलवे कोलकाता बहुत जल्द ही शहर और आसपास के क्षेत्रों के विभिन्न स्थानों तक अपनी पहुंच बनाने जा रही है। इससे आने वाले दिनों में मेट्रो और अधिक यात्रियों को सेवा उपलब्ध कराने में सक्षम होगी। प्रख्यात फिल्म निर्देशक श्री संदीप राय ने अपने पिता एवं ऑस्कर विजेता निर्देशक सत्यजीत रॉय के मेट्रो यात्रा के अनुभव को सहर्ष याद करते हुए कहा कि कोलकाता मेट्रो समाज के विभिन्न वर्गों को सेवा प्रदान करती है और उन्हें सुगम यात्रा उपलब्ध कराती है। उन्होंने बताया कि उनकी पत्नी और बेटा नियमित रूप से कोलकाता मेट्रो में यात्रा करते हैं।

प्रसिद्ध अभिनेता देब शंकर हलदर ने लाखों यात्रियों को सुगम और आरामदायक यात्रा उपलब्ध कराने के लिए मेट्रो की प्रशंसा की। इस अवसर पर एक छोटा सा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया।

दमरे ने 11वीं अखिल भारतीय रेसुब बैंड प्रतियोगिता जीती

दक्षिण मध्य रेलवे 09 नवंबर, 2022 से 11वीं अखिल भारतीय रेसुब बैंड प्रतियोगिता की मेजबानी कर रही है। रेसुब बैंड प्रतियोगिता का समापन समारोह 11 नवंबर, 2022 को रेसुब प्रशिक्षण केंद्र, मौला-अली में आयोजित किया गया। श्री अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दमरे ने मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ाई और विजेता टीमों को ट्रॉफी और प्रमाण पत्र वितरित किए। इस अवसर पर श्री राजा राम, आईजी और प्रमुख मुख्य सुरक्षा आयुक्त सहित रेलवे के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी और स्टाफ भी उपस्थित थे।

विभिन्न जोनों से कुल 13 रेसुब बैंड टीमों और आरपीएसएफ बटालियन की एक टीम, कुल मिलाकर 227 बैंड कर्मचारियों ने प्रतियोगिता में भाग लिया। तीन प्रतिस्पर्धी टीम इवेंट-क्विक मार्च, स्लो मार्च और ओवरचर-प्रतियोगिता के मानदंड रहे। इसी प्रकार, व्यक्तिगत श्रेणी में विजेताओं का चयन करने के लिए बिगुल कॉल कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।



श्री अरुण कुमार जैन ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भारत जैसे विविधताओं वाले देश में संगीत में लोगों को जोड़ने की शक्ति रही है।

11वीं अखिल भारतीय रेसुब बैंड प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार हैं:

विजेता: दक्षिण मध्य रेलवे की रेलवे सुरक्षा बल (रेसुब) बैंड टीम। उपविजेता: रेलवे सुरक्षा विशेष बल (आरपीएसएफ) तृतीय स्थान: पूर्व रेलवे। बिगुल कॉल के परिणाम :- प्रथम स्थान: श्री एम.पी. मंडल, हेड कांस्टेबल/पूर्व रेलवे। द्वितीय स्थान : श्री. के.बी. गुरंग, हेड कांस्टेबल/उत्तर पूर्व रेलवे तृतीय स्थान: श्री जीत राम, हेड कांस्टेबल/उत्तर रेलवे

यात्रियों की सुरक्षा हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में नई तकनीक के समावेश के साथ डिजिटल पहल

• *190 कोचों में क्लोज सर्किट टेलीविजन (सीसीटीवी) कैमरे का प्रावधान*



दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे यात्रियों को बेहतर यात्री सुविधाएं तथा सुरक्षा के साथ बेहतर यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। यात्रियों की सुरक्षा व संरक्षा तथा ट्रेनों में अपराध की रोकथाम, संदिग्ध गतिविधि का पता लगाने और सुरक्षा कारणों को ध्यान में रखकर ट्रेनों के कोच में सीसीटीवी कैमरे का प्रावधान किया जा रहा है। अब तक 110 एलएचबी कोच, 72 ईएमयू के कोच तथा 08 डेमू कोच में क्लोज सर्किट टेलीविजन (सीसीटीवी) कैमरे लगाए जा चुके है। इससे यात्रियों का सफर सुरक्षित और आरामदायक यात्रा अनुभव के साथ सुरक्षा के प्रति आश्वस्त होगा। ट्रेनों में किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधियों की सूचना प्राप्त होने पर इन कैमरों की मदद से डाटा को डाउनलोड करके उनका विश्लेषण कर आगे की कार्रवाई की जा सकेगी। इसी कड़ी में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत यात्री ट्रेनों में दुर्ग-निजामुद्दीन-दुर्ग, हमसफर एक्स्प्रेस के 22 कोच, कोरबा-अमृतसर-कोरबा, छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस के 38 कोच, बिलासपुर-भगत की कोठी-बिलासपुर एक्सप्रेस के 13 कोच, बिलासपुर-पुणे व बिलासपुर-चेन्नई एक्सप्रेस के 06 कोच, बिलासपुर-पटना व बिलासपुर-एर्नाकुलम एक्सप्रेस के 04 कोच, दुर्ग-निजामुद्दीन, संपर्कक्रांति व दुर्ग-जम्मूतवी एक्सप्रेस के 16 कोच सहित 11 स्पेयर कोच शामिल है।

इसी प्रकार दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में चलने वाली बल्लारसाह-गोंदिया मेमु के 12+12 कोच, चांदाफोर्ट-गोंदिया मेमु के 12 कोच, गोंदिया-झारसुगुड़ा मेमु के 12 कोच, झारसुगुड़ा-गोंदिया मेमु के 12 कोच, केवटी-रायपुर डेमू के 8 कोच सहित 12 स्पेयर कोचों में क्लोज सर्किट टेलीविजन (सीसीटीवी) कैमरे लगाए जा चुके है।

ट्रेनों में कोच के अतिरिक्त दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में कई स्टेशनों के प्लेटफार्म व स्टेशन परिसरों में भी क्लोज सर्किट टेलीविजन (सीसीटीवी) कैमरे का प्रावधान किया जा चुका है। इसी कड़ी में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के 12 स्टेशनों में लगभग 360 क्लोज सर्किट टेलीविजन (सीसीटीवी) कैमरे लगाए गए है। इन कैमरों की मदद से आपराधिक एवं संदिग्ध गतिविधियों की रोकथाम के साथ स्टेशनों पर यात्रियों के छूटे हुए सामानों की बरामदगी में भी सहायता मिल रही है। इसके अतिरिक्त संदिग्धों एवं अपराधियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने तथा विवाद सुलझाने में कैमरे के फुटेज साक्ष्य के तौर पर उपयोग में लाये जा रहे है। साथ ही साथ रेलवे की संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वाले शरारती तत्वों और रेल में अपराध करने वालों पर भी अंकुश लगाने में क्लोज सर्किट टेलीविजन (सीसीटीवी) कैमरे महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। फरवरी 2021 से अभी तक 21 मामलों को सीसीटीवी के द्वारा डिटेक्ट किया गया है, जिसमें 22 लोगों की गिरफ्तारी तथा 13 लाख से अधिक मूल्य की संपत्ति बरामद की गई। यात्रियों विशेषतया महिला यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु 'मेरी सहेली' अभियान चलाई गई है। इस अभियान के तहत रेलवे सुरक्षा बल की टीम ट्रेन में सफर कर रही महिला यात्रियों के पास जाकर उनसे बात करती है। अगर महिला यात्री को किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर उसे तुरंत हल किया जाता है। इसके अलावा यात्रियों को एक हेल्पलाइन लाइन नम्बर भी दिया गया है जिस पर शिकायत करने पर तुरंत एक्शन लिया जाता है। महिला यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा व सम्मान की सार्थक पहल के लिए महत्त्वपूर्ण स्टेशनों में 'अक्षिता' सेफ बबल का सफल प्रयोग व क्रियान्वयन किया गया है, जो कि प्लेटफार्म पर प्रतीक्षारत महिला यात्रियों के लिए सुरक्षित व सुविधापूर्ण स्थान उपलब्ध कराता है। इसके अतिरिक्त प्रतिदिन यात्रा करने वाली महिलाओं के लिए तेजस्विनी वाट्सएप ग्रुप का सफल संचालन किया जा रहा है। यात्रियों की सुरक्षित एवं संरक्षित यात्रा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसे सुनिश्चित करने हेतु निरंतर नई तकनीक का समावेश किया जा रहा है।

भारतीय रेल / IND

1960 से रेल मंत्रालय द्वारा प्रकाशित एकमात्र हिन्दी मासिक पत्रिका

FROM 19

जनवरी — पौष–माघ — JANUARY

सोम/Mon	मंगल/Tue	बुध/Wed	गुरु/Thu	शुक्र/Fri	शनि/Sat	रवि/Sun
30 नवमी	31 दशमी					1 दशमी
2 एकादशी	3 द्वादशी	4 त्रयोदशी	5 चतुर्दशी	6 पूर्णिमा	7 एकम्	8 द्वितीया
9 द्वितीया	10 तृतीया	11 चतुर्थी	12 पंचमी	13 षष्ठी	14 सप्तमी	15 अष्टमी
16 नवमी	17 दशमी	18 एकादशी	19 द्वादशी	20 त्रयोदशी	21 अमावस्या	22 एकम्
23 द्वितीया	24 तृतीया	25 चतुर्थी	26 पंचमी	27 षष्ठी	28 सप्तमी	29 अष्टमी

01 नववर्ष दिवस / New Year's Day
14 मकर संक्रांति / माघ / बिहू / Makar Sankranti / Magha / Bihu
15 पोंगल / Pongal
26 बसंत पंचमी / श्री पंचमी / Basant Panchami / Sri Panchami
26 गणतंत्र दिवस / Republic Day

फरवरी — माघ–फाल्गुन — FEBRUARY

सोम/Mon	मंगल/Tue	बुध/Wed	गुरु/Thu	शुक्र/Fri	शनि/Sat	रवि/Sun
		1 एकादशी	2 द्वादशी	3 त्रयोदशी	4 चतुर्दशी	5 पूर्णिमा
6 एकम्	7 द्वितीया	8 तृतीया	9 चतुर्थी	10 चतुर्थी	11 पंचमी	12 षष्ठी
13 सप्तमी	14 अष्टमी	15 नवमी	16 एकादशी	17 द्वादशी	18 त्रयोदशी	19 चतुर्दशी
20 अमावस्या	21 एकम्	22 तृतीया	23 चतुर्थी	24 पंचमी	25 षष्ठी	26 सप्तमी
27 अष्टमी	28 नवमी					

05 हजरत अली / गुरू रविदास जयन्ती / Hazrat Ali's / Guru Ravidas's Birthday
15 स्वामी दयानन्द सरस्वती जयन्ती / Birthday of Swami Dayananda Saraswati
18 महा शिवरात्रि / Maha Shivratri
19 शिवाजी जयन्ती / Shiva Ji Birthday

मार्च — फाल्गुन–चैत्र — MARCH

सोम/Mon	मंगल/Tue	बुध/Wed	गुरु/Thu	शुक्र/Fri	शनि/Sat	रवि/Sun
		1 दशमी	2 एकादशी	3 एकादशी	4 द्वादशी	5 त्रयोदशी
6 चतुर्दशी	7 पूर्णिमा	8 एकम्	9 द्वितीया	10 तृतीया	11 चतुर्थी	12 पंचमी
13 षष्ठी	14 शीतला सप्तमी	15 शीतलाष्टमी	16 नवमी	17 दशमी	18 एकादशी	19 द्वादशी
20 चतुर्दशी	21 अमावस्या	22 एकम्	23 द्वितीया	24 तृतीया	25 चतुर्थी	26 पंचमी
27 षष्ठी	28 सप्तमी	29 अष्टमी	30 नवमी	31 दशमी		

07 होलिका दहन / डोली यात्रा / Holika Dahan / Dolyatra
22 चैत्र शुक्लादि / गुड़ी पड़वा / उगाड़ी / चेटी चंद / Chaitra Sukladi / Gudi Padava / Ugadi / Cheti Chand
08 होली / Holi
30 राम नवमी / Ram Navami

अप्रैल — चैत्र–वैशाख — APRIL

सोम/Mon	मंगल/Tue	बुध/Wed	गुरु/Thu	शुक्र/Fri	शनि/Sat	रवि/Sun
					1 एकादशी	2 द्वादशी
3 द्वादशी	4 त्रयोदशी	5 चतुर्दशी	6 पूर्णिमा	7 एकम्	8 द्वितीया	9 तृतीया
10 चतुर्थी	11 पंचमी	12 सप्तमी	13 अष्टमी	14 नवमी	15 दशमी	16 एकादशी
17 द्वादशी	18 त्रयोदशी	19 चतुर्दशी	20 अमावस	21 एकम्	22 द्वितीया	23 तृतीया
24 चतुर्थी	25 पंचमी	26 षष्ठी	27 सप्तमी	28 अष्टमी	29 नवमी	30 दशमी

09 ईस्टर संडे / Easter Sunday
14 वैशाखी / विशु / मेशादी / Vaishakhi / Vishu / Meshadi
15 वैशाखडी (बंगाल) / बाहाग बिहू (असम) / Vaishakhadi (Bengal) / Bahag Bihu (Assam)
21 जुमा अल–विदा / Juma Al-Vida
04 महावीर जयंती / Mahavir Jayanti
07 गुड फ्राइडे / Good Friday
22 ईद–उल–फितर / Id-Ul-Fitr

मई — वैशाख–ज्येष्ठ — MAY

सोम/Mon	मंगल/Tue	बुध/Wed	गुरु/Thu	शुक्र/Fri	शनि/Sat	रवि/Sun
1 एकादशी	2 द्वादशी	3 त्रयोदशी	4 चतुर्दशी	5 पूर्णिमा	6 एकम्	7 द्वितीया
8 तृतीया	9 चतुर्थी	10 पंचमी	11 षष्ठी	12 सप्तमी	13 अष्टमी	14 दशमी
15 एकादशी	16 द्वादशी	17 त्रयोदशी	18 चतुर्दशी	19 अमावस्या	20 एकम्	21 द्वितीया
22 तृतीया	23 चतुर्थी	24 पंचमी	25 षष्ठी	26 सप्तमी	27 सप्तमी	28 अष्टमी
29 नवमी	30 दशमी	31 एकादशी				

09 गुरू रविन्द्र नाथ टैगोर जयंती / Guru Rabindra Nath Tagore's Birthday
05 बुद्ध पूर्णिमा / Budha Purnima

जून — ज्येष्ठ–आषाढ़ — JUNE

सोम/Mon	मंगल/Tue	बुध/Wed	गुरु/Thu	शुक्र/Fri	शनि/Sat	रवि/Sun
			1 द्वादशी	2 त्रयोदशी	3 चतुर्दशी	4 पूर्णिमा
5 एकम्	6 तृतीया	7 चतुर्थी	8 पंचमी	9 षष्ठी	10 सप्तमी	11 अष्टमी
12 नवमी	13 दशमी	14 एकादशी	15 द्वादशी	16 त्रयोदशी	17 चतुर्दशी	18 अमावस्या
19 एकम्	20 द्वितीया	21 तृतीया	22 चतुर्थी	23 पंचमी	24 षष्ठी	25 सप्तमी
26 अष्टमी	27 नवमी	28 दशमी	29 एकादशी	30 द्वादशी		

20 रथ यात्रा / Rath Yatra
29 ईद–उल–जुहा (बकरीद) / Eid-Ul-Zuha (Bakrid)











DIAN RAILWAYS 2023

956 MONTHLY PUBLICATIONS OF MINISTRY OF RAILWAYS

विक्रमी संवत्-2079-2080 | शक् संवत्-1944-1945

जुलाई आषाढ़-प्र.श्रावण JULY

सोम/Mon	मंगल/Tue	बुध/Wed	गुरु/Thu	शुक्र/Fri	शनि/Sat	रवि/Sun
31 त्रयोदशी					1 त्रयोदशी	2 चतुर्दशी
3 पूर्णिमा	4 एकम्	5 द्वितीया	6 तृतीया	7 पंचमी	8 षष्ठी	9 सप्तमी
10 अष्टमी	11 नवमी	12 दशमी	13 एकादशी	14 द्वादशी	15 त्रयोदशी	16 चतुर्दशी
17 अमावस्या	18 एकम्	19 द्वितीया	20 तृतीया	21 तृतीया	22 चतुर्थी	23 पंचमी
24 षष्ठी	25 सप्तमी	26 अष्टमी	27 नवमी	28 दशमी	29 एकादशी	30 द्वादशी

29 मुहर्रम / Muharram

अगस्त द्वितीय श्रावण AUGUST

सोम/Mon	मंगल/Tue	बुध/Wed	गुरु/Thu	शुक्र/Fri	शनि/Sat	रवि/Sun
	1 पूर्णिमा	2 एकम्	3 द्वितीया	4 तृतीया	5 चतुर्थी	6 पंचमी
7 सप्तमी	8 अष्टमी	9 नवमी	10 दशमी	11 एकादशी	12 एकादशी	13 द्वादशी
14 त्रयोदशी	15 चतुर्दशी	16 अमावस्या	17 एकम्	18 द्वितीया	19 तृतीया	20 चतुर्थी
21 पंचमी	22 षष्ठी	23 सप्तमी	24 अष्टमी	25 नवमी	26 दशमी	27 एकादशी
28 द्वादशी	29 त्रयोदशी	30 चतुर्दशी	31 पूर्णिमा			

16 पारसी नवर्ष दिवस / नवरोज / Parsi New Year's Day / Navroz
20 विनायक चतुर्थी / Vinayaka Chaturthi
29 ओणम / Onam
16 रक्षा बंधन / Raksha Bandhan
15 स्वतंत्रता दिवस / Independence Day

सितम्बर भाद्रपद-आश्विन SEPTEMBER

सोम/Mon	मंगल/Tue	बुध/Wed	गुरु/Thu	शुक्र/Fri	शनि/Sat	रवि/Sun
				1 द्वितीया	2 तृतीया	3 चतुर्थी
4 पंचमी	5 षष्ठी	6 सप्तमी	7 अष्टमी	8 नवमी	9 दशमी	10 एकादशी
11 द्वादशी	12 त्रयोदशी	13 चतुर्दशी	14 अमावस्या	15 अमावस्या	16 एकम्	17 द्वितीया
18 तृतीया	19 चतुर्थी	20 पंचमी	21 षष्ठी	22 सप्तमी	23 अष्टमी	24 नवमी
25 दशमी	26 द्वादशी	27 त्रयोदशी	28 चतुर्दशी	29 पूर्णिमा	30 एकम्	

06 जन्माष्टमी (स्मार्थ) / Janmashtami (Smarth)
19 गणेश चतुर्थी / Ganesh Chaturthi
07 जन्माष्टमी (वैष्णव) / Janamashtami (Vaishnav)
28 ईद-ए-मिलाद / Id-e-Milad

अक्टूबर आश्विन-कार्तिक OCTOBER

सोम/Mon	मंगल/Tue	बुध/Wed	गुरु/Thu	शुक्र/Fri	शनि/Sat	रवि/Sun
30 द्वितीया	31 तृतीया					1 द्वितीया
2 तृतीया	3 पंचमी	4 षष्ठी	5 सप्तमी	6 सप्तमी	7 अष्टमी	8 नवमी
9 दशमी	10 एकादशी	11 द्वादशी	12 त्रयोदशी	13 चतुर्दशी	14 अमावस्या	15 एकम्
16 द्वितीया	17 तृतीया	18 चतुर्थी	19 पंचमी	20 षष्ठी	21 सप्तमी	22 अष्टमी
23 नवमी	24 दशमी	25 एकादशी	26 द्वादशी	27 त्रयोदशी	28 पूर्णिमा	29 एकम्

21 दशहरा (सप्तमी) / Dussehra (Saptami)
22 दशहरा (महाष्टमी) / Dussehra (Mahastami)
23 दशहरा (महानवमी) / Dussehra (Mahanavmi)
28 महर्षि वाल्मीकि जयंती / Maharshi Valmiki Jayanti
02 महात्मा गांधी जयंती / Mahatma Gandhi Jayanti
24 दशहरा / Dussehra

नवम्बर कार्तिक-मार्गशीर्ष NOVEMBER

सोम/Mon	मंगल/Tue	बुध/Wed	गुरु/Thu	शुक्र/Fri	शनि/Sat	रवि/Sun
		1 चतुर्थी	2 पंचमी	3 षष्ठी	4 सप्तमी	5 अष्टमी
6 नवमी	7 दशमी	8 दशमी	9 एकादशी	10 द्वादशी	11 त्रयोदशी	12 चतुर्दशी
13 अमावस्या	14 एकम्	15 द्वितीया	16 तृतीया	17 चतुर्थी	18 पंचमी	19 षष्ठी
20 अष्टमी	21 नवमी	22 दशमी	23 एकादशी	24 द्वादशी	25 त्रयोदशी	26 चतुर्दशी
27 पूर्णिमा	28 एकम्	29 द्वितीया	30 तृतीया			

01 करक चतुर्थी (करवाचौथ) / Karaka Chaturthi (Karwachauth)
12 नरक चतुर्दशी / Naraka Chaturdashi
13 गोवर्धन पूजा / Govardhan Pooja
15 भाई दूज / Bhai Duj
19 प्रतिहारी षष्ठी या सूर्या षष्ठी / छठ पूजा / Pratihar Shashthi or Surya Shashthi / Chhat Puja
24 गुरू तेग बहादूर शहीदी दिवस / Guru Teg Bahadur's Martyrdom Day
12 दिवाली (दीपावली) / Diwali (Deepavali)
27 गुरूनानक जयंती / Gurunanak Jayanti

दिसम्बर मार्गशीर्ष-पौष DECEMBER

सोम/Mon	मंगल/Tue	बुध/Wed	गुरु/Thu	शुक्र/Fri	शनि/Sat	रवि/Sun
				1 चतुर्थी	2 पंचमी	3 षष्ठी
4 सप्तमी	5 अष्टमी	6 नवमी	7 दशमी	8 एकादशी	9 द्वादशी	10 द्वादशी
11 त्रयोदशी	12 अमावस्या	13 एकम्	14 द्वितीया	15 तृतीया	16 चतुर्थी	17 पंचमी
18 षष्ठी	19 सप्तमी	20 अष्टमी	21 नवमी	22 दशमी	23 द्वादशी	24 त्रयोदशी
25 चतुर्दशी	26 पूर्णिमा	27 एकम्	28 द्वितीया	29 द्वितीया	30 तृतीया	31 चतुर्थी

24 क्रिसमस पूर्व / Christmas Eve.
25 क्रिसमस दिवस / Christmas Day



पत्रिकाओं की सदस्यता अब ऑनलाइन भी उपलब्ध

www.irctctourism.com/IRBRmag/#/home/hn

या क्यूआर कोड को स्कैन करें

Email for Hindi : editorbhartiyarailrb@gmail.com | Email for English : editorindianrailways@gmail.com

भारतीय पत्रिका की ऑनलाइन सदस्यता

STEP 1

ऑनलाइन सदस्यता हेतु www.irctc.co.in पर जाएं।

इस पेज के विज्ञापन (Promotions) पर जाएं।

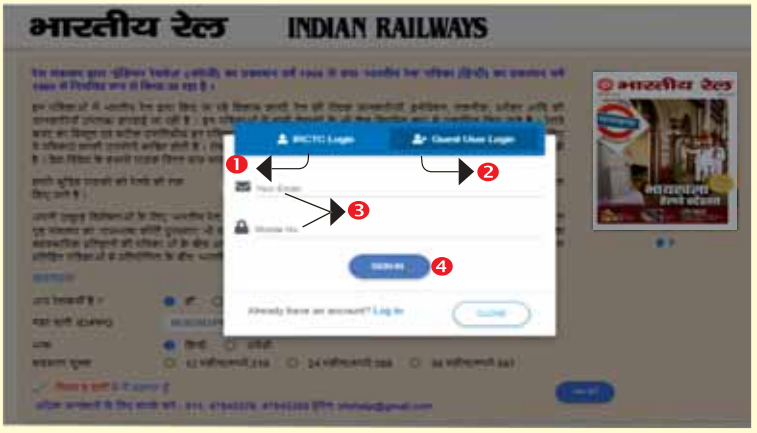
आप सीधे www.irctctourism.com/ IRBRmag/#/home/hn पर भी जा सकते हैं।



❸ 'भारतीय रेल पत्रिका' पर क्लिक करें।

STEP 3

❶ इस बॉक्स में यदि आप के पास आईआरसीटीसी का लॉग-इन, पासवर्ड है तो उसका उपयोग करें।

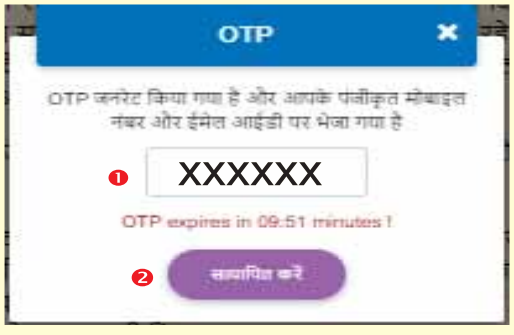


❷ लॉग-इन आईडी नहीं है तो गेस्ट लॉग-इन पर क्लिक करें।

❸ उसमें अपना ई-मेल तथा मोबाइल नंबर दर्ज करें।

❹ सबमिट बटन दबाएँ।

STEP 5



❶ आपके पंजीकृत मोबाइल एवं ई-मेल पर आए ओटीपी को बॉक्स में दर्ज करें एवं

❷ सत्यापित करें

STEP 6



❶ पेमेंट मोड (कार्ड, नेट बैंकिंग, यूपीआई, वॉलेट, इंटरनेशनल कार्ड तथा आईपे) एवं

❷ पेमेंट गेट-वे का ऑप्शन पसंद करें

❸ मेक पेमेंट का बटन दबाएं

रेल
प्राप्त करने की सरल प्रक्रिया

STEP 2

1. यदि आप रेलकर्मी हैं तो 'हां' पर या रेलकर्मी नहीं हैं तो 'नहीं' पर क्लिक करें।
2. यदी 'हां' तो बॉक्स में अपना आरयूआईडी/ आईडी/पीपीओ नंबर तथा एक आधिकारिक आईडी की स्कैन कॉपी अपलोड करें।
3. 'भारतीय रेल' पत्रिका के लिए 'हिंदी' को और 'इंडियन रेलवेज' पत्रिका के लिए 'अंग्रेजी' में क्लिक करें।
4. एक, दो या तीन यानि जितने साल की सदस्यता चाहते हैं, उस बिन्दु पर क्लिक करें।



सबमिट (जमा) का बटन दबाएं।

5 नियम व शर्तों पर क्लिक करें तथा उसे ध्यान से पढ़ लें। यदि सहमत हों तो बॉक्स में टिक मार्क करें।

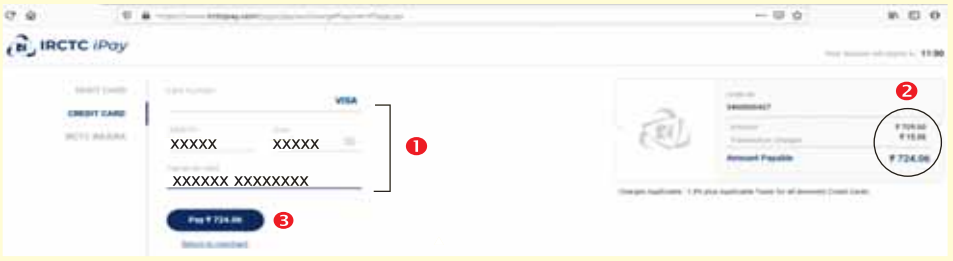
STEP 4

1 अपना पूरा पता पिन कोड के साथ दर्ज करें



2 सबमिट बटन दबाएँ।

STEP 7



1 पेमेंट मोड की डीटेल भरें
2 पेमेंट एमाउंट की जानकारी देखें।
3 संतुष्ट होने पर ही 'पे' बटन को दबाएं।
➲ बैंक ओटीपी की प्रक्रिया पूर्ण होने पर पेमेंट सक्सेस फुल का मैसेज स्क्रीन पर दिखाई देगा।

कृपया ध्यान दें

- पेमेंट के समय नियमानुसार ट्रांजेक्शन शुल्क लगते हैं, कृपया पेमेंट करते समय देख लें।
- पेमेंट की प्रक्रिया पूर्ण होने पर आपको सदस्यता संबंधित जानकारी का एस.एम.एस. तथा मेल प्राप्त होगा।
- पेमेंट प्राप्त होते ही निर्धारित माह से आपको पत्रिका प्राप्त होनी शुरू हो जाएगी।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें - 011- 47845378, 47845380 ईमेल: irbrhelp@gmail.com

पश्चिम मध्य रेल में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती का आयोजन



दिनांक 15 नवंबर, 2022 को 'जनजातीय गौरव दिवस' के अवसर पर पूरे देश में श्रद्धा और सम्मान के साथ भगवान बिरसा मुंडा की जयंती मनाई गई। इसी कड़ी में पश्चिम मध्य रेल के मुख्यालय सहित तीनों मंडलों जबलपुर, भोपाल एवं कोटा द्वारा 'धरती आबा' भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को समर्पित 'जनजातीय गौरव दिवस' पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। पमरे के प्रमुख स्टेशनों पर नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से महान स्वतंत्रता सेनानी एवं देश के जनजातीय अधिनायक भगवान बिरसा मुंडा पर आधारित कार्यों तथा उनके बलिदान को प्रस्तुत करते हुए उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किये गए।

आरपीएफ द्वारा मानव तस्करी विरोधी इकाइयों को प्रशिक्षण

पश्चिम मध्य रेलवे द्वारा दिनांक 28 अक्टूबर, 2022 को मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय जबलपुर में रेलवे सुरक्षा बल के कोटा, भोपाल एवं जबलपुर मण्डल की मानव तस्करी विरोधी इकाइयों के लिये प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन श्री प्रदीप गुप्ता प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त पश्चिम मध्य रेल द्वारा किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान मुख्य सुरक्षा आयुक्त पश्चिम मध्य रेल श्री महेश्वर सिंह, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त जबलपुर श्री अरुण त्रिपाठी, सहायक सुरक्षा आयुक्त श्री विजय कुमा, सहायक सुरक्षा आयुक्त जबलपुर श्री अजय एन संसारे उपस्थित रहे। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान श्रीमती मंजू प्रिंसिपल



मजिस्ट्रेट जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड जबलपुर, श्री यशवर्धन ठगेले, अध्यक्ष, चाइल्ड वेलफेयर कमेटी जबलपुर, सलमान मंसूरी, स्टेट कॉर्डिनेटर बचपन बचाओ आंदोलन भोपाल, श्रीमति नीतू सदस्य जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड जबलपुर, श्रीमति माया सदस्य चाइल्ड वेलफेयर कमेटी जबलपुर, अखिल चौकसे चाइल्ड हेल्प लाइन को-ऑर्डिनेटर जबलपुर द्वारा मानव तस्करी/बाल तस्करी के नये-नये तरीकों से अवगत कराया तथा तस्करी में संलिप्त आरोपियों के विरूद्ध किशोर न्याय अधिनियम के प्रावधानों से अवगत कराया गया।

आरेडिका में फार्मासिस्टों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित



आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली में भारतीय रेल की राष्ट्रीय अकादमी के सहयोग से भारतीय रेल के फार्मासिस्टों के लिए दिनांक 17 अक्टूबर, 2022 से 20 अक्टूबर, 2022 तक 4 दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि महानिदेशक/रेलवे स्वास्थ्य सेवा रेलवे बोर्ड श्री प्रसन्ना कुमार, महानिदेशक/भारतीय राष्ट्रीय अकादमी श्रीमती चंद्रलेखा मुखर्जी (वर्चुअल माध्यम) एवं आरेडिका महाप्रबंधक श्री एस.एस. कलसी के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में सभी रेलवे जोनों, उत्पादन इकाइयों, आरडीएसओ और कोलकता मेट्रो के 126 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। मुख्य अतिथि श्री प्रसन्ना कुमार ने भारतीय रेल के फार्मासिस्टों के लिए प्रशिक्षण पर जोर दिया जिनकी संवर्ग संख्या 1,800 है। इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरे भारत में रणनीतिक स्थानों पर नियमित अंतराल पर आयोजित किए जाएंगे। फार्मासिस्टों की स्वास्थ्य के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण भूमिका के संबंध में बताया कि फार्मासिस्ट डॉक्टर एवं रोगी के मध्य सेतु के रूप में कार्य करता है, और रोगियों के सीधे सम्पर्क में आता है। दवाइयों को कैसे कब कितना लेना है, के बारे में समझाता है। कोविड काल दौरान फार्मासिस्टों द्वारा किये गये कार्यों की सराहना की साथ ही साथ उन्होंने कहा आरेडिका द्वारा प्रदान किया गया आतिथ्य एवं उत्कृष्ट प्रशिक्षण सुविधाएं सराहनीय हैं।

रेल कोच फैक्ट्री में स्कूली बच्चों के लिए करियर काउंसलिंग सेमिनार का आयोजन



रेल कोच फैक्ट्री कपूरथला में आर सी एफ प्रशासन द्वारा करियर काउंसलिंग सेमिनार का आयोजन किया गया। वारिस शाह हॉल में आयोजित आर सी एफ कर्मचारियों के स्कूल जाने वाले बच्चों (10वीं, 11वीं और 12वीं में पढ़ने वाले) के लिए इस करियर काउंसलिंग सेमिनार का आयोजन स्टाफ बेनिफिट फंड कमेटी के सौजन्य से किया गया। सेमीनार में केंद्रीय विद्यालय-1, केंद्रीय विद्यालय-2 और सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल आर सी एफ से करीब 450 छात्रों ने भाग लिया। उक्त कार्यक्रम का आयोजन आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री विनोद कुमार, प्रिंसिपल चीफ पर्सनल अफसर/आर सी एफ ने शिरकत की। विभिन्न संगठनों से प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने उक्त छात्रों को 10+2 पास करने के बाद उनके लिए उपलब्ध करियर के विभिन्न अवसरों के बारे में परामर्श और मार्गदर्शन किया। इनमें आर्मी सिलेक्शन सेंटर (उत्तर), कपूरथला से लेफ्टिनेंट कर्नल शौर्य वर्धन सिंह, लेफ्टिनेंट कर्नल प्रणब सिंह, डॉ वरुण जोशी जिला प्लेसमेंट अधिकारी रोजगार कार्यालय, कपूरथला, नवाब जस्सा सिंह अल्हुवालिया, कॉलेज,कपूरथला से प्रोफेसर रेखा और प्रोफेसर हरपालजीत कौर, पंजाब नेशनल बैंक से बलजिंदर सिंह उप प्रबंधक और टेक्नीकल ट्रेनिंग सेंटर आर सी फ से श्री नीरज और मैडम फहीन खान चीफ इंस्ट्रक्टर ने बच्चों को सम्बोधन किया। उक्त विशेषज्ञों ने छात्रों को 10वीं और 10+2 पास करने के बाद उनके लिए उपलब्ध करियर के विभिन्न अवसरों के बारे में परामर्श/प्रेरित किया। सेमीनार में एक इंटरैक्टिव सेशन भी किया गया।

उत्तर पश्चिम रेलवे भारत स्काउट एवं गाइड की चतुर्थ स्टेट रैली का समापन

उत्तर पश्चिम रेलवे भारत स्काउट एवं गाइड की चतुर्थ स्टेट रैली का आयोजन 14 से 18 नंबर तक जगतपुरा स्थित राज्य प्रशिक्षण केंद्र में किया गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि संरक्षक उत्तर पश्चिम रेलवे भारत स्काउट गाइड एवं महाप्रबंधक उत्तर पश्चिम रेलवे श्री विजय शर्मा थे।

इस रैली में उत्तर पश्चिम रेलवे के चारों मंडलों से लगभग 200 कब, बुलबुल, स्काउट, गाइड, रोवर एवं रेंजर ने भाग लिया। रैली में प्रतिभागियों ने कैंप क्राफ्ट, पायनियरिंग, फर्स्ट एड, मार्च पास्ट, वैश्विक ग्रामीण विकास की अवधारणा, लोक नृत्य आदि कौशल विकास के



प्रतिस्पर्धाओं में भाग लेकर अपना हुनर दिखाया।

समापन समारोह में उत्तर पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्ष श्रीमती नीता शर्मा एवं अन्य पदाधिकारी, उत्तर पश्चिम रेलवे स्टेट चीफ कमिश्नर श्री नरेंद्र कुमार, स्टेट सचिव श्री दिनेश कौल, उत्तर पश्चिम रेलवे के प्रमुख विभागाध्यक्ष, अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

सूचना

'भारतीय रेल' पत्रिका में लेखक के नाम के साथ प्रकाशित हुए लेख (फोटोग्राफ के साथ) लेखक द्वारा उपलब्ध करवाए जाते हैं। भविष्य में लेख तथा फोटोग्राफ्स से संबंधित कॉपी राइट्स के उल्लंघन तथा अन्य किसी भी प्रकार के विवाद के लिए लेखक संपूर्ण रूप से जिम्मेदार होगा। रेल मंत्रालय या संपादकीय टीम किसी भी प्रकार से जिम्मेदार नहीं होगी। लेख में व्यक्त किये गये विचार लेखक के निजी विचार हैं इससे संपादक मण्डल का सहमत होना जरूरी नहीं है। – *संपादक*

40 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास का कार्य जारी

रेल मंत्रालय ने देश भर के प्रमुख स्टेशनों के पुनर्विकास को तेज किया है। वर्तमान में भारतीय रेल में आधुनिक सुविधाएं प्रदान करने के लिए 40 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है। 14 रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के लिए टेंडर प्रक्रिया में हैं और अगले 5 महीनों में पुनर्विकास कार्य शुरू होने की संभावना है। देश भर में रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास से अर्थव्यवस्था में रोजगार सृजन और बेहतर आर्थिक विकास जैसे कई अच्छे प्रभाव पड़ेंगे। इन स्टेशनों के पुनर्विकास में विशाल रूफ प्लाजा, फूड कोर्ट, वेटिंग लाउंज, चिल्ड्रन प्ले एरिया, स्थानीय उत्पादों के लिए खास स्थान आदि जैसी सुविधाओं की परिकल्पना की गई है।

विकास कार्य रेलवे स्टेशन के साथ परिवहन के विभिन्न साधनों जैसे मेट्रो, बस आदि और स्टेशन के साथ शहर के दोनों किनारों को भी जोड़ेगा। स्टेशन के बुनियादी ढांचे के निर्माण में 'दिव्यांगजनों' के लिए ग्रीन बिल्डिंग टेक्नॉलजी और अन्य सुविधाओं को अपनाया जाएगा। यात्रियों के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस इंटेलिजेंट बिल्डिंग की अवधारणा पर स्टेशनों का विकास किया जाएगा। स्टेशन पुनर्विकास रेलवे यात्रियों के साथ-साथ आम जनता के लिए स्टेशन पर 'सिटी सेंटर' जैसी सुविधाएं विकसित करेगा। पश्चिम मध्य रेलवे के रानी कमलापति स्टेशन, पश्चिम रेलवे के गांधीनगर राजधानी स्टेशन और दक्षिण पश्चिम रेलवे के सर एम.विश्वेश्वरैया टर्मिनल स्टेशन को विकसित करके चालू किया गया है। स्टेशनों के निर्माण के लिए समय सीमा इस स्तर पर तय नहीं की जा सकती क्योंकि स्टेशन विकास कार्यक्रम की प्रकृति जटिल है, इसमें कई हितधारक और विभिन्न वैधानिक मंजूरी शामिल हैं।

उन स्टेशनों की सूची जहां कार्य प्रदान किया गया है और सर्वेक्षण, स्थल संग्रहण तथा निर्माण के विभिन्न चरणों में प्रगति पर है

क्रमांक	स्टेशन का नाम	राज्य	जोन
1	अयोध्या	उत्तर प्रदेश	उत्तर रेलवे
2	बिजवासन	दिल्ली	उत्तर रेलवे
3	सफदरजंग	दिल्ली	उत्तर रेलवे
4	गोमतीनगर	उत्तर प्रदेश	पूर्वोत्तर रेलवे
5	तिरुपति	आंध्र प्रदेश	दक्षिण मध्य रेलवे
6	गया	बिहार	पूर्व मध्य रेलवे
7	उधना	गुजरात	पश्चिम रेलवे
8	सोमनाथ	गुजरात	पश्चिम रेलवे
9	एर्नाकुलम	केरल	दक्षिण रेलवे
10	पुरी	ओडिशा	पूर्व तट रेलवे
11	न्यू जलपाइगुड़ी	पश्चिम बंगाल	पूर्वोत्तर सीमा रेलवे
12	मुजफ्फरपुर	बिहार	पूर्व मध्य रेलवे
13	लखनऊ (चारबाग)	उत्तर प्रदेश	उत्तर रेलवे
14	दकानिया तालाव	राजस्थान	पश्चिम मध्य रेलवे
15	कोटा	राजस्थान	पश्चिम मध्य रेलवे
16	जम्मू तवी	जम्मू कश्मीर	उत्तर रेलवे
17	जालंधर कैंट	पंजाब	उत्तर रेलवे
18	नेल्लौर	आंध्र प्रदेश	दक्षिण मध्य रेलवे
19	साबरमती	गुजरात	पश्चिम रेलवे
20	ग्वालियर	मध्य प्रदेश	उत्तर मध्य रेलवे
21	फरीदाबाद	हरियाणा	उत्तर रेलवे
22	गांधीनगर जयपुर	राजस्थान	उत्तर पश्चिम रेलवे
23	भुवनेश्वर	ओडिशा	पूर्व तट रेलवे
24	कोल्लम	केरल	दक्षिण रेलवे
25	उदयपुर सिटी	राजस्थान	उत्तर पश्चिम रेलवे
26	एर्नाकुलम टाउन	केरल	दक्षिण रेलवे
27	जैसलमेर	राजस्थान	उत्तर पश्चिम रेलवे
28	रांची	झारखंड	दक्षिण मध्य रेलवे
29	विशाखापट्टनम	आंध्र प्रदेश	पूर्व तट रेलवे
30	पुडुचेरी	पुडुचेरी	दक्षिण रेलवे
31	कटपडी	तमिलनाडू	दक्षिण रेलवे
32	रामेश्वरम	तमिलनाडू	दक्षिण रेलवे
33	मदुरैई	तमिलनाडू	दक्षिण रेलवे
34	सूरत	गुजरात	पश्चिम रेलवे
35	चेन्नई इग्मोर	तमिलनाडू	दक्षिण रेलवे
36	न्यू भुज	गुजरात	दक्षिण रेलवे
37	नागपुर	महाराष्ट्र	मध्य रेलवे
38	सिकंदराबाद	तेलंगाना	दक्षिण मध्य रेलवे
39	यशवंतपुर	कर्नाटक	दक्षिण पश्चिम रेलवे
40	जयपुर	राजस्थान	उत्तर पश्चिम रेलवे

उन स्टेशनों की सूची जो टेंडर प्रक्रिया में हैं और जहां अगले 4-5 महीने में काम शुरू होगा

क्रमांक	स्टेशन का नाम	राज्य	जोन
1	दिल्ली कैंट	दिल्ली	उत्तर रेलवे
2	प्रयागराज	उत्तर प्रदेश	उत्तर मध्य रेलवे
3	गाजियाबाद	उत्तर प्रदेश	उत्तर रेलवे
4	अजनी (नागपुर)	महाराष्ट्र	मध्य रेलवे
5	लुधियाना	पंजाब	उत्तर रेलवे
6	कटक	ओडिशा	पूर्व तट रेलवे
7	कन्याकुमारी	तमिलनाडु	दक्षिण रेलवे
8	कानपुर सेंट्रल	उत्तर प्रदेश	उत्तर मध्य रेलवे
9	चंडीगढ़	चंडीगढ़	उत्तर रेलवे
10	बैंग्लोर कैंट	कर्नाटक	दक्षिण पश्चिम रेलवे
11	नई दिल्ली	दिल्ली	उत्तर रेलवे
12	अहमदाबाद	गुजरात	पश्चिम रेलवे
13	सीएसएमटी	महाराष्ट्र	सीआर
14	जोधपुर	राजस्थान	एनडब्ल्यूआर



पुनर्विकसित होने वाले रेलवे स्टेशनों के प्रस्तावित डिजाइन



विश्व स्तरीय यात्री सुविधाएं प्रदान करने हेतु केरल के तीन प्रमुख रेलवे स्टेशन एर्नाकुलम जंक्शन, एर्नाकुलम टाउन और कोल्लारन जंक्शन के पुनर्विकास के टेण्डर की प्रक्रिया शुरू।



उत्तर प्रदेश के ग़ाज़ियाबाद रेलवे स्टेशन को पुनर्विकसित किए जाने का प्रस्तावित डिजाइन

यूएसआईसी इंटरनेशनल रेलवे स्पोर्ट्स एसोसिएशन टेबल टेनिस चैंपियनशिप में भारतीय रेल का शानदार प्रदर्शन



रेलवे खेलकूद संवर्द्धन बोर्ड के अधीन उत्तर पश्चिम रेलवे स्पोर्ट्स एसोसिएशन की ओर से 21 नवंबर से 25 नवंबर, 2022 तक जयपुर में आयोजित यूएसआईसी इंटरनेशनल रेलवे स्पोर्ट्स एसोसिएशन टेबल टेनिस चैंपियनशिप में भारतीय रेल के खिलाड़ियों ने पुरुष व महिला एकल, मिश्रित युगल, युगल और टीम प्रतिस्पर्धा में जीत प्राप्त की।

इस प्रतिष्ठित चैंपियनशिप में पांच टीमों– चेक गणराज्य, डेनमार्क, फ्रांस, स्विट्जरलैंड और भारत ने हिस्सा लिया।

उत्तरी पश्चिम रेलवे (एनडब्ल्यूआर) के एजीएम श्री गौतम अरोड़ा ने 22 नवंबर, 2022 को इस चैंपियनशिप का उद्घाटन किया था। इस अवसर पर सीटीटी, यूएसआईसी की अध्यक्ष सेबस्टियन पिका, निदेशक (गतिविधि) श्री केविन लेब्यूरे, रेलवे खेल संवर्द्धन बोर्ड के सचिव श्री प्रेम लोचब और उत्तर पश्चिम रेलवे खेल संघ के महासचिव श्री अनुज कुमार तयाल उपस्थित थे। भारतीय खिलाड़ियों ने पुरुष और महिला टीम की प्रतिस्पर्धा में प्रथम, मिश्रित युगल में दूसरा और पुरुष व महिला एकल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करके देश और भारतीय रेल को गौरवान्वित किया। भारतीय रेल के रोनित भांजा ने स्वर्ण और शिक्षा जैन ने रजत पदक जीता। वहीं, अनिर्बान घोष ने पुरुष एकल प्रतिस्पर्धा में कांस्य और महिला एकल में सुतीर्था मुखर्जी ने स्वर्ण पदक पर कब्जा किया। इसके अलावा महिला एकल प्रतिस्पर्धा में धारना सेन ने रजत और पोयमंती वैश्य ने कांस्य पदक जीता।

भारतीय रेल के खिलाड़ियों ने मिश्रित युगल स्पर्धाओं में स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक पर कब्जा किया। पुरुष युगल में भारतीय टीम ने स्वर्ण व रजत और फ्रांस ने कांस्य पदक प्राप्त किया। इसी तरह महिला युगल में भारतीय टीम ने स्वर्ण, चेक गणराज्य ने रजत और भारत व चेक गणराज्य की खिलाड़ियों ने कांस्य पदक पर कब्जा किया। टीम प्रतिस्पर्धा में भारतीय रेल की पुरुष टीम ने स्वर्ण, फ्रांस ने रजत और चेक गणराज्य की टीम ने कांस्य पदक जीते। महिला वर्ग में भारत ने स्वर्ण, चेक गणराज्य ने रजत और फ्रांस ने कांस्य पदक प्राप्त किया।

समापन समारोह के दौरान मुख्य अतिथि उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विजय शर्मा ने विजेताओं को पदक और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में आरएसपीबी व पीईडी रेलवे बोर्ड के उपाध्यक्ष श्री दीपक पीटर गेब्रियल सम्मानित अतिथि थे। इसके अलावा एनडब्ल्यूआरएसए व सीएओ के अध्यक्ष श्री बृजेश कुमार गुप्ता, एनडब्ल्यूआर के एजीएम श्री गौतम अरोड़ा, आरएसपीबी के सचिव श्री प्रेम लोचब, एनडब्ल्यूआरएसए के सचिव श्री अनुज कुमार तायल, सीटीटी यूएसआईसी की अध्यश्र श्रीमती सेबस्टियन पिका, पीएचओडीएस के निदेशक (गतिविधि) श्री केविन लेब्यूर, आरएसपीबी के खेल समन्वयक उपस्थित थे।





15 नवंबर, 2022 को बेंगलुरू में आयोजित 11वीं सीनियर महिला टी20 क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल में भारतीय रेल की टीम ने पश्चिम बंगाल की टीम को 6 विकेट से हराकर खिताब हासिल किया। वर्ष 2019-20 में भी भारतीय रेल ने पश्चिम बंगाल की टीम को हराकर खिताब जीता था।

कोरिया में 9 नवंबर से 19 नवंबर के बीच आयोजित 15वीं एशियाई एयर गन शूटिंग चैंपियनशिप में 10मीटर एयर राइफल टीम वर्ग में भारतीय रेल की मेघना सज्जानार ने स्वर्ण पदक जीतकर भारत और भारतीय रेल का नाम रौशन किया।



कोलकाता मेट्रो के दो कर्मचारियों ने देश का नाम रोशन किया



श्री सुमित मुखर्जी और श्री देवव्रत मजूमदार सहित 6 (छह) सदस्यीय भारतीय टीम ने जकार्ता में आयोजित चौथी एशिया कप ब्रिज चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता।

यह चैंपियनशिप 19 से 25 अक्टूबर 2022 तक खेली गई जिसमें 11 देशों ने भाग लिया। श्री सुमित मुखर्जी और श्री देवव्रत मजूमदार दोनों मेट्रो रेलवे, कोलकाता के कर्मचारी हैं।

इस सफलता से पहले श्री मुखर्जी और श्री मजूमदार ने 2018 में जकार्ता एशियाई खेल में कांस्य पदक जीता था। इसके अलावा सुमित और देवव्रत ने कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खिताब जीते हैं।

मेट्रो रेलवे के महाप्रबंधक श्री अरुन अरोरा ने उन्हें इस सफलता के लिए बधाई देते हुए आगामी टूर्नामेंटों के लिए शुभकामनाएं दीं।

51वीं अखिल भारतीय रेल जिम्नास्टिक चैंपियनशिप संपन्न





दक्षिण पूर्व रेलवे स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा 9 से 11 नवंबर, 2022 तक बीएनआर इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, गार्डनरीच में 51वीं ऑल इंडिया रेलवे जिम्नास्टिक चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। समापन समारोह पर सुश्री अर्चना जोशी, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे ने श्री इशाक खान, प्रधान मुख्य विद्युत अभियंता और अध्यक्ष, साउथ ईस्टर्न रेलवे स्पोर्ट्स एसोसिएशन और अन्य वरिष्ठ रेल अधिकारियों की उपस्थिति में विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। चैंपियनशिप में 8 क्षेत्रीय रेलवे और उत्पादन इकाइयों के 46 जिम्नास्टों ने भाग लिया। भाग लेने वाली टीमों में दक्षिण पूर्व रेलवे, पूर्व रेलवे, मेट्रो रेलवे, दक्षिण मध्य रेलवे, उत्तर रेलवे, पश्चिम रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे और चित्तरंजन लोकोमोटिव वर्क्स शामिल थे।

समापन समारोह पर महाप्रबंधक द्वारा दक्षिण पूर्व रेलवे के चौदह अनुभवी जिम्नास्टों को भी सम्मानित किया गया। दक्षिण पूर्व रेलवे की पुरुष टीम चैंपियन बनकर उभरी जबकि उत्तर मध्य रेलवे उपविजेता रही। तीसरा स्थान पूर्व रेलवे ने हासिल किया। मेट्रो रेलवे की सुश्री पापिया दास को महिला व्यक्तिगत चैंपियनशिप में सर्वश्रेष्ठ 'ऑल राउंड जिमनास्ट' घोषित किया गया। उत्तर मध्य रेलवे के श्री सिद्धार्थ वर्मा पुरुषों की 'ऑल राउंड व्यक्तिगत चैंपियनशिप' के विजेता रहे। चैंपियनशिप में उत्तर मध्य रेलवे ने 13 पदक जीत कर ओवर ऑल चैंपियनशिप में द्वितीय स्थान हासिल किया। उत्तर मध्य रेलवे की कुल पदक तालिका 4 स्वर्ण, 6 रजत और 3 कांस्य रही।

कॉमनवेल्थ चेस चैंपियनशिप में के. पी. श्याम निखिल ने जीता स्वर्ण पदक



श्रीलंका में 13 से 22 नवंबर, 2022 तक आयोजित कामनवेल्थ चेस चैंपियनशिप में भारतीय रेल के पी. श्याम निखिल ने स्वर्ण पदक जीतकर भारत और भारतीय रेल का नाम रौशन किया। तस्वीर में उन्हें स्वर्ण पदक पहनाते हुए श्रीलंका के प्रधानमंत्री श्री दिनेश गुणावर्धेना।

36वें राष्ट्रीय खेल-2022 में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की बॉक्सर पूनम मंदीप कौर को स्वर्ण पदक



दिनांक 29 सितंबर से 12 अक्टूबर, 2022 तक चले 36वें राष्ट्रीय खेल 2022 में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के खिलाड़ियों ने अपने-अपने परिक्षेत्र में शानदार प्रदर्शन किया। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की बॉक्सर पूनम मंदीप कौर ने 57 किलोग्राम भार वर्ग के अंतर्गत स्वर्ण पदक हासिल किया है। महाप्रबन्धक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने पूनम मंदीप कौर के शानदार प्रदर्शन पर बधाई दी।

68वीं अखिल भारतीय अंतर रेलवे टेबल टेनिस चैंपियनशिप का आयोजन



उत्तर मध्य रेलवे खेल संघ के तत्वावधान दिनांक 01 से 05 नवंबर, 2022 तक रेलगांव सूबेदारगंज में आयोजित 68वीं अखिल भारतीय अंतर रेलवे टेबल टेनिस चैंपियनशिप का समापन समारोह दिनांक 05 नवंबर, 2022 को रेलवे स्टेडियम बैडमिंटन हॉल में अध्यक्ष, उत्तर मध्य रेलवे खेल संघ एवं मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण श्री शरद मेहता के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। इस अवसर पर श्री मेहता ने सभी विजेता टीमों और खिलाड़ियों को मेडल, प्रमाण पत्र तथा पुरस्कार वितरित किए।

ज्ञात हो कि इस पांच दिवसीय समागम में पुरुषों की 12 एवं महिलाओं की 7 टीमों ने हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता में टीम स्पर्धा में महिला वर्ग में दक्षिण पूर्व रेलवे प्रथम, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे द्वितीय तथा मेट्रो रेलवे कोलकाता तृतीय स्थान पर रहे। पुरुष वर्ग में पश्चिम रेलवे ने पूर्व रेलवे को हराकर स्वर्ण पदक जीता तथा दक्षिण पूर्व रेलवे तृतीय स्थान पर रही। इसी क्रम में व्यक्तिगत स्पर्धा महिला वर्ग में सुतीर्था मुखर्जी ने पोयमंती बैस्य को फाइनल में 4-2 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। कांस्य पदक सागरिका मुखर्जी और प्राप्ती सेन को मिला। पुरुष वर्ग में पूर्व रेलवे के रोहित भांजा ने दक्षिण पूर्व रेलवे के अनिर्बान नंदी को 4-1 से हराकर फाइनल जीता और मध्य रेलवे के ओंकार तोरगलकर तथा पूर्व रेलवे के किरनजॉय पुशीलाल ने कांस्य पदक जीता।

इस अवसर पर धन्यवाद ज्ञापन संयुक्त सचिव एवं वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी डॉ. अमित मालवीय ने दिया।

66वीं अखिल भारतीय रेल (पुरुष) वॉलीबॉल चैंपियनशिप गोरखपुर में सम्पन्न

पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ के तत्त्वावधान में 04 से 10 नवम्बर, 2022 तक सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम, गोरखपुर में खेली गई 66वीं अखिल भारतीय रेल (पुरुष) वॉलीबॉल चैंपियनशिप (2022-23) प्रतियोगिता के फाइनल मैच में दक्षिण पश्चिम रेलवे ने मेजबान पूर्वोत्तर रेलवे को हराकर चैंपियनशिप जीत ली। इस प्रकार पूर्वोत्तर रेलवे को द्वितीय तथा दक्षिण मध्य रेलवे को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। पूर्वोत्तर रेलवे के श्री चन्द्र वीर रमण महाप्रबंधक एवं संरक्षक, पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ श्री चन्द्र वीर रमण ने विजेता एवं उपविजेता तथा तीसरे स्थान पर रही टीम को पुरस्कृत किया। प्रतियोगिता में भारतीय रेल की क्षेत्रीय रेलों, उत्पादन इकाईयों एवं रेलवे बोर्ड से पुरुषों की 20 टीमों ने भाग लिया।



इस अवसर पर महाप्रबंधक कहा कि खिलाड़ियों ने पूरे उत्साह के साथ प्रतियोगिता में भाग लिया और पूरी प्रतियोगिता के दौरान खेल भावना का प्रदर्शन किया। इसके लिये आप सभी बधाई के पात्र हैं। खेल भावना के साथ खेली गई इस प्रतियोगिता का गोरखपुर सहित पूर्वांचल के लोगों ने काफी आनन्द लिया। पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ के महासचिव एवं मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री पंकज कुमार सिंह ने महाप्रबंधक सहित वरिष्ठ रेल अधिकारियों, खिलाड़ियों, कोच एवं अन्य अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि खिलाड़ियों ने पूरी प्रतियोगिता के दौरान अनुशासन बनाये रखने के साथ उच्च स्तरीय खेल का प्रदर्शन किया।

63वीं अखिल भारतीय अंतर रेलवे कुश्ती प्रतियोगिता में पश्चिम मध्य रेल के पहलवानों का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

दिनांक 28 अक्टूबर, 2022 से 31 अक्टूबर, 2022 तक नई दिल्ली में आयोजित 63वीं अखिल भारतीय अंतर रेलवे कुश्ती प्रतियोगिता 2022-23 में पश्चिम मध्य रेल के पहलवानों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया।

इस प्रतियोगिता में पमरे के पहलवान श्री राहुल राठी ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। इसी प्रतियोगिता में श्री दीपक उज्जवल को रजत पदक प्राप्त हुआ। इसके साथ ही दो अन्य पहलवानों श्री अमित एवं जयदीप ने एक-एक कांस्य पदक प्राप्त कर पश्चिम मध्य रेल का गौरव बढ़ाया।



पूर्वोत्तर रेलवे में 'खेल सम्मान समारोह' का आयोजन



पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबन्धक एवं पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ (नरसा) के संरक्षक श्री अशोक कुमार मिश्र ने 23 सितम्बर, 2022 को नरसा के तत्त्वावधान में रेलवे प्रेक्षागृह, गोरखपुर में आयोजित 'खेल सम्मान समारोह' में अन्तर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय एवं अन्तर रेलवे स्तर पर विभिन्न खेलों में शानदार प्रदर्शन करने वाले पूर्वोत्तर रेलवे के 80 खिलाड़ियों को प्रमाण-पत्र तथा स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर पूर्वोत्तर रेलवे महिला कल्याण संगठन (नरवो) की अध्यक्षा श्रीमती क्षमा मिश्रा, अन्य सदस्यायें, प्रमुख विभागाध्यक्ष, नरसा के अध्यक्ष श्री योगेश मोहन, महासचिव श्री पंकज कुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी एवं खेलप्रेमी उपस्थित थे। इस अवसर पर महाप्रबन्धक श्री मिश्र ने पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ की खेल पत्रिका 'नरसा' पत्रिका का विमोचन करने के साथ ही नरसा की वेबसाइट nersa.in को भी लॉन्च किया।

रेल कोच फैक्ट्री कपूरथला में साइकिल रैली का आयोजन

रेल कोच फैक्ट्री, कपूरथला में 07 नवंबर, 2022 को भारत की आजादी के 75वें वर्ष के उपलक्ष्य में चलाये जा रहे राष्ट्रव्यापी अभियान 'आजादी का अमृत महोत्सव' के तहत 5 किमी लंबी विशाल साइकिल रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में मुख्य अतिथि के तौर पर आर सी एफ के महाप्रबंधक श्री अशेष अग्रवाल उपस्थित रहे जिन्होंने स्वयं भी इस रैली में भाग लिया। रैली को सुबह 6:55 बजे आर सी एफ ऑफिसर्स क्लब से मुख्य अतिथि ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस रैली में उनके साथ प्रिंसिपल चीफ मैकेनिकल इंजीनियर श्री ब्रज मोहन अग्रवाल, श्री जी. एस. हीरा, प्रधान, रेल डिब्बा कारखाना खेल संघ और पी.एफ.ए. एवं श्री आर.के. वर्मा, एच.जी.एस., रेल डिब्बा कारखाना खेल संघ और सी.वी.ओ., तथा श्री एस.एस.रावत, खेल अधिकारी, और अन्य पी.एच.ओ.डी./एच.ओ.डी., अधिकारियों, कर्मचारियों और खिलाड़ियों ने भाग लिया।



विशेष लेख

ऐतिहासिक मेल ट्रेन की रोचक जानकारी

श्री विमलेश चन्द्र



मेल और एक्सप्रेस रेलगाड़ियां एक जैसी ही होती हैं, लेकिन मेल ट्रेन में डाक ढोने वाला एक कोच भी लगा होता है, जिसमें पोस्ट ऑफिस की डाक सामग्री को ले जाया जाता है। अब कई ट्रेनों में डाक कोच को निकाल दिया गया है, लेकिन उन ट्रेनों का नाम 'मेल' ही है। समय के साथ अब बहुत सारी मेल ट्रेन का नाम 'एक्सप्रेस' रख दिया गया है। स्वाभाविक रूप से अब पोस्ट ऑफिस विभाग भी अपना ज्यादातर सामान सड़क मार्ग से ले जाता है। इस डाक कोच को पोस्ट ऑफिस विभाग किराए पर लेता है। कई लोकल यात्री ट्रेनों में भी डाक विभाग किसी एक जनरल कोच में आधा कोच किराए पर ले लेती हैं और बाकी आधा यात्रियों के लिए रहता है। मेल कोच लाल रंग का होता है और उस पर 'रेल मेल सर्विस (आरएमएस)' लिखा होता है। स्वाभाविक रूप से उसमें डाक विभाग के स्टाफ होते हैं जो अलग-अलग स्टेशन से डाक का थैला कलेक्ट करते हैं और कोच के अंदर डाक की छंटाई भी करते हैं।

ब्रिटिश शासन में भारत में कई तरह की रेलगाड़ियां चलाई जाती थीं, लेकिन उन सब में सबसे प्रसिद्ध थीं मेल रेल गाड़ियां। इनमें से कई रेलगाड़ियां शुरुआत में केवल अंग्रेजों के लिए संचालित होती थीं। बाद में उनमें भारतीय लोगों के लिए भी यात्रा प्रदान करने की अनुमति दे दी गई। भारतीय रेल में कई ऐसी ऐतिहासिक मेल रेलगाड़ियां हैं, जिन्होंने वर्तमान समय में न सिर्फ अपने संचालन के एक सौ से ज्यादा वर्षों को पूरा कर लिया है बल्कि ब्रिटिश शासन के दौरान प्रसिद्ध रेलगाड़ियों में भी शामिल थीं। इनमें से ज्यादातर रेलगाड़ियां 50 से 100 वर्ष से ज्यादा पुरानी हैं। ये रेलगाड़ियां अपने कई परिवर्तन के साथ अभी भी संचालित हो रही हैं। स्वाभाविक रूप से कुछ का नाम और नंबर और रूट और यात्रा मार्ग और कोचों में परिवर्तन हो गया है। साथ ही साथ, कई रेलगाड़ियां बिजली इंजन से भी चलने लगी हैं, लेकिन इनकी प्रसिद्धि और सम्मान अभी भी बना हुआ है। इस लेख में इन्हीं कुछ ट्रेनों के बारे में बताया जा रहा है।

1-मद्रास-बंगलौर मेल (एमजीआर-केएसआर बेंगलुरु मेल)-मद्रास रेलवे ने वर्ष 1864 में मद्रास को बंगलौर कैंट स्टेशन से रेलवे लाइन से जोड़ दिया था और यह रेलगाड़ी उसी समय तत्कालीन मद्रास से बैंगलोर के बीच 01 अगस्त, 1864 को 'बंगलौर मेल' के नाम से शुरू हुई थी जो अभी भी नियमित रूप से चल रही है। वास्तव में यह देश की सबसे पुरानी रेलगाड़ी है। चूंकि यह रेलगाड़ी बहुत प्रसिद्ध रेलगाड़ी नहीं रही है, इसलिए लोगों को इसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। वर्तमान में इसका नंबर 12657/58 है।

2-हावड़ा-कालका मेल (नेता जी एक्सप्रेस)-तत्कालीन ईस्ट इंडियन रेलवे (ईआईआर) ने हावड़ा-कालका मेल की शुरुआत की थी। इस कंपनी द्वारा संचालित यह रेलगाड़ी 01 जनवरी 1866 को तत्कालीन कलकत्ता और दिल्ली के बीच 'ईस्ट इंडियन रेलवे मेल' के नाम से शुरू हुई थी। रेलवे द्वारा यह प्रथम रेलगाड़ी 15 अगस्त, 1845 को हावड़ा से हुगली के बीच (24 मील) चलाई गई थी। दिल्ली में पहली रेलगाड़ी 01अगस्त 1864 को यमुना रेल पुल के पहले तक अस्थायी रूप से बने स्टेशन तक आ गई थी। पुल को बनाने में दो वर्ष से अधिक समय लग गए। फलस्वरूप, वर्ष 1866 के अंत में सीधी रेलगाड़ी हावड़ा से दिल्ली स्टेशन तक आई। यह रेलगाड़ी ईस्ट इंडियन रेलवे की हावड़ा से दिल्ली तक आने वाली प्रथम सीधी रेलगाड़ी हावड़ा-कालका मेल (01 डाउन/02 अप) रेलगाड़ी थी। वर्ष 1891 में हावड़ा-कालका मेल का संचालन दिल्ली से आगे बढ़ाते हुए कालका तक हो गया। ब्रिटिश समय में यह रेलगाड़ी ब्रिटिश अधिकारियों को कलकत्ता से भारत की ग्रीष्मकालीन राजधानी शिमला के लिए कालका तक लाने-ले जाने का काम

करती थी। कालका मेल वर्ष 1891 में कालका से जुड़ गई थी। कई साल बाद वर्ष 1903 में जब कालका से शिमला के लिए नैरोगेज रेल लाइन की शुरुआत हुई। तब इसी नाम और नंबर की एक नैरोगेज ट्रेन कालका से शिमला और शिमला से कालका के बीच चलाई जाती थी। यह नैरोगेज रेलगाड़ी इस हावड़ा-कालका मेल को लिंक करती थी। यह नैरोगेज रेलगाड़ी कालका मेल के कालका में पहुंचने के कुछ देर बाद शुरू होती थी। वर्ष 1990 के दशक में नए ट्रेन नंबरिंग के कारण हावड़ा-कालका मेल का नंबर बदल कर 12311/12312 कर दिया गया। यह एक सुपर-फास्ट रेलगाड़ी है। जो अपनी शुरुआत से लेकर अब तक विभिन्न नामों, मार्गों, ट्रेन संख्या तथा रोलिंग स्टॉक में परिवर्तनों के साथ अनवरत यात्रा जारी रखी है। 23 जनवरी, 2021 को इसका नाम 'नेताजी एक्सप्रेस' कर दिया गया है।

3-पंजाब मेल-पंजाब मेल की शुरुआत 01 जून 1912 को हुई थी। जब यह रेलगाड़ी शुरू हुई थी तब यह रेलगाड़ी तात्कालिक बंबई के रेलवे स्टेशन बैलार्ड पियर मोल से लेकर पेशावर (अब पाकिस्तान) तक जाती थी। यह रेलगाड़ी विशेष रूप से ब्रिटिश अधिकारियों, सिविल सेवकों और उनके परिवारों को बंबई से दिल्ली और उस समय के ब्रिटिश भारत के उत्तर-पश्चिम सीमांत प्रांत तक ले जाने के लिए चलाई गई थी। वर्ष 1914 में इस रेलगाड़ी की शुरुआत का स्टेशन बैलार्ड पियर मोल को बदलकर 'विक्टोरिया टर्मिनस' कर दिया गया। आजादी के बाद इसका गंतव्य भारत-पाक सीमा पर स्थित फिरोजपुर स्टेशन तक कर दिया गया। पंजाब मेल को पहले 'पंजाब लिमिटेड' के नाम से भी जाना जाता था। आजादी से पहले अंग्रेजों के जमाने में यह इटारसी, आगरा, दिल्ली, अमृतसर, लाहौर और पेशावर के बीच कुल 2,496 किमी की यात्रा लगभग 47 घंटे में तय करती थी। शुरुआत में उस समय इस रेलगाड़ी में 06 कोच होते थे, जिसमें यात्रियों के लिए तीन और डाक, माल और मेल के लिए तीन कोच होते थे। उन तीन कोचों में यात्रियों को ढोने की क्षमता केवल 96 यात्रियों की थी। शुरुआत में इस रेलगाड़ी को केवल अंग्रेज साहबों के लिए चलाया गया था, लेकिन वर्ष 1930 से इसमें आम जनता के लिए भी थर्ड क्लास के डिब्बे भी लगाए जाने लगे और इसे आम जनता के लिए खोल दिया गया। आजादी से दो साल पहले वर्ष 1945 में पहली बार पंजाब मेल में वातानुकूलित कोचों को लगाया गया। वर्ष 1947 में स्वतंत्रता के बाद से यह ट्रेन मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (पूर्व नाम विक्टोरिया टर्मिनस) से पंजाब के फिरोजपुर कैंट के बीच चल रही है। इस रेलगाड़ी का नंबर 12137/38 है।

4-गोल्डन टेम्पल मेल (फ्रंटियर मेल)-पश्चिम रेलवे में जो सबसे पुरानी और सबसे प्रसिद्ध रेलगाड़ी चल रही है। वह है 'फ्रंटियर मेल' या 'गोल्डन टेम्पल मेल', जो आज भी सफलता पूर्वक अपने नए रूप-रंग में चल रही है, बल्कि अभी 01 सितम्बर, 2022 को अपने सफल परिचालन के 94 वर्ष पूर्ण कर चुकी है। फ्रंटियर मेल की शुरुआत 01 सितम्बर, 1928 को हुई थी, जो मुंबई के उस समय के रेलवे स्टेशन कोलाबा से और अविभाजित भारत के उत्तर-पश्चिम सीमा प्रांत के पेशावर (अब पाकिस्तान) के बीच चलती थी। इसे तत्कालीन BB&CIR रेलवे द्वारा चलाया गया था। यह ट्रेन ब्रिटेन से मुंबई बन्दरगाह पर जहाज से आए ब्रिटिश यात्रियों को तथा ब्रिटेन से आई डाक (मेल) को दिल्ली तथा उसके आगे पेशावर तक ले जाने के उद्देश्य से चलाई गई थी। जोकि दिल्ली, पंजाब, लाहौर तथा रावलपिंडी होते हुए पेशावर तक जाती थी। भारत के विभाजन होने तथा पाकिस्तान के बनने पर यह रेलगाड़ी वर्ष 1947 से अमृतसर तक चलने लगी। शुरुआत के कई वर्षों तक यह रेलगाड़ी सितम्बर से दिसम्बर माह में ठंड के समय मुंबई के बैलार्ड पियर बंदरगाह, जिसे 'मोल स्टेशन' के नाम से जाना जाता था, से चलती थी। जब यह फ्रंटियर मेल रेलगाड़ी बेलार्ड पियर मोल स्टेशन से आती थी, तब यह पहले ग्रेट इंडियन पेनिनसुला रेलवे अर्थात् GIPR का तथा इसके बाद मुंबई पोर्ट ट्रस्ट का और फिर BB&CIR के रेलवे मार्ग का उपयोग करती थी। फ्रंटियर मेल को एक रेलगाड़ी से भी बढ़ कर 'गौरव का प्रतीक' तथा 'एक अद्भुत गति वाली रेलगाड़ी' के रूप में जाना जाता था, जो देश के एक सिरे से दूसरे सिरे को मथुरा, दिल्ली तथा पंजाब होते हुए उत्तर-पश्चिम सीमा प्रांत के शहर पेशावर से जोड़ती थी। इसका समय पालन इतना सही था कि कहा जाता था कि उस समय की रॉलेक्स घड़ियों का समय गलत हो सकता था, किन्तु फ्रंटियर मेल के आने-जाने का समय गलत नहीं होने पाता था तथा लोग इसके आगमन और प्रस्थान से अपनी घड़ियों का समय मिलाया करते थे। इस रेलगाड़ी में अधिकतर भारतीय पुलिस सेवा, भारतीय विदेश सेवा तथा भारतीय शिक्षा सेवा जैसे अधिकारियों, जिनकी पोस्टिंग फ्रंटियर लाइन में होती थी, को लाने ले जाने का कार्य करती थी। वर्ष 1930 से लेकर वर्ष 1940 तक फ्रंटियर मेल में कुल 6 डिब्बे लगते थे, जिनमें एक रेस्टोरेंट कार या डायनिंग कार भी शामिल था। इस रेलगाड़ी में 450 यात्री यात्रा कर सकते थे। फ्रंटियर मेल भारत की ऐसी पहली रेलगाड़ी है, जिसमें वर्ष 1934 में सर्वप्रथम वातानुकूलित कोच लगाया गया था। शुरुआत के समय जब यह कोलाबा या बैलार्ड पियर मोल स्टेशन से चलती थी, तब इसमें एच क्लास 4-6-0 का भाप इंजन लगता था। फिर वर्ष 1970 में इसमें डीजल इंजन लगाया जाना शुरू हुआ था। वर्ष 1974 में विरार से बड़ौदा (वडोदरा) तक का तथा वर्ष 1987 में बड़ौदा से मथुरा तक रेलमार्ग का विद्युतीकरण हो जाने पर इसमें बिजली



इंजन चलाया जाने लगा। कोलबा में रेलवे आवासीय भवन बनाने के उद्देश्य से कोलाबा रेलवे स्टेशन को 31 दिसंबर, 1930 को हमेशा के लिए बंद कर दिया गया। इस टर्मिनल स्टेशन के बंद हो जाने से तथा मुंबई सेंट्रल स्टेशन के नए टर्मिनल स्टेशन के रूप में शुरू हो जाने से फ्रंटियर मेल तथा अन्य रेलगाड़ियों को मुंबई सेंट्रल से चलाया जाने लगा। तब से अब तक फ्रंटियर मेल यहीं से अर्थात् मुंबई सेंट्रल से चल रही है। वर्ष 1996 में इस रेलगाड़ी का नाम 'फ्रंटियर मेल' से बदल कर अमृतसर में सिखों के पवित्र धर्म स्थल 'स्वर्ण मंदिर' के नाम पर 'गोल्डन टेम्पल मेल' कर दिया गया।

5-मुंबई-हावड़ा कोलकाता मेल-यह रेल ट्रेन 07 मार्च 1870 से अब तक चल रही है। बाद में इसके रेल मार्ग को बदल दिया गया था जब 26 जनवरी, 1876 को वाया जबलपुर तथा इलाहाबाद होते हुए रेल लाइन को जोड़ा गया था। उस समय इस रेलगाड़ी को 'इम्पीरियल इंडियन मेल' रेलगाड़ी के नाम से चलाया गया था। वर्तमान में इसका नंबर 12321/ 12322 है।

6-हावड़ा-मुम्बई मेल-यह भारतीय रेल की एक पुरानी रेलगाड़ी है, जो 25 सितम्बर, 1893 को शुरू हुई थी। यह रेलगाड़ी हावड़ा से मुंबई (सीएसएमटी) के बीच चलती है। यह भारत के सबसे पुराने रूट पर चलने वाली ट्रेन में से एक है। यह देश के 2 महत्त्वपूर्ण जगहों को जोड़ती है। इस रेलगाड़ी का नंबर 12809/12810 है।

7-मैंगलोर मेल-यह रेलगाड़ी MGR चेन्नई और मंगलुरु शहर के बीच संचालित होती है तथा भारतीय रेल द्वारा संचालित सबसे पुरानी ट्रेनों में से एक है। पहले यह मद्रास के रोयापुरम से कोझीकोड (कालीकट) तक चलती थी। जब यह लाइन मैंगलोर तक बढ़ाई गई, तब से यह रोयापुरम से मैंगलोर सेंट्रल तक गई। जब मद्रास सेंट्रल अस्तित्व में आया तो इसका टर्मिनल बदलकर रोयापुरम से 'मद्रास सेंट्रल' कर दिया गया था। 1 जुलाई, 1867 को 'मैंगलोर-मद्रास मालाबार एक्सप्रेस' के नाम से चलाया गया था, जिसकी ट्रेन संख्या 1/2 थी। इसे वर्ष 1987 से मैंगलोर-चेन्नई



मेल के नाम से चलाया जा रहा है। वर्तमान में इस ट्रेन की संख्या 12601/12602 है।

8-मुंबई-चेन्नई मेल-यह रेलगाड़ी मुंबई छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-चेन्नई एग्मोर के बीच चलती है। इसकी शुरुआत 15 मार्च, 1871 को हुई थी। वर्तमान में इसकी संख्या 22157/22158 है। यह महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु राज्यों से होकर जाती है।

9-गुजरात मेल-गुजरात मेल, भारतीय रेल की एक पुरानी सुपरफास्ट ट्रेन है जो मुंबई सेंट्रल और अहमदाबाद के बीच चलती थी लेकिन अब दादर तक चलती है। यह भारतीय रेल की पहली ऐसी रेलगाड़ी है जिसमें मिक्स कोचों के साथ सबसे ज्यादा।C कोच लगते थे। मतलब सामान्य कोच और स्लीपर कोच के अलावा 12AC कोच लगते थे। फिलहाल इसमें अब केवल 9 एसी कोच लगते हैं। इसकी शुरुआत 18 जनवरी, 1870 को हुई थी। वर्तमान में इस ट्रेन की संख्या 12901/12902 है।

10-दार्जिलिंग मेल-दार्जिलिंग मेल भारत की पुरानी चलने वाली मेल ट्रेनों में से एक है। यह स्वतंत्रता के पूर्व दिनों से चल रही है और अभी भी संचालन में है। यह सिलीगुड़ी में न्यू जलपाईगुड़ी में दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे से जुड़ती है। यह कोलकाता-सिलीगुड़ी मार्ग के लिए एक प्रमुख ट्रेन है। इसकी शुरुआत 1 जनवरी, 1878 को हुई थी। काफी समय पहले कोलकाता और सिलीगुड़ी को जोड़ने के लिए पश्चिम बंगाल या बिहार में गंगा पर कोई पुल नहीं था। साथ ही साथ अलग-अलग सेक्शंस में तीनों तरह के गेज भी संचालित थे। इसलिए दार्जिलिंग मेल अलग-अलग समय पर कई मार्गों पर चलती रही। वर्तमान में इस ट्रेन की संख्या 12343/ 12344 है।

11-हावड़ा-एमजीआर चेन्नई मेल-हावड़ा-चेन्नई मेल हावड़ा जंक्शन और एमजीआर चेन्नई को जोड़ने वाली यह मेल ट्रेन है। यह भारत के तीन महानगरों- कोलकाता, चेन्नई और विशाखापत्तनम को जोड़ती है। यह 15 अगस्त, 1900 को शुरू हुई थी। इसे पहले WP श्रेणी के इंजनों सहित भाप इंजनों द्वारा, फिर डीजल द्वारा और अब इलेक्ट्रिक इंजनों द्वारा चलाया जाता है। यह वर्ष 1964/65 में दक्षिण पूर्व रेलवे पर डीजल से चलने वाली पहली यात्री ट्रेन थी। वर्तमान में इसकी ट्रेन संख्या 12839/12840 है।

12-मुंबई सेंट्रल-ओखा सौराष्ट्र मेल-मुंबई सेंट्रल-ओखा सौराष्ट्र मेल, पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल और ओखा के बीच चलती है। यह मुंबई सेंट्रल से ओखा के बीच महाराष्ट्र और गुजरात राज्य से होकर जाती है। यह ट्रेन 1 अक्टूबर, 1925 को शुरू हुई थी और इसका नाम 'काठियावाड़ एक्सप्रेस' रखा गया था। बाद में इसका नाम बदलकर 'सौराष्ट्र मेल' कर दिया गया। वर्तमान में इस ट्रेन की संख्या 22945/22946 है।

अन्य मेल गाड़ियां-अभी प्रकाशित नई रेलवे समय सारणी (अक्तूबर 2022-सितम्बर 2023) के अनुसार कुल मिलाकर कह सकते हैं कि अभी जो मेल ट्रेनें हैं, उनके नाम इस प्रकार हैं-भुसावल-पुणे मेल (11025/26), लखनऊ-नई दिल्ली मेल (12229/30), एमजीआर-तिरुवनंतपुरम मेल (12623/24), हावड़ा-अमृतसर मेल (13005/06), जम्मू मेल दिल्ली-वैष्णो देवी कटरा मेल (14034/34), कालका शिमला मेल (52453/54), ब्रह्मपुत्र मेल (15658/57), ग्वालियर मेल (11124/25)आदि।

विशेष लेख

भारतीय रेल हेतु ऑटोमेटिक फेज स्विचिंग सेक्शन का विकास

डॉ. आशीष अग्रवाल
कार्यकारी निदेशक, प्रशासन आरडीएसओ, लखनऊ

सारांश: 40-45 किमी के नियमित अंतराल पर न्यूट्रल सेक्शन की उपस्थिति तथा लोकोमोटिव सर्किट ब्रेकर के चालू और बंद होने से ट्रैक्शन की हानि के कारण न्यूट्रल सेक्शनों पर चलने के समय के नुकसान के अलावा मार्ग में चालक दल पर दबाव पैदा हो रहा था। यह समस्या उच्च गति पर अधिक थी क्योंकि इन्हें गति में और वृद्धि के साथ कम अंतराल पर दोहराया जाना था। एपीएसएस प्रणाली के प्रवेश के साथ जिसमें चालक दल की ओर से किसी भी मानवीय कार्रवाई की आवश्यकता नहीं होती है, इससे चालक दल का ध्यान अनावश्यक गतिविधियों से सुरक्षा और समयबद्धता की ओर हटेगा।

परिचय

सभी रेलों में इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन विश्वस्तर पर परिवहन का सबसे अधिक लागत प्रभावी, कुशल और पर्यावरण अनुकूल टिकाऊ साधन साबित हुआ है। दुनिया भर में उपयोग किए जा रहे अधिकांश इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन नेटवर्क में सिंगल फेज 25 केवी इलेक्ट्रिक ट्रेक्शन पॉवर का उपयोग किया जाता है। ट्रैक्शन लाइनों के ओवरहैड नेटवर्क को बिजली देने के लिए, रेलवे ट्रैक्शन सब-स्टेशन (टीएसएस) का उपयोग किया जाता है जो रेलवे ट्रैक्शन हेतु ओवर हैड ट्रैक्शन लाइनों में 25 केवी सिंगल फेज की आपूर्ति करते हैं। चूंकि ये रेलवे ट्रैक्शन सब-स्टेशन केवल आपूर्ति ग्रिड के दो चरणों से एकल चरण बिजली आपूर्ति प्राप्त करते हैं, यह आपूर्ति नेटवर्क में चरण असंतुलन पैदा करता है जिससे हार्मोनिक्स उत्पन्न होता है। इसलिए इन रेलवे ट्रैक्शन सब-स्टेशनों को चरण अनुक्रम के चक्रीय क्रम में फीड करना युक्तिसंगत पाया गया ताकि आपूर्ति ग्रिड पर समग्र ट्रैक्शन लोड को यथासंभव संतुलित किया जा सके।

टीएसएस में विभिन्न चरणों में विद्युत आपूर्ति हेतु किए गए प्रावधान के साथ, एक ट्रैक्शन सब-स्टेशन की विद्युत आपूर्ति को दूसरे से अलग करना अपरिहार्य हो गया है। रेलवे ट्रैक्शन सब-स्टेशन अखंडता को अक्षुण्ण बनाए रखने हेतु भी यह आवश्यक था। यह दो ट्रैक्शन सब-स्टेशन विद्युत आपूर्ति के बीच न्यूट्रल सेक्शन के प्रावधान द्वारा प्राप्त किया जाता है। ये न्यूट्रल सेक्शन सेक्शनिंग और पैरेललिंग पोस्ट (एसपी) पर उपलब्ध कराए जाते हैं जहां एक टीएसएस आपूर्ति विफल होने की स्थिति में फील्ड एक्सटेंशन या पैरेललिंग हेतु अतिरिक्त स्विचिंग इंटरप्टर्स (ट्रिप मैकेनिज्म रहित सर्किट ब्रेकर) उपलब्ध कराए जाते हैं। एक डबल लाइन सेक्शन के लिए एक विशिष्ट एसपी चार इंटरप्टर्स जितना अच्छा होता है।

सिरेमिक सामग्री में तकनीकी उन्नयन के साथ अब यह संभव हो गया है कि पांच मीटर से कम लंबाई का एक तटस्थ खंड प्रदान किया जाए। जबकि रेल इंजन एक टीएसएस की विद्युत आपूर्ति से आगे बढ़ता है और अगले टीएसएस की विद्युत आपूर्ति के क्षेत्र में प्रवेश करता है, फ्लैशओवर से बचने के लिए नए टीएसएस की विद्युत आपूर्ति में प्रवेश करने से पहले लोकोमोटिव करेंट के अचानक टूटने के कारण रेल इंजन की विद्युत आपूर्ति को बंद करना आवश्यक है। इस प्रकार सभी कर्षण भार तटस्थ खंड में प्रवेश करने से ठीक पहले बंद हो जाते हैं और नई टीएसएस आपूर्ति में प्रवेश करने के बाद चालू हो जाते हैं। मार्गस्थ रेल इंजन के सर्किट ब्रेकरों को स्विच ऑफ और स्विच ऑन करने के लिए चालक दल को सचेत करने हेतु तटस्थ खंडों के ठीक पहले और ठीक बाद कॉशन बोर्ड प्रदान किए जाते हैं। मार्ग में तटस्थ खंडों पर बातचीत करते समय सभी चालक दल को अपने लोकोमोटिव सर्किट ब्रेकरों को स्विच ऑफ और स्विच ऑन करने के लिए कठिन प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

इतना ही नहीं, 25 केवी एसी सिस्टम की कर्षण विद्युत आपूर्ति को भी आइसोलेशन की दृष्टि से हाथ से संचालित आइसोलेटर्स द्वारा कई छोटे-छोटे हिस्सों में बांट दिया जाता है जिन्हें एलीमेंट्री सेक्शन कहा जाता है। कई एलीमेंट्री सेक्शनों को एक बड़े सेक्शन में समूहीकृत किया जाता है जो उप-सेक्शन और एसएसपी पर प्रदान किए गए मोटरयुक्त आइसोलेटर्स के माध्यम से दोनों तरफ अन्य उप-क्षेत्रों से जुड़ा होता है। इन कर्षण संस्थापन स्टेशनों को समानांतर की अतिरिक्त सुविधा भी प्रदान की जाती है। इस प्रकार एक विशिष्ट दो लाइन सेक्शनों में स्विचिंग ऑपरेशन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तीन स्विचिंग इंटरप्टर्स जितने अच्छे होते हैं। टीएसएस, एसएसपी और एसपी में प्रदान किए गए सभी आवश्यक सर्किट ब्रेकर और इंटरप्टर्स दूर से एससीएडीए के माध्यम से संचालित होते हैं और ट्रैक्शन पावर कंट्रोलर (टीपीसी) के नियंत्रण में होते हैं, जो 24 घंटे कर्षण विद्युत आपूर्ति के क्षेत्रीय संचालन और नियंत्रण के लिए जिम्मेदार हैं।

25 केवी रेलवे कर्षण उप स्टेशनों को आम तौर पर दो लाइन सेक्शन हेतु 40-45 किमी. की दूरी पर पारंपरिक रूप से स्थान दिया जाता है। यह दूरी यातायात घनत्व, कर्षण भार का मिश्रण, रेलगाड़ियों के चलने का पैटर्न, सेक्शनल वक्र और ढाल, सिगनल, भविष्य की योजना आदि पर निर्भर होती है। सेक्शनल स्पीड में अधिक वृद्धि और 150-160 किमी./घंटा की उच्च गति के ट्रांजिशन के साथ, ये स्विचिंग ऑफ और स्विचिंग ऑन 15-20 मिनट के अंतराल पर होने की संभावना है। चालक दल को लोकोमोटिव सर्किट ब्रेकर को बंद करने और चालू करने के नीरस यांत्रिक

कार्य के अलावा, यह ट्रेन संचालन की सुरक्षा को और खतरे में डाल सकता है क्योंकि उनके पास रेलगाड़ी चलने के दौरान असामान्य घटनाओं का निरीक्षण करने और तदनुसार प्रतिक्रिया करने हेतु कम समय होगा। इसके अलावा, चल रहे लोकोमोटिव के सर्किट ब्रेकर को बंद करने से लोकोमोटिव को कॉस्टिंग मोड में डाल देता है तथा एक्सीलिरेशन शून्य हो जाता है जिससे गति कम हो जाती है और समय की हानि होती है। इसलिए टीएसएस फीड की इतनी कम लंबाई का प्रावधान कम से कम हाई स्पीड इलेक्ट्रिक ट्रेन संचालन के लिए एक बाधा था।

आरडीएसओ के कर्षण संस्थापन निदेशालय ने उच्च गति संचालन हेतु इसे महसूस किया है और अन्य देशों में अपनाई जा रही प्रथाओं का अध्ययन किया और पाया कि निकटवर्ती कर्षण उप-स्टेशनों की विद्युत आपूर्ति के इंटेलिजेंट स्विचिंग से लोकोमोटिव सर्किट ब्रेकरों को बंद करने और चालू करने की आवश्यकता दूर हो सकती है। भारतीय परिस्थितियों के गहन विश्लेषण और भारत में इलेक्ट्रिक ट्रेनों के चलने के बाद और नई प्रणाली की प्रभावशीलता की लागत को देखते हुए, कर्षण संस्थापन निदेशालय ने रेलवे बोर्ड के मार्गदर्शन और निर्देशन में मार्ग में विद्युत आपूर्ति की ट्रांजिशनल आवश्यकता को पूरा करने हेतु निकटवर्ती कर्षण उप-स्टेशन विद्युत आपूर्ति का प्रोग्राम फेज ऑटोमटेड स्विचिंग को आरंभ करने के लिए एक मॉडल विकसित किया।

योजना के व्यवहार्यता विश्लेषण के बाद, उत्तर रेलवे के दिल्ली डिवीजन में असौदह टीएसएस में एक पायलट परियोजना लागू की गई। इस पायलट प्रोजेक्ट के निष्कर्षों का आरडीएसओ टीम द्वारा अध्ययन और विश्लेषण किया गया और प्रारंभिक योजना में कई बदलाव किए गए। इस सेक्शन पर चालक दल को निर्देश दिया गया कि इस सेक्शन में सामान्य ट्रेन संचालन सुनिश्चित करने के लिए इस प्रणाली की खराबी का ध्यान रखा जाए। कुछ समस्याओं के कुछ दिनों के बाद सिस्टम स्थिर हो गया जिससे उद्देश्य की पूर्ति हुई। यह पाया गया है कि लोकोमोटिव के सर्किट ब्रेकर में कोई रुकावट नहीं हुई और न्यूट्रल सेक्शन से गुजरते समय लोकोमोटिव के सभी कर्षण के साथ-साथ सहायक उपकरण का सामान्य संचालन जारी रहा। इस प्रणाली की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि इसने इस योजना के विकास में सभी स्वदेशी संसाधनों का उपयोग किया।

संरचना

इस एपीएसएस के लिए तीन वैक्यूम सर्किट ब्रेकर (वीसीबी), पोटेंशियल ट्रांसफॉर्मर (पीटी) और करेंट ट्रांसफॉर्मर (सीटी) की आवश्यकता होती है। इन सभी उपकरणों को टीएसएस के स्विच यार्ड में रखा गया है। इस योजना का सबसे खास पहलू 3 इंसुलेटेड ओवर लैप्स (आईओएल) का निर्माण है। इन आईओएल की मानक लंबाई लगभग 700 मीटर है। इस योजना के लिए एक न्यूमेरिकल लॉजिक कंट्रोल रिले (एनएलसीआर) की भी आवश्यकता होती है जो इस योजना का केंद्र है। एनएलसीआर सीटी की धाराओं को भांप लेता है और कुछ लॉजिक्स के आधार पर वीसीबी के संचालन को क्रियान्वित करता है। फीडर तारों को संबंधित ओवरलैप से स्विच यार्ड में रखे संबंधित वीसीबी तक चलाने की आवश्यकता होती है। शिकांसेन/जापान में इसी तरह की व्यवस्था का उपयोग किया जाता है, हालांकि ओवरलैप का स्विचिंग केवल ट्रैक सर्किटिंग के माध्यम से किया जाता है। यद्यपि इस योजना पर प्रारंभिक लागत लगभग 80-90 लाख अनुमानित है, यदि बड़े पैमाने पर निर्माण शुरू किया जाता है, तो इस एपीएसएस की लागत में और कमी आ सकती है।

ऑटोमैटिक फेज स्विचिंग सेक्शन (एपीएसएस) की कार्य अवधारणा

अवधारणा टीएसएस/एसपी में निर्मित तीन आईओएल के तेजी से स्वचालित स्विचिंग पर आधारित है। तीन आईओएल में से प्रत्येक में करेंट सेंसिंग के साथ सर्किट ब्रेकर प्रदान किए गए हैं। न्यूट्रल सेक्शन में लोकोमोटिव के पेंटोग्राफ के प्रवेश से पहले, सर्किट ब्रेकर सीबी-1 और सीबी-3 बंद स्थिति में हैं और सीबी-2 बंद/खुली स्थिति में हैं। इस प्रकार मध्य आईओएल दोनों निकटवर्ती टीएसएस की विद्युत आपूर्ति को अलग करता है।



पुर्जे (कंपोनेंट)	सीटी1	सीटी2	सीटी3	सीबी1	सीबी2	सीबी3
स्थिति	0	0	0	1	0	1

जब लोकोमोटिव पहले ओवरलैप में प्रवेश करता है, तो पहले आईओएल, सीटी-1 में करेंट सेंसिंग डिवाइस करेंट को भांप लेता है, जो लोकोमोटिव पैंटोग्राफ-पैन द्वारा आईओएल-1 के ब्रिजिंग के कारण वर्तमान प्रवाह हेतु दूसरे रास्ते की उपलब्धता के कारण शुरू होता है। सीटी-1 जिसमें अब तक कोई करेंट नहीं था, इस करेंट को भांप लेता है और एनसीएलआर ओपन कमांड सीबी-3 को भेजता है। परिणामस्वरूप आईओएल 2-आईओएल 3 के बीच का ओएचई भाग अनावेशित हो जाता है।



पुर्जे (कंपोनेंट)	सीटी1	सीटी2	सीटी3	सीबी1	सीबी2	सीबी3
स्थिति	1	0	0	1	0	1→0

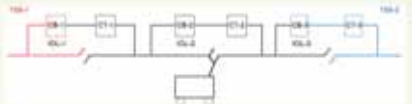
एनसीएलआर अब सीबी-3 की खुली स्थिति की पुष्टि करता है व पुष्टि होने पर सीबी-2 को क्लोज कमांड भेजता है। सीबी-2 को चालू करने से पिछले टीएसएस का क्षेत्र अब आईओएल-3 तक बढ़ा दिया गया है।

लोकोमोटिव के आईओएल-2 पर पहुंचने तक यह स्थिति बनी रहती है।



पुर्जे (कंपोनेंट)	सीटी1	सीटी2	सीटी3	सीबी1	सीबी2	सीबी3
स्थिति	1	0	0	1	1	0

जैसे ही लोकोमोटिव आईओएल-2 में प्रवेश करता है और लोकोमोटिव का पैंटोग्राफ पैन आईओएल-2 से संपर्क करता है, लूप में सीटी-2 फिर से प्रवाहित धारा को भांप लेता है। एनसीएलआर अब सीबी-1 को स्विच ऑफ कमांड भेजता है और आईओएल-1 से आईओएल-3 के बीच का पूरा ओएचई बिना चार्ज के हो जाता है।



पुर्जे (कंपोनेंट)	सीटी1	सीटी2	सीटी3	सीबी1	सीबी2	सीबी3
स्थिति	1	1	0	1→0	1	0

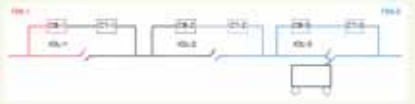
एनसीएलआर तब सीबी-1 की खुली स्थिति की पुष्टि करता है और पुष्टि होने पर सीबी-3 को क्लोज कमांड भेजता है। सीबी-3 को बंद करने के बाद, अगले टीएसएस की फीड को आईओएल-1 तक बढ़ा दिया जाता है। लोकोमोटिव द्वारा देखे गए नो टेंशन (नो ओएचई सप्लाई) के अवलोकन समय अंतराल की तुलना में ओएचई आपूर्ति में रुकावट बहुत कम (≤300उे) है। इस प्रकार लोकोमोटिव के ओएचई में नो टेंशन भांपने से पहले ही आपूर्ति फिर से शुरू हो जाती है। इसके परिणामस्वरूप सीटी-1 में करेंट का स्विच ओवर जीरो हो जाता है। जैसे ही लोकोमोटिव आगे बढ़ता है और आईओएल-2 को पार करता है, सीटी-2 के माध्यम से प्रवाहित होने वाली धारा भी शून्य हो जाती है, जबकि सीटी-3 के माध्यम से करेंट सीबी-3 के बंद होने के परिणामस्वरूप बनती है।



पुर्जे (कंपोनेंट)	सीटी1	सीटी2	सीटी3	सीबी1	सीबी2	सीबी3
स्थिति	0	0	0→1	0	1	0→1
	0	0	1	0	1	1

लोकोमोटिव के आईओएल-3 पर पहुंचने तक तक यह स्थिति बनी रहती है।

जैसे ही लोकोमोटिव पैंटोग्राफ आईओएल-3 पर पहुंचता है और इसका पैंटोग्राफ आईओएल-3 के ऊपर से गुजरता है, लूप के टूटने के परिणामस्वरूप सीटी-3 के माध्यम से करेंट शून्य हो जाता है। इस करेंट को भांपते हुए एनसीएलआर तुरंत ओपन कमांड सीबी-2 भेजता है।



पुर्जे (कंपोनेंट)	सीटी1	सीटी2	सीटी3	सीबी1	सीबी2	सीबी3
स्थिति	0	0	1 0	0	1	1
	0	0	0	0	1 0	1

एनसीएलआर रिले सीबी-2 की खुली स्थिति की पुष्टि करता है और फिर सीबी-1 को क्लोज कमांड भेजता है। जैसे ही सीबी-1 बंद होता है, लोकोमोटिव के न्यूट्रल सेक्शन से गुजरने के बाद ओएचई अपनी प्रारंभिक स्थिति को फिर से शुरू कर देता है।



पुर्जे (कंपोनेंट)	सीटी1	सीटी2	सीटी3	सीबी1	सीबी2	सीबी3
स्थिति	0	0	0	0 1	0	1
	0	0	0	0	0	1

न्यूमेरिकल कंट्रोल लॉजिक रिले

जैसा कि चर्चा की गई है कि एनसीएलआर इस एपीएसएस का हृदय है। एनसीएलआर प्रत्येक आईओएल में लूप में प्रदान की गई सीटी के माध्यम से बहने वाले करेंट को महसूस करता है। इस प्रकार यह रेल इंजन पर आगमन का पता लगाता है और तीन इंसुलेटेड ओवर लैप्स (आईओएल) में प्रदान किए गए तीन वेक्यूम सर्किट ब्रेकरों के स्वचालित अनुक्रमण के माध्यम से पिछले ट्रैक्शन सब-स्टेशन से ट्रैक्शन पावर सप्लाई को अगले ट्रैक्शन सब-स्टेशन में बदल देता है। एनसीएलआर तीन सीटी, सीटी-1, सीटी-2 और सीटी-3 के माध्यम से प्रवाहित करेंट को महसूस करता है और फिर कुछ तर्कों के आधार पर सभी तीन सर्किट ब्रेकरों सीबी-1, सीबी-2 और सीबी-3 को पूर्व निर्धारित क्लोज या कमांड भेजता है। यह इस एपीएसएस के विभिन्न घटकों के सुरक्षित और विश्वसनीय संचालन के लिए आसन्न सर्किट ब्रेकरों की स्थिति की पुष्टि भी करता है। इस प्रकार कुछ पूर्व-निर्धारित तर्क स्थितियों का जवाब देते हुए, एनसीएलआर रेल इंजन को किसी भी प्रकार के मैनुअल हस्तक्षेप के बिना तटस्थ खंड से गुजरने की अनुमति देने के लिए विभिन्न कर्षण सबस्टेशन आपूर्ति के स्वतः परिवर्तन को क्रियान्वित करता है।

सर्किट ब्रेकर

इसमें सर्किट ब्रेकरों के हाई ड्यूटी साइकिल की आवश्यकता होती है क्योंकि प्रत्येक सर्किट ब्रेकर को एक रेलइंजन के गुजरने के दौरान एक पूर्ण साइकिल अर्थात् ओपन-क्लोज-ओपन अथवा क्लोज-ओपन-क्लोज से गुजरना पड़ता है। उच्च यातायात घनत्व वाले मार्गों हेतु हाई ड्यूटी साइकिल वाले सर्किट ब्रेकर प्रारंभिक प्रतिस्थापन/रीकंडीशनिंग से बचने के लिए बेहतर होंगे।

परिणाम एवं निष्कर्ष

परिणाम अवधारणा के अनुरूप पाए गए हैं और योजना के लिए बहुत उत्साहजनक और प्रेरक पाए गए हैं। इसने योजना की व्यवहार्यता का निष्कर्ष निकाला और क्षेत्रीय परीक्षण में योजना सफलतापूर्वक सिद्ध हुई।

रोडमैप

परिणामस्वरूप आरडीएसओ ने न्यूमेरिकल कंट्रोल लॉजिक कंट्रोल रिले और 2 लाख प्रचालनों के ड्यूटी साइकिल के वीसीबी हेतु विशिष्टि विकसित कर ली है। पता चला है कि वेंडरों ने एनसीएलआर और वीसीबीएस के लिए आवेदन किया है। वेंडर आवेदन प्रक्रियाधीन हैं।

कार्यक्षेत्र

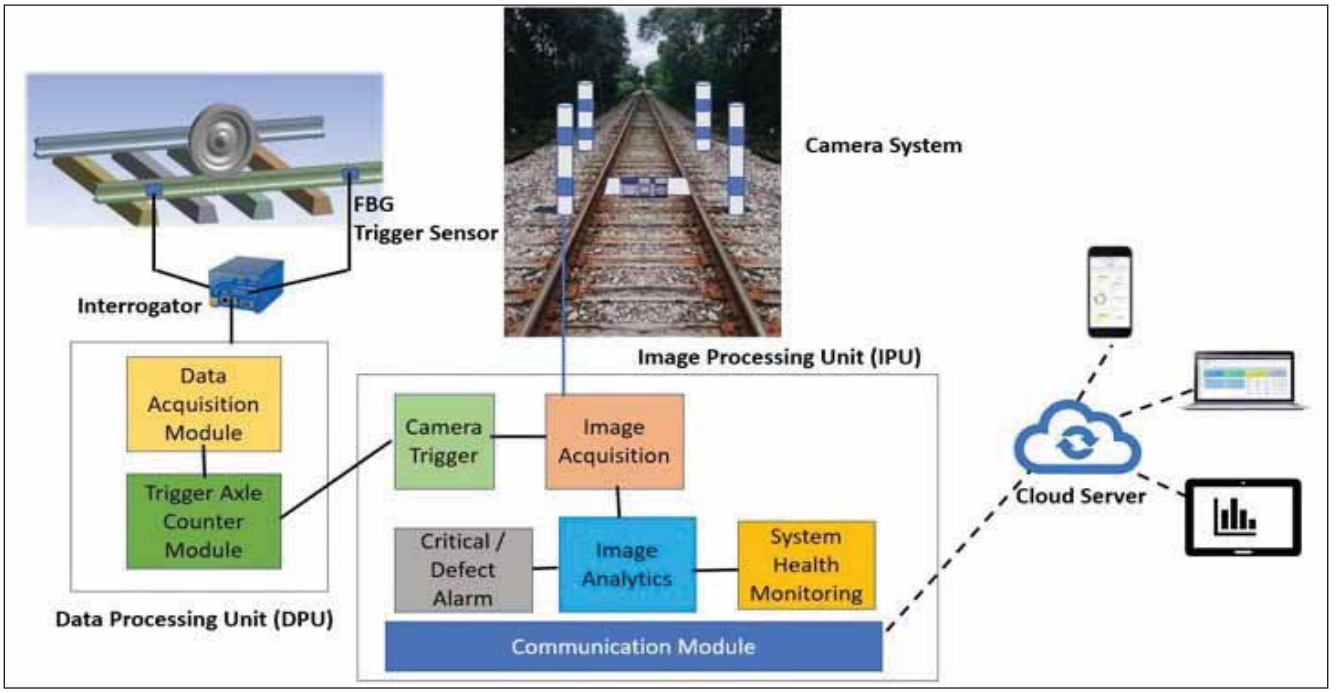
वर्षों से प्राप्त अनुभव के साथ-साथ सिरेमिक इंजीनियरी में तकनीकी प्रगति के आधार पर, हम तटस्थ खंड की लंबाई को पांच मीटर से कम करने में सफल रहे हैं। तटस्थ खंड की इस छोटी लंबाई के साथ, तटस्थ खंड में रेल इंजन के फंसने की समस्या काफी हद तक कम हो गई है। फिर भी, लोकोमोटिव सर्किट ब्रेकर को बंद करने और चालू करने की आवश्यकता अभी भी गति के साथ सेक्शनल रनिंग समय पर कुछ सीमा लगाती है। दो निकटवर्ती टीएसएस के बीच 40-45 किमी की वर्तमान दूरी उच्च गति संचालन पर एक बड़ी सीमा लगा रही थी। 15-20 मिनट के नियमित अंतराल पर तीन से पांच मिनट बर्बाद करने के मामले में ही नहीं, बल्कि सुरक्षा को भी खतरा था। 15-20 मिनट के नियमित अंतराल पर लोकोमोटिव सर्किट ब्रेकर को बंद करने ओर चालू करने के वर्तमान कार्यभार के कारण चालक दल को ध्यान केंद्रित करने और रेलगाड़ी के सुरक्षित संचालन पर ध्यान केंद्रित करने की अनुमति नहीं मिलती है। प्रस्तावित एपीएसएस जैसा कि ऊपर विस्तार से बताया गया है, ने समय की हानि और सुरक्षित रेलगाड़ी संचालन को काफी हद तक संबोधित किया है।

यह भी अपेक्षा की जाती है कि भारतीय रेल में इस एपीएसएस के अधिक से अधिक प्रयोग से प्रणाली की विश्वसनीयता और सुरक्षित रेलगाड़ी संचालन, प्रभावी एवं कुशल तरीके से हासिल किया जा सकता है।

विशेष लेख

डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर पर रोलिंग स्टॉक के लिए मशीन विजन इंस्पेक्शन सिस्टम का विकास

श्री राजीव रौशन
प्रबंधक, (यांत्रिक) डीएफसी



प्रस्तावना: मशीन विजन इंस्पेक्शन सिस्टम (एमवीआईएस) एक यंत्र चालित निरीक्षण प्रणाली है जिसमें रोलिंग स्टॉक की खराबियों के उच्च रिजॉल्यूशन चित्रों को कैप्चर करने और उनका विश्लेषण करने के लिए हाई-स्पीड, हाई-डेफिनिशन कैमरे, सर्वर और उन्नत सॉफ्टवेयर शामिल होते हैं। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)/मशीन लर्निंग (एमएल) एल्गोरिदम का उपयोग करके कैप्चर किए हुए डेटा का विश्लेषण किया जाता है एवम रोलिंग स्टॉक के लिए अलर्ट जारी किया जाता है। एमवीआईएस प्रभावी रूप से मैन्युअल रोलिंग इन एंड आउट परीक्षण प्रणाली को भविष्य में हटा सकता है। वर्तमान में भारत में वैगन या कोचिंग स्टॉक के लिए ऐसी कोई एमवीआईएस प्रणाली लगाई नहीं गई है।

एमवीआईएस की जरुरत:

डीएफसीसीआईएल मार्ग में रोलिंग स्टॉक दोषों का पता लगाने के लिए कुछ स्थानों पर रोलिंग इन परीक्षण प्रणाली शुरू की गई है। लेकिन मैनुअल रोलिंग इन जांच की प्रक्रिया की सीमाएँ हैं, जैसे कि खराबियों का पता बहुत कम गति पर ही लगाया जा सकता है। रात के दौरान खराब दृश्यता आदि पर दोषों का पता नहीं लगाया जा सकता है। **मशीन विजन इंस्पेक्शन सिस्टम (एमवीआईएस) प्रणाली इन सीमाओं को दूर कर सकती है।**

लाभ: एमवीआईएस निम्नलिखित में सहायक होता है:-

- ***मैनपावर और समय की बचत***
- ***यह प्रणाली 100 किमी प्रति घंटे की गति से चलने वाली ट्रेन में रोलिंग स्टॉक दोषों का पता लगा सकती है। ऐसा आंख से देखकर पता लगाना संभव नहीं है।***
- ***एक साथ कई घटकों का विश्लेषण करना***
- ***भविष्य में किसी भी समय विश्लेषण हेतु डाटा संग्रहित करना।***

एमवीआईएस के विकास के लिए आईआईएससी, बेंगलुरु के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर:

डीएफसी ने अपने कॉरिडोर पर एमवीआईएस





प्रणाली विकसित करने और स्थापित करने की पहल की है। संभावित स्रोतों का पता लगाने के लिए डीएफसी की आवश्यकताओं के अनुसार अनुकूलित एमवीआईएस के विकास के लिए तकनीकी अनुसंधान का प्रमुख संस्थान है। यह केंद्रीय वित्त पोषित संस्थान है, जो एक डीम्ड विश्वविद्यालय और एक स्वायत्त निकाय के रूप में कार्य करता है। इस परियोजना के लिए एक भागीदार के रूप में आईआईएससी का चयन करने का अर्थ यह है कि डीएफसीसीआईएल सही मायने में 'मेक इन इंडिया' विजन और भारत सरकार के 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' को प्रोत्साहित और समर्थन करता है।

एमवीआईएस का विकासः

इस कार्य को दो चरणों में किया जा रहा है– चरण एक में ईडीएफसी के नया दाउदखान स्टेशन पर अवधारणा के साक्ष्य (Proof of concept&POC) का प्रदर्शन करना, जिसमें कैमरों को लगाना, प्रकाश व्यवस्था, विभिन्न ट्रेन गति पर चित्रों को प्राप्त करने की उपयुक्त विधि की पहचान करना एवम चित्रों के विश्लेषण के लिए सॉफ्टवेयर का विकास, BOXN वैरिएंट वैगन पर सॉफ्टवेयर की सटीकता का परीक्षण और डैशबोर्ड का विकास शामिल है। चरण दो में हार्डवेयर डिजाइन में सुधार, मशीन लर्निंग मॉडल की फाइन ट्यूनिंग, अन्य प्रकार के वैगनों पर दोष का पता लगाने के लिए एल्गोरिदम



एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट (ईओआई) मंगाई। प्राप्त ईओआई प्रतिक्रियाओं की जांच करने और आवेदकों के साथ विस्तृत विचार–विमर्श के बाद, भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), बेंगलुरु को इस महत्त्वाकांक्षी परियोजना के लिए भागीदार के रूप में चुना गया। इस संबंध में आईआईएससी और डीएफसी के बीच 22.03.2022 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौता ज्ञापन के अनुसार इस प्रौद्योगिकी के सफल विकास हो जाने पर, बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) डीएफसीसीआईएल और आईआईएससी के बीच साझा होगा।

आईआईएससी, भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के तहत उन्नत वैज्ञानिक और





(Algorithm) का विकास किया जाएगा।

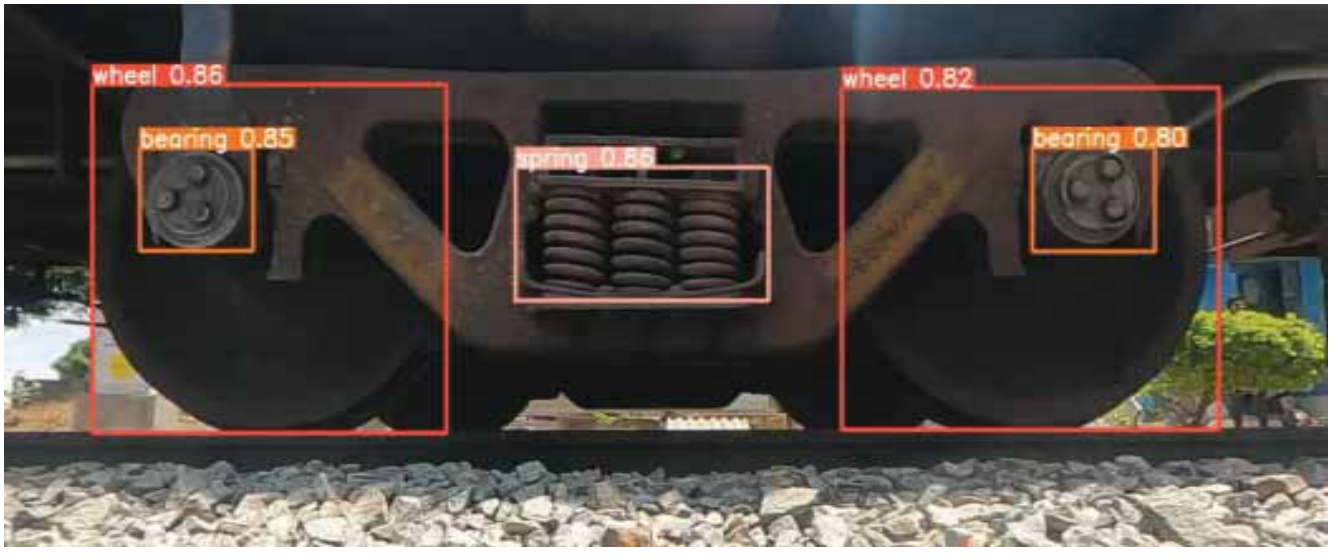
एमवीआईएस की इन्स्टॉलेशन की स्थिति: एमवीआईएस प्रणाली में 6 एरिया स्कैन कैमरे (ट्रैक के दोनों ओर तीन-तीन) हैं जो एमवीआईएस जोन से गुजरने वाली ट्रेनों की साइड व्यू चित्रों को कैप्चर करने के लिए वेदर-प्रूफ इंक्लोजर्स (Enclosures) में स्थित हैं। अंडर कैरिज चित्रों को लेने के लिए स्लीपरों (ऑन-ट्रैक) के बीच एक लाइन स्कैन कैमरा इन्स्टॉल किया गया है। लाइन स्कैन कैमरा और एलईडी प्रकाश व्यवस्था के प्रयोजन के लिए एक विशेष घेरे का डिजाइन तैयार कर उसे निर्मित किया गया है। इन उपकरणों की सुरक्षा के लिए सर्विलांस कैमरा भी लगाया गया है।

स्प्रिंग, इलास्टोमेरिकपैड (Elastomeric Pad), एक्सल कैप स्क्रू बोल्ट, एक्सल कवर, ओपन डोर के दोषों की पहचान के लिए सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट पूरा कर लिया गया है। वैगन नंबर की पहचान पूरी कर ली गई है। इमेज Acquisition मॉड्यूल के डिजाइन और विकास का कार्य पूरा कर लिया गया है। प्रशिक्षण के लिए सिस्टम में एननोटेड (Annotated) इमेज दी गई हैं। मॉडल के आउटपुट का परीक्षण रनिंग ट्रेन डेटा पर किया जाता है जहां लेबल की गई छवियों (Labelled Images) का पता लगाया जाता है. बोगी घटकों और दरवाजे हेतु सही और दोषपूर्ण चित्रों के वर्गीकरण के लिए सॉफ्टवेयर का विकास का कार्य पूरा कर लिया गया है। सिस्टम को एक्सेस करने के लिए यूजर इंटरफेस का वेब एप्लिकेशन विकसित किया गया है। जिसमें ट्रेन की जानकारी, अलर्ट जेनरेशन, रोलिंग स्टॉक दोष की पहचान, रोलिंग स्टॉक दोषों की चित्र, विभिन्न अनुकूलन रिपोर्ट उपलब्ध होंगी। एप्लिकेशन एसएमएस के माध्यम से अलर्ट भी भेजता है।

भविष्य की योजना: डीएफसीसीआईएल भारत में पहली एकीकृत प्रणाली- ICMRS (Integrated System for Condition Monitoring of Rolling Stock) रोलिंगस्टॉक की स्थिति की निगरानी के लिए एकीकृत प्रणाली) लगाने की योजना बना रहा है, जिसमें MVIS WILD (व्हील कंडीशन मॉनिटरिंग के लिए व्हील इम्पैक्ट लोड डिटेक्टर) और HABD (एक्सलबॉक्स तापमान को मापने के लिए हॉट एक्सल बॉक्स डिटेक्टर) ,ABD (एक्सल बियरिंग की स्थिति की निगरानी के लिए ध्वनिक बियरिंग डिटेक्टर) जैसी विभिन्न पहचान और मापन प्रणालियाँ एक ही स्थान पर इन्स्टाल करेगी, जिसे सुपरसाइट कहा जाएगा। ये प्रणालियां एकल एप्लिकेशन के माध्यम से एकीकृत और सुलभ होंगी जो विश्लेषण और सुरक्षित ट्रेन संचालन की सुविधा के लिए स्थापित निगरानी प्रणालियों को समेकित करेगी।

एमवीआईएस द्वारा पहचाने जाने वाले दोषों की सूची नीचे सारणी बद्ध है:

क्र.सं.	रोलिंग स्टॉक दोष	निम्न कैमरों द्वारा चित्र लिया जाएगा।
1	टूटा/मिसिंग एंड कैप कवर, केंटेड एडैप्टर, मिसिंग/जला/खराब ईएमपैड, मिसिंग/ढीला एक्सल एंड कैप स्क्रू	साइड व्यू कैमरा
2	लेटेरेली डिस्प्लेस्ड स्प्रिंग्स	
3	टूटा हुआ या मिसिंग संस्पेशन स्प्रिंग्स	
4	वैगन के खुले/हैंगिंग दरवाजे	
5	हैंगिंग पार्ट्स	
6	मिसिंग/मुड़ा हुआ सीबीसी ऑपरेटिंग हैंडल	
7	टूटा हुआ या मिसिंग ब्रेकबीम	
8	अंडरफ्रेम कम्पोनेंट्स में क्रैक्स	ट्रैक माउंटेड कैमरा
9	सीबीसी योक पिन सपोर्ट प्लेट बोल्ट का मिसिंग या टूटा होना	
10	क्रैकेड सेंटर सिल या अन्य अंडर फ्रेम पार्ट	
11	मिसिंग या टूटा हुआ ब्रेकगियरआइटम (पुश रॉड, एंड पुल रॉड आदि)	



नयी वंदे-भारत एक्सप्रेस



आरडीएसओ के द्वारा संशोधित विनिर्देशों के अनुसार नयी वंदे भारत ट्रेन को इंटीग्रल कोच फैक्ट्री, चेन्नई द्वारा विकसित किया गया है। नवनिर्मित वंदे भारत ट्रेन नए डिजाइन के प्रोपलशन सिस्टम एवं बोगियां, सुविधाजनक यात्री सीटिंग, स्वचालित दरवाजे, उन्नत यात्री सूचना प्रणाली और निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे आदि से लैस है।

नई वंदे भारत की मुख्य विशेषताएं

नई वंदे भारत ट्रेन की अधिकतम परिचालन गति 160 किमी प्रति घंटा है, जिसे परीक्षण के दौरान 180 किमी प्रति घंटे पर परीक्षण किया गया था एवं अधिकतम डिजाइन एक्सल लोड-17 टन (वास्तविक-15.3 टन) है, इसका प्रारंभिक एक्सिलरेशन-0.7 m/sec2-40 किमी प्रति घंटे की गति तक है एवं इसे 160 किमी प्रति घंटे की गति को प्राप्त करने में मात्र 140 सेकंड लगते हैं, इस ट्रेन में 50 प्रतिशत पावर्ड एक्सल दिए गए हैं (प्रत्येक बेसिक यूनिट में प्रत्येक अल्टरनेट कोच पावर्ड हैं) एवं इसे ट्रेन नियंत्रण और रिमोट मोनिटरिंग के लिए ऑन बोर्ड कंप्यूटर से सुसज्जित किया गया है। साथ ही साथ इसमें फुली सस्पेंडेड ट्रैक्शन मोटर्स एवं सभी प्रोपल्शन सिस्टम अंडरस्लंग हैं। इसके अतिरिक्त इस ट्रेन में व्हील माउंटेड ब्रेक डिस्क एवं बोगी नियंत्रण पर आधारित ब्रेक सिस्टम प्रदान किये गए हैं तथा संचालन में सुरक्षा बढ़ाने के लिए कवच (TCAS) प्रणाली के साथ एकीकृत भी किया गया है।

- सभी यात्री सुविधाओं जैसे पीए/पीआईएस, सीसीटीवी, और सुगम डेटा ट्रांसफर के लिए एवं इंफोटेनमेंट के लिए एकीकृत हाई स्पीड 1 जीबीपीएस कम्फर्ट नेटवर्क।
- सीसीएमएस (सेंट्रलाइज्ड कोच मॉनिटरिंग एंड कंट्रोल सिस्टम)-तापमान के केंद्रीकृत नियंत्रण के साथ-साथ पूरे रेक के एयर कंडीशनिंग सिस्टम की केंद्रीकृत निगरानी के लिए।
- अतिरिक्त आपातकालीन टॉक बैक यूनिट (ईटीबीयू)-2 नंबर, प्रत्येक कोच के अंदर यात्रियों को आपातकालीन स्थितियों के दौरान गार्ड/ड्राइवर से बात करने के लिए प्रदान किए जाते हैं।
- आपात स्थिति के दौरान चालक दल को सतर्क करने के लिए प्रत्येक कोच

कोच का प्रकार		
मापदंड	डीटीसी	एमसी/टीसी/एनडीटीसी
कोच की लंबाई	23,328 मिमी	23,100 मिमी
कपलर तथा कोच की लंबाई	24,000 मिमी	24,000 मिमी
पटरी से कोच की उंचाई	4,140 मिमी	4,140 मिमी
पहिए का आधार	2,700 मिमी	2,700 मिमी

उन्नत तकनीक एवं बेहतर सुविधाएँ

आरामदायक सीटिंग अरेंजमेंट

- इंटीग्रेटेड वाईफाई आधारित ऑन बोर्ड इंफोटेनमेंट सिस्टम हाई स्पीड 1 जीबीपीएस कम्फर्ट नेटवर्क से जुड़ा है जिसे अलग-अलग मोबाइल के साथ-साथ LCD डिस्प्ले पर भी देखा जा सकता है।



इन्फोटेन्मेंट



आपातकालीन टॉक बैक



(एलसीडी डिस्प्ले)



में अतिरिक्त यात्री अलार्म पुश बटन-2 नंबर प्रदान किए गए हैं।

- कोच में शांत और वातानुकूलित हवा के समान वितरण के लिए बेहतर एयर कंडीशनिंग डक्टिंग व्यवस्था।
- वायु की रोगाणु मुक्त आपूर्ति के लिए यूवी लैंप के साथ उच्च दक्षता वाले वीवीएफडी नियंत्रण कंप्रेसर का उपयोग करके बेहतर एयर कंडीशनिंग नियंत्रण और हीट वेंटिलेशन।
- पहले 24 इंच एलसीडी डिस्प्ले के स्थान पर प्रत्येक कोच की 32 इंच की बड़ी यात्री सूचना और इंफोटेनमेंट सिस्टम।
- पहले निर्दिष्ट 190 सेकंड की तुलना में 140 सेकंड के लिए डिजाइन किए गए 160 किमी प्रति घंटे तक पहुंचने का समय।
- 160किमी प्रति घंटे (पहले 0-05m/s2) पर 0.1 m/s2 का उच्च अवशिष्ट त्वरण।

बेहतर सुरक्षा

नई हाई स्पीड बोगी

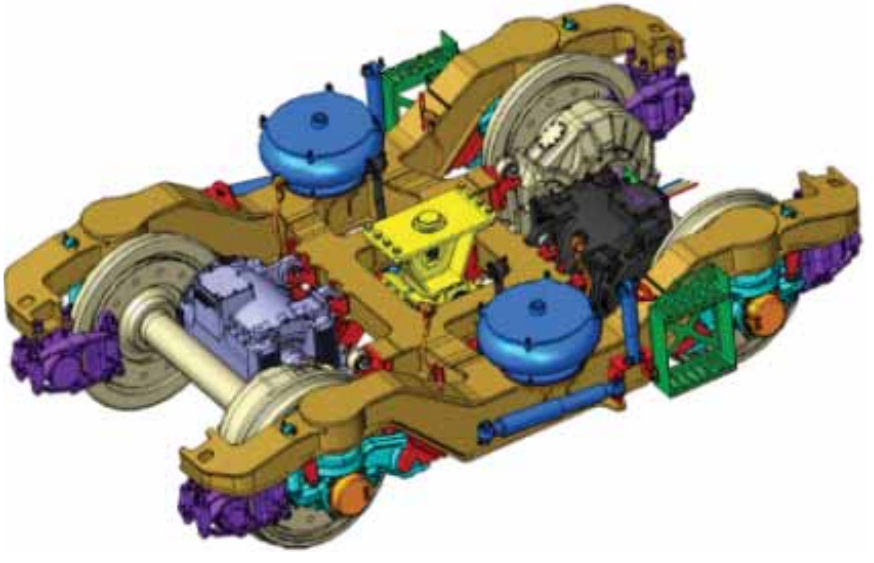
नई बोगी को लंबी दूरी की मेनलाइन ट्रेनों के लिए बेहतर सवारी के साथ हल्के वजन, उच्च गति वाली बोगी के रूप में डिजाइन किया गया है

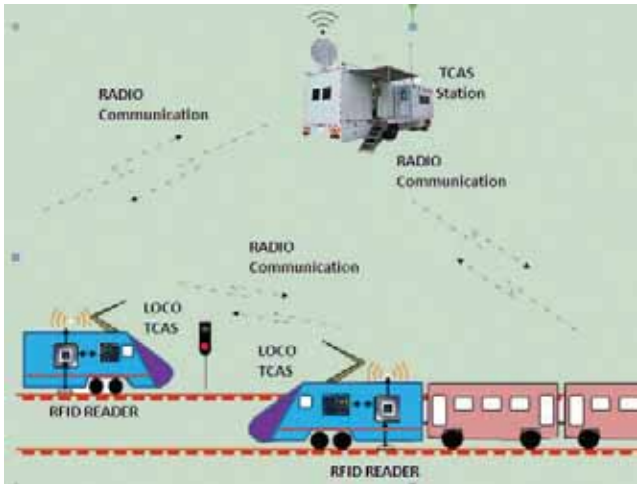
बोगी की मुख्य विशेषताएं हैं

पिछले संस्करण की तुलना में 12% अनुकूल वजन, उच्च गति पर बेहतर सवारी के लिए अनुकूलित पुन: डिजाइन किया गया निलंबन, ट्रैक फ्रेंडली-लो नॉइज बोगी बेहतर कर्व नेगोसिएशन साथ, यह EN14363:2-16, EN12299/2009 और RDSO मानदंड के अनुसार मल्टीबॉडी सिमुलेशन, FEM और मॉडल विश्लेषण के माध्यम से मान्य है एवं अपग्रेड क्षमता: सभी बोगी घटक 200 किमी प्रति घंटे तक के संचालन के लिए उपयुक्त हैं।

संचालन में सुरक्षा बढ़ाने के लिए कवच (ट्रेन टकराव बचाव प्रणाली) प्रणाली के साथ एकीकृत।

- सिग्नल पासिंग एट डेंजर (एसपीएडी), हेड-ऑन और रियर एंड टकराव की रोकथाम
- कैब-सिग्नलिंग
- ओवर स्पीड को टालें: सेक्शन स्पीड, ट्रेन स्पीड, PSR
- एलसी गेट स्वचालित चेतावनी
- एनएमएस में ट्रेन की आवाजाही की केंद्रीकृत लाइव निगरानी
- प्रत्येक कोच में इंटीग्रेटेड ऑटोमैटिक फायर एंड स्मोक डिटेक्शन सिस्टम लगाया गया है।
- EN 50200 के अनुसार फायर सर्वाइवल केबल का उपयोग PA/PIS, ETB सर्किट, पैसेंजर अलार्म, सप्लाई और फायर डिटेक्शन सिस्टम और डोर सिस्टम के अन्य आवश्यक सर्किटों में आग लगने की स्थिति में उनके निरंतर कामकाज के लिए किया गया है।
- प्रणोदन प्रणाली में प्रयुक्त विभिन्न उपकरणों के लिए EN45545 से HL2 स्तर के अग्नि मानक का अनुपालन।
- एयरोसोल आधारित अग्नि शमन प्रणाली का उपयोग करते हुए विद्युत अलमारियाँ





और स्लंग उपकरणों के तहत स्वचालित आग दमन।

- अतिरिक्त वीसीबी के साथ एचटी केबल सुरक्षा और केबल पर मैकेनिकल शीथिंग।
- बिजली के सभी कनेक्शन विफल होने की स्थिति में प्रत्येक कोच में आपदा प्रबंधन लाइट (4 नंबर) लाइट।
- प्रत्येक ड्राइविंग कार में वे साइड स्टेशनों के साथ सिग्नल का आदान-प्रदान करने के लिए सिग्नल एक्सचेंज लाइट (2 नग) प्रदान की गई हैं।
- रेक में अतिरिक्त 4 प्लेटफॉर्म साइड कैमरा जो ट्रेन के रुकने पर प्लेटफॉर्म के पीछे के दृश्य के लिए स्वचालित रूप से ड्राइवर पर ध्यान केंद्रित करता है।
- विद्युत सुरक्षा के लिए पहले क्लास 2 और 3 सर्ज अरेस्टर्स के मुकाबले क्लास 3 और 4 सर्ज अरेस्टर्स।
- सीसीटीवी सिस्टम के रिकॉर्ड किए गए डेटा को बेहतर ढंग से देखने के लिए सीसीटीवी स्टोरेज के लिए 25 एफपीएस के बढ़े हुए फ्रेम/सेकंड के साथ सीसीटीवी सिस्टम में सुधार हुआ है।
- EN 62625-1-2013 और GM/RT2472 पर आधारित अंतर्राष्ट्रीय मानक आधारित डिजाइन के अनुसार क्रैश संरक्षित मेमोरी और डेटा लॉगिंग मेमोरी।
- इवेंट रिकॉर्डिंग: क्रैश प्रोटेक्टेड मेमोरी में पिछले 72 घंटों के लिए 1 सेकंड का अंतराल। डेटा लॉगिंग मेमोरी में 20 सेकंड के रिजॉल्यूशनके साथ 90 दिनों के लिए दीर्घकालिक डेटा संग्रहीत करने के लिए मेमोरी।
- ड्राइवर गार्ड संचार रिकॉर्डिंग: फ्लैश मेमोरी में ड्राइवर और गार्ड (दोनों) की आवाज (कम से कम 24 घंटे की अवधि के लिए) और क्रैश प्रोटेक्टेड मेमोरी में (10 मिनट की अवधि के लिए)।
- वॉयस रिकॉर्डिंग सुविधा के साथ पैसेंजर-गार्ड (ईटीबीयू) संचार।
- फॉल्ट डायग्नोस्टिक संदेशों के भंडारण के लिए मेमोरी में कम से कम पिछले 120 दिनों की मेमोरी में वृद्धि की शुरुआत की गई है।

बेहतर विश्वसनीयता

सिंक्रोनाइज्ड 415V एसी ऑक्जिलरी कन्वर्टर के साथ सहायक भार की बेहतर विश्वसनीयता थ्री फेस 415V, 50 हर्ट्ज बस लाइन के माध्यम से लोड साझा करने के लिए बस आपूर्ति दी गयी है जिसमें एक सहायक कनवर्टर के विफल होने की स्थिति में-सभी भार (एयर कंडीशनिंग सहित) सामान्य रूप से काम करेंगे एवं दो सहायक कन्वर्टर्स की विफल सहायक कनवर्टर वाली इकाई 50 प्रतिशत एयर कंडीशनिंग के साथ काम करेगी। 100 प्रतिशत ताजा हवा वेंटिलेशन और अन्य सभी भार पूरी तरह से उपलब्ध होंगे। तीन सहायक कन्वर्टर्स की विफलता-एयर कंडीशनिंग को बंद कर दिया जाएगा और ताजी हवा के वेंटिलेशन सहित अन्य सभी भार सामान्य रूप से काम करेंगे। बैटरी के सुरक्षित संचालन के लिए बैटरी प्रबंधन प्रणाली के साथ एकीकृत 684 एएच की लिथियम-आयरन-फॉस्फेट बैटरी द्वारा आपातकालीन स्थितियों के दौरान 3 घंटे तक का उच्च बैटरी बैकअप होगा। साइड वॉल पर अलग से वेंटिलेशन डक्ट्स के माध्यम से ट्रैक्शन मोटर को ठंडा करने के लिए स्वच्छ हवा का प्रबंध है। ट्रेन नियंत्रण के 8 प्रमुख सुरक्षा कार्यों जैसे इमरजेंसी ब्रेक, स्टैंडस्टिल डिटेक्शन, विजिलेंस कंट्रोल, स्पीड कंट्रोल, रोल बैक डिटेक्शन, स्पीड इंडिकेशन, ट्रैक्शन रिलीज, स्मोक और फायर डिटेक्शन के लिए लेवल-II सेफ्टी इंटीग्रेशन सर्टिफिकेशन है। अंडर स्लंग विद्युत उपकरण (ट्रैक्शन और औक्स कन्वर्टर्स के लिए) के लिए बेहतर फ्लड प्रूफिंग जो पहले 400 मिमी की तुलना में 650 मिमी की ऊंचाई तक बाढ़ का सामना करेगा। सभी अंडर फ्रेम उपकरणों के लिए आईपी 65 सुरक्षा और सभी ऑन बोर्ड उपकरणों के लिए आईपी 54 सुरक्षा के साथ बेहतर धूल एवं जल सुरक्षा प्रदान की गयी है।

बेहतर ऊर्जा दक्षता

- प्रोपल्शन सिस्टम का वजन पहले के 430T वजन से घटकर 410T हो गया।
- उच्च ऊर्जा पुनर्जनन-ऑल आउट रनिंग के लिए रीजेनेरेटेड ऊर्जा (अधिकतम सेवा गति तक पूर्ण कर्षण और उसके बाद स्टैंडस्टिल तक पूर्ण सेवा ब्रेक लगाना) खपत की गई ऊर्जा का 30 प्रतिशत है।





- बेहतर दक्षता के लिए वीवीवीएफ ड्राइव कंप्रेसर के साथ आरपीएमयू प्रदान किया गया है।

आरडीएसओ द्वारा नई वंदे भारत ट्रेन सेट का सफल परीक्षण

आरडीएसओ के परीक्षण निदेशालय ने केवल 30 दिनों के रिकॉर्ड समय में 02 चरणों में नई वंदे भारत ट्रेन का परीक्षण किया।

उत्तर रेलवे के अम्बाला-फिरोजपुर मंडल के साहनेवाल से न्यू मोरिंडा खंड तक 115 किमी प्रति घंटे की अधिकतम गति तक सवारी विशेषताओं का आकलन करने के लिए दोलन परीक्षण 19 अगस्त, 2022 से 23 अगस्त, 2022 के बीच किया गया।

80 किमी प्रति घंटे से 115 किमी प्रति घंटे की गति तक खाली और भरी हुई स्थिति में इन्फ्लेटेड एयर स्प्रिंग के साथ राइडिंग विशेषताओं के लिए डेटा दर्ज किया गया था और 60 से 70 किमी प्रति घंटे की गति तक खाली और भरी हुई स्थिति में डिफ्लेटेड एयर स्प्रिंग के साथ एवं 115 किमी प्रति घंटे की गति पर इन्फ्लेटेड एयर स्प्रिंग के साथ लोडेड स्थिति में लॉन्ग कांफर्मेटरी रन किया गया था।

इसके पश्चात, पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल के सवाई माधोपुर-नागदा खंड में अधिकतम 180 किमी प्रति घंटे की गति तक दोलन परीक्षण 25 अगस्त, 2022 से 28 अगस्त, 2022 के बीच किया गया। इन परीक्षणों को 120, 130, 140, 150, 160, 170 और 180 किमी प्रति घंटे की गति पर इन्फ्लेटेड एयर स्प्रिंग के साथ लोडेड स्थिति में और इन्फ्लेटेड एयर स्प्रिंग के साथ खाली स्थिति में सवारी विशेषताओं को मापने के लिए किया गया। लोडेड इनफ्लेटेड कंडीशन एवं खली इनफ्लेटेड कंडीशन में 180 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से लॉन्ग कन्फर्मेटरी रन भी किया गया। इस परिक्षण के लिए इंस्ट्रूमेंटेशन 115 किमी प्रति घंटे तक के पूर्व परीक्षणों के समान ही किया गया।

160 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से ब्रेकिंग ट्रायल

ब्रेकिंग टेस्ट की विभिन्न श्रृंखलाओं में मास्टर कंट्रोलर के माध्यम से पूर्ण सर्विस ब्रेक एप्लिकेशन, मास्टर कंट्रोलर के माध्यम से आपातकालीन ब्रेक एप्लिकेशन और इमरजेंसी पुश बटन के माध्यम से इमरजेंसी ब्रेक एप्लिकेशन, बैक-अप ब्रेक मोड में ड्राइवर ब्रेक वाल्व के माध्यम से इमरजेंसी ब्रेक एप्लिकेशन, गार्ड के इमरजेंसी ब्रेक वाल्व के माध्यम से इमरजेंसी ब्रेक एप्लिकेशन एवं गार्ड के इमरजेंसी ब्रेक मोड और पार्किंग ब्रेक परीक्षण शामिल थे।

उपरोक्त सभी ब्रेकिंग परीक्षण 160 किमी प्रति घंटे की गति से DRY और WET स्थिति की अलग-अलग श्रृंखला में किए गए थे और संबंधित मोड में ब्रेकिंग विशेषताओं का आकलन किया गया।

130 किमी प्रति घंटे की गति से COCR (कन्फर्मेटरी ऑसिलोग्राफ कार रन)

कन्फर्मेटरी ऑसिलोग्राफ कार रन (सीओसीआर) अहमदाबाद-मुंबई सेंट्रल के बीच अप और डाउन दोनों लाइनों पर 130 किमी प्रति घंटे की गति से दोलन और ब्रेक परीक्षणों के बाद किया गया जिसमें प्रत्येक प्रकार के कोच में देखे गए वर्टिकल एक्सेलेरेशन और लेटरल एक्सेलेरेशन को रिकॉर्ड एवं उनका विश्लेषण किया गया।

वंदे भारत ट्रेन ने 5 घंटे से भी कम समय में अहमदाबाद-मुंबई सेंट्रल के बीच 491 किमी की दूरी तय की जिसमें इस ट्रेन ने मार्ग का लगभग 84 प्रतिशत (स्थायी गति प्रतिबंधों को छोड़कर) 130 किमी प्रति घंटे पर कवर किया।

अन्य परीक्षण

ऑसिलेशन ट्रायल के अलावा, SAMEER, EMI-EMC, Pacemaker, Static एवं dynamic के परीक्षण उपरोक्त परीक्षणों की छाया में पूरे किए गए। आरडीएसओ की परीक्षण टीम ने तैयारी से लेकर अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत करने तक अथक प्रयास किया, टीम ने मुख्यालय से बाहर रहकर सभी परीक्षणों को सफलतापूर्वक पूर्ण किया। सभी परीक्षणों के उपरान्त संचालन हेतु उपयुत पाए जाने पर वंदे भारत ट्रेन को दिनांक 30 सितंबर, 2022 को देश को समर्पित कर दिया गया है जिसका संचालन अहमदाबाद से मुंबई के बीच किया जा रहा है।



प्यारा सा ठग

सुश्री रिंकल शर्मा

गर्मी की दोपहर भी बड़ी आलस भरी हुई होती है। सारे काम से निपटकर जरा आँख लगी ही थी कि दरवाजे पर दस्तक हुई। पहले सोचा अनसुना कर दूँ, लेकिन फिर सोचा कि ना जाने कौन होगा इस समय? अनमने मन से उठकर दरवाजा खोला। सामने एक नौजवान लड़का खड़ा हुआ था। लम्बा कद, गोरा रंग, बड़ी-बड़ी कटीली आँखें, साफ-सुथरी आसमानी रंग की शर्ट और काली पैंट पहने हुए और हाथ में एक फोल्डर पकड़े हुए था। लेकिन माथे पर पसीने की बूँदें साफ नजर आ रही थी। मुझे देखकर उसने बड़ी ही शिष्टता के साथ अभिवादन किया तो मैंने भी औपचारिकतावश अपनी गर्दन हिला दी।

"किससे मिलना है?"-मैंने पूछा।

वह बोला- 'जी, मेरा नाम अभिनव है। मैं नगर निगम के दफ्तर से आया हूँ। मुझे मिस्टर शर्मा से मिलना है'।

'लेकिन वो तो अभी घर पर नहीं हैं। आप शाम को या फिर कल सुबह आ कर मिल सकते हैं'-मैंने कहा।

मेरी बात सुनकर उसने एक क्षण सोचा और फिर अपने माथे से पसीना पोंछते हुए वह बोला 'ओह्ह! जी देखिये, बहुत जरूरी काम है। क्या मैं अंदर आ सकता हूँ? अंदर आकर आपको सब बात बताता हूँ'

किसी अनजान को घर के अन्दर बुलाने की सोचकर ही मुझे थोड़ी घबराहट हुई, लेकिन पता नहीं क्यों जब नजर उसके चेहरे पर पड़ी, तो सहसा मुँह से 'हाँ' निकल गया।

'अच्छा ठीक है, अंदर आ जाओ'

वो अंदर आकर सोफे पर बैठ गया।

'जी मैडम, एक गिलास पानी मिलेगा?'

उफ! मैं भी कैसी भुलक्कड़ हूँ? घर आये मेहमान को पानी के लिए भी नहीं पूछा, अभी लायी'-कहकर मैं पानी लेने चली गयी। हाथ में पानी का गिलास लिए मैं ड्राइंग रूम आयी तो देखा, वो कमरे मे दीवार पर टंगी एक पेंटिंग को बड़े ही गौर से देख रहा था। जैसे ही मेरे कदमों की आहट सुनी, तो थोड़ा सहम गया।

मैंने पानी का गिलास उसकी ओर बढाया तो पूछ बैठा-

'मैम ये पेंटिंग आपने बनायीं है?'

मैंने "हाँ" में अपना सर हिला दिया।

'आप ही की तरह बहुत खूबसूरत है. मैम, आपको तो अपनी पेंटिंग की एग्जीबिशन लगानी चाहिये. सच! बहुत ही सुन्दर पेंटिंग हैं''

'थैंक यू! बस, ऐसे ही शौक है इसीलिए कुछ-न-कुछ बना देती हूँ'. लेकिन आप बताइए क्या काम था राजीव से '

'मैम, दरअसल मुझे शर्माजी ने बहुत दिनों से एक लड़के की नौकरी के लिए बोला हुआ था। आपके यहाँ शायद कोई लड़का है, जिसे नौकरी की जरूरत है. 'मैम, हमारे ऑफिस में एक पोस्ट खाली है। लेकिन आज उसके रजिस्ट्रेशन के लिए आखिरी दिन है। अगर आज चार बजे तक फॉर्म नहीं भरा गया तो नौकरी हाथ से निकल जाएगी'।

उसकी बात सुनकर मैं समझ गयी की हो न हो ये सुनील के लिए नौकरी की बात कर रहा है. दरअसल एक महीने से राजीव का चचेरा भाई सुनील हमारे साथ ही रह रहा था, और जॉब भी ढूंढ रहा है। लेकिन फिर भी मैंने यूँ ही कहा-

'जॉब! लेकिन राजीव ने तो मुझे ऐसा कुछ भी नहीं बताया।'

'नहीं बताया (चौंकते हुए) लेकिन वो तो पिछले एक महीने से लगातार मुझसे कह रहे थे। मैं सुबह से मि. शर्मा को कॉल कर रहा हूँ, लेकिन उन्होंने मेरा फोन नहीं उठाया. शायद वो बिजी होंगे', क्या उन्होंने आपको कुछ भी नहीं बताया?'

न जाने क्यों, उसके शब्द मुझे भीतर तक चीर गए। सच तो यही है कि राजीव को फुरसत ही कहाँ मुझसे कुछ कहने या सुनने की, जो वो फोन उठाये। अब कल ही की तो बात है, ऑफिस टाइम पर एक फोन क्या कर लिया मैंने, कि घर आकर तूफान खड़ा कर दिया। कहने लगे, 'मीटिंग थी बहुत जरूरी और तुमने फोन खटखटा दिया उसी समय। तुम तो सारा दिन घर बैठी रहती हो, बाहर जाओ तो पता लगे कि कितना मुश्किल है पैसे कमाना'।

'हम्म! मीटिंग...किस मीटिंग में बिजी होंगे, अच्छे से जानती हूँ। आठ साल से सब जानती हूँ, मगर ना जाने क्यूँ चुप हूँ? हर रोज तुम्हारे कपड़ों में से किसी और की खुशबू आती है, लेकिन फिर भी मौन हूँ? ऑफिस टूर का बहाना करके हर दूसरे दिन तुम्हारा उस औरत के साथ जाना, सब जानती हूँ, मगर फिर भी अनजान बनी रहती हूँ। सिर्फ इस उम्मीद पर कि एक ना एक दिन तुम मेरे पास फिर से लौट आओगे. राजीव, तुमने ही तो कहा था न कि शादी के बाद एक घर संभालेगा और दूसरा बाहर काम करेगा इसीलिए मैंने अपनी अच्छी खासी नौकरी छोड़ दी और आज तुम मुझे कमाने का उलाहना दे रहे हो'-इतना कहते ही मेरी आखों से आंसू बहने लगे।

'लो जी अब हो गया ड्रामा शुरू, बात-बात पर तुम औरतें बस रोने बैठ जाती

हो'-कहते हुए राजीव बाहर निकल गए।

"मैम.....मैम....कहाँ खो गयीं आप?"-उसकी आवाज मेरे कानों पड़ी जिससे मेरी तन्द्रा भंग हुई-

"हम्म नहीं, कहीं नहीं, हाँ! तो क्या कह रहे थे आप?"

'जी वो आज आखिरी दिन है....'

'अच्छा! तो इसके लिए क्या करना होगा?'-मैंने पूछा।

'जी, उस लड़के को, मेरे साथ, अपने सारे डाक्यूमेंट्स की कॉपी और 5000 रु लेकर चलना होगा। वहां रजिस्ट्रेशन फॉर्म भरकर जमा करना है। फिर बाद में इंटरव्यू का लेटर आ जायेगा, तब इंटरव्यू देना है'।

'लेकिन अब ये कैसे मुमकिन है? राजीव तो ऑफिस गए हुए हैं, और वो लड़का, सुनील भी कहीं और इंटरव्यू के लिए गया हुआ है'-मैंने कहा।

'तो मैम, आप चाहें तो आप भी मेरे साथ चल सकती हैं। आप फॉर्म जमा करा दीजियेगा, बाकी औपचारिकतायें बाद में पूरी हो जाएँगी।'

मैं असमंजसता में पड़ गयी। क्या किसी अजनबी पर इतना भरोसा करना ठीक होगा? तभी दिमाग में आया क्यूँ न राजीव को फोन करूँ? पर न जाने क्यों हाथ रुक गए? वैसे भी अगर करती भी तो कौन-सा राजीव फोन उठाते? बड़ी उलझन थी लेकिन सुनील का ख्याल आते ही सोचा कहीं ऐसा ना हो कि एक अच्छा मौका हाथ से चला जाये। कितनी उम्मीदें लेकर आया है सुनील इस शहर में। इसी उलझन के बीच मेरी नजरें उस नौजवान पर जा टिकी, जो कभी घड़ी की ओर देख रहा था तो कभी दीवार पर टंगी पेंटिंग को।

-उफ ! कितनी मासूमियत है इसके चेहरे पर, ये भला झूठ कैसे बोल सकता है। ना जाएं क्यों कुछ तो ऐसा है इसके अंदर जो मुझे अपनी ओर आकर्षित किये जा रहा है।

'मैम! क्या सोचा आपने? अच्छा रहने दीजिये, मैं चलता हूँ। ऐसे मौके तो फिर भी आते रहेंगे'। उसका चलने की बात कहना मेरे दिल को हिला गया। मन ने ठान लिया कि उसके साथ जाना है।

'रुकिए! मैं चलती हूँ आपके साथ। बस अभी दो मिनिट में आयी'।

मेरी बात सुनकर उसके चेहरे पर एक मुस्कान बिखर गयी-

'जी बहुत अच्छा, आप साथ चलकर खुद सारी औपचारिकताएं पूरी कीजियेगा जिससे आपको भरोसा रहेगा।'

'भरोसे की बात कह कर मुझे शर्मिंदा न कीजिये प्लीज'-कहकर मैं अंदर चली गयी। अलमारी में रखे कपड़ों में, सहसा ही हाथ, उस गुलाबी साड़ी पर जाकर रुका, जो राजीव ने मुझे, मेरी पहली सालगिरह पर गिफ्ट की थी। मैंने झटपट से कपडे बदलकर, पर्स में पैसे तथा जरूरी कागजात रखे और बप्हर आने से पहले आईने में खुद को निहारा. पता नहीं क्यों आज बहुत दिनों बाद, खुद पर ही प्यार आ रहा था। तैयार होकर मैं बाहर आ गयी।

चलें? 'जी चलिए'

बाहर निकल कर हम सीधे बस-स्टॉप पर पहुँच गए। जैसे ही बस आयी, उसने मेरा हाथ पकड़ कर मुझे बस में चढ़ने में मदद की। बस में भीड़ होने की वजह से कोई भी सीट खाली नहीं थी। मैं बस में एक तरफ खड़ी हो गयी, वो भी मेरे साथ ही खड़ा था। मेरे एक हाथ में पर्स था और दुसरे हाथ से मैंने बस का हैंडल पकड़ा हुआ था। बस की खिड़की से तेज हवा आ रही थी, जिसकी वजह से मेरे बालों की एक लट, मेरे चेहरे पर आ रही थी जो मुझे बार-बार परेशान कर रही थी। मेरी परेशानी को शायद उसने भांप लिया। उसने, अपने हाथ से मेरी लट को मेरे कानों के पीछे किया। उसके हाथों की उस छूअन से मेरे पूरे शरीर में तरंगें सी उठ गयीं। उसके जिस्म से आती भीनी-भीनी सी खुशबू को मैं महसूस करने लगी। वो खिड़की से बाहर की ओर देख रहा था लेकिन मैं, चोर नजरों से बार-बार उसके चेहरे को निहार रही थी। हवा के झोंकों से उसके भी बाल हवा में उड़ रहे थे जिन्हें वो बड़े ही सलीके से अपने हाथ से सँवार लेता था. ना जाने क्या बात थी उसमें, पर कुछ तो थी जो रूह को एक अजीब-सा सुकून दे रही थी। ना जाने क्यों उसका साथ बहुत अच्छा लग रहा था। मन कर रहा था कि ये सफर यूँ ही चलता रहे। तभी बस रुकी और वो बोला-

'मैम, चलिए हमारा स्टॉप आ गया'

बस से उतरकर हम सीधे नगर-निगम के दफ्तर जा पहुंचे।

'मैम, आप यहीं रुकिए! मैं फॉर्म लेकर आता हूँ'-कह कर वो चला गया।

करीब 5 मिनट बाद हाथ में एक कागज लिए वापस आया और मेरी तारफ बढाते हुए बोला--'लीजिये मैम, आप ये फॉर्म भर दीजिये. लेकिन मैम, समय बहुत कम बचा है, अगर आप कहें, तो जब तक आप ये फॉर्म भरेंगी, तब तक मैं रजिस्ट्रेशन फीस जमा करा देता हूँ?'

'हाँ-हाँ, क्यों नहीं। ये लीजिये पैसे'-मैंने झट से 5,000 रू निकालकर उसकी ओर बढ़ा दिए।

पैसे हाथ में लेते हुए उसने गौर से मेरी तरफ देखा, फिर कुछ सोचकर, चला गया। मैं फॉर्म भरने में व्यस्त हो गयी। फॉर्म भरने के बाद मैं उसका इंतजार करने लगी. बहुत देर हो गयी तो मेरी नजरें चारों तरफ उसे ढूंढने लगी। लेकिन, वो कहीं भी दिखाई नहीं दिया। घडी में देखा तो पांच बजने ही वाले थे। सरकारी दफ्तर में लोग पांच बजे से ही घड़ी की ओर देखना शुरू कर देते है। मैं उठकर, सामने बने ऑफिस के अंदर गयी। एक साहब अपनी कुर्सी पर मजे से बैठे हुए थे। मैंने उनके पास जाकर पूछा-

'जी, यहाँ जो अभिनव कप्म करते है, वो कहाँ मिलेंगे?'

उन साहब ने मुझे ऊपर से नीचे तक ऐसे देखा जैसे मैंने कोई बहुत ही अजीब प्रश्न किया हो, अपने मुंह में दबे पान की पीक को सँभालते हुए बोले- 'कौन अभिनव, मैडम जी? यहाँ तो इस नाम का कोई आदमी नहीं है।'

'कोई नहीं है? ऐसा कैसे हो सकता है? अभी तो मेरे साथ आये है। यहाँ क्लर्क की नौकरी निकली हुई है, उसी के आवेदन के लिए उन्होंने मुझे ये फॉर्म दिया और वो खुद रजिस्ट्रेशन फीस जमा करने इधर आये थे'-परेशानी और घबराहट मेरे चेहरे पर साफ झलक रही थी, जो कि शायद उन साहब ने भी बड़ी आसानी से पढ़ ली थी।

'देखिये, मैडम जी, 25 सालों से मैं यहाँ काम कर रहा हूँ। यहाँ अभिनव नाम का कोई भी शख्स काम नही करता है। और रही बात नौकरी की, तो पिछले दो साल से यहाँ कोई वेकन्सी नहीं आयी है'।

'लेकिन'-इससे ज्यादा शब्द मेरे मुँह से निकले ही नहीं

'देखिये मैडम जी, बुरा मत मानिये, पर लगता है, कोई आपको ठग कर चला गया है। यहाँ आप जैसे बहुत लोग आते हैं, जो इस तरह की ठगी का शिकार होते हैं। हमको तो ये समझ नहीं आता कि आप जैसे पढ़े-लिखे लोग कैसे इन ठगों की बातों में आ जाते हैं?'

वो साहब बोलते रहे लेकिन मुझे उनके शब्द धीरे-धीरे सुनाई देने बंद हो गए। मैं बेजान-सी, थके हुए से कदमों से वापस घर के लिए चली पड़ी थी। पूरा रास्ता कब बीत गया पता ही नहीं चला। सारे रास्ते मन यहीं सोचता रहा कि क्या वाकई वो ठग था? क्या सचमुच उसने मुझे धोखा दिया? वो मासूम-सा चेहरा, वो चमकती-सी आँखें और वो मीठी-सी मुस्कान, क्या सब छलावा था? अगर वो एक ठग था तो उसे मेरे घर के बारे में इतना सब कैसे पता? नहीं-नहीं वो ठग कैसे हो सकता है? इन्हीं सब उलझनों में उलझी हुई, मैं घर के पास कब आ गयी पता ही नहीं चला। तभी पीछे से एक कर्कश सी आवाज कानों में पड़ी-'राधिका.. राधिका' पीछे मुड़ कर देखा तो, मिसेज गुप्ता आवाज दे रही थीं।

'राधिका, आज एक नौजवान लड़का आया था, बोला कि यहाँ कोई वर्माजी रहते हैं, उन्हें नौकरी की जरूरत है। मैंने कहा कि वर्माजी तो यहाँ कोई नहीं रहते लेकिन हाँ, यहाँ पास ही में, दो मकान छोड़कर एक राजीव शर्माजी रहते है, लेकिन उनकी तो अच्छी-खासी नौकरी है उन्हें भला नौकरी की क्या जरूरत? लेकिन हाँ उनके यहाँ एक लड़का आया हुआ है शायद वो नौकरी ढूंढ रहा है। फिर मैंने उसे बता दिया कि वो तुमसे जाकर मिल ले। और वो तुम्हारे घर की तरफ चला गया। तुमसे मिला क्या? नौकरी की बात हुई क्या?'

मिसेज गुप्ता अपने सवालों की झड़ी लगाए हुई थी, लेकिन मेरी समझ में अब सब आ चुका था ए मैं मुस्कुराते हुए आगे बढ़ गयी। और मन-ही-मन सोचने लगी कि आखिर उसने ठगा क्या? पैसे? या शायद उससे भी ज्यादा कुछ और? मन में ये सवाल उठते रहते हैं मगर फिर भी ना जाने क्यों आज भी भीड़ में नजरें उस ठग को ढूंढती हैं? काश! वो एक बार फिर मिल जाये, वो ठग, वो प्यारा-सा ठग।

आप सबका भारतीय रेल के साथ अटूट रिश्ता है

भारतीय रेल के साथ आप अपने संस्मरण, यात्रा वृत्तांत, गीत, लेख आदि हिन्दी में हमें भेज सकते हैं। पसंद आने पर रचनाओं को हम रेल मंत्रालय की आधिकारिक मासिक पत्रिका

भारतीय रेल

में प्रकाशित करेंगे

ईमेल editorbhartiyarailrb@gmail.com

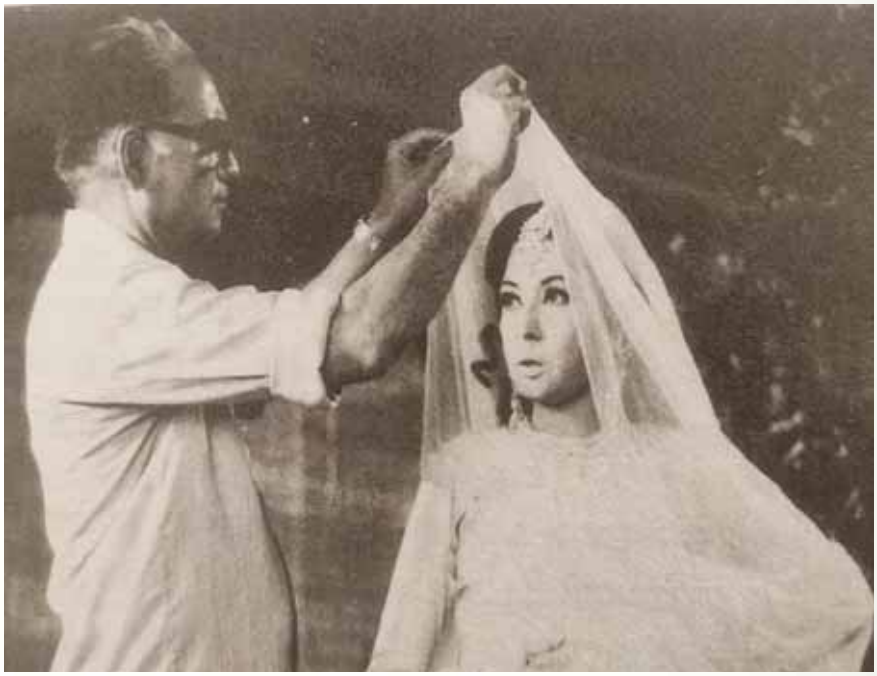
चयनित सामग्री लेख की जानकारी ईमेल से दी जाएगी,
प्रकाशित रचनाओं के लिए रेल मंत्रालय द्वारा निर्धारित मानदेय भी दिया जाएगा

शर्तें लागू

चंदन उर्फ अमीर हैदर का कमाल अमरोही होना...

श्री अजय कुमार शर्मा

अमरोहा के सैयद परिवार में 17 जनवरी 1918 के दिन एक बच्चा पैदा हुआ। उस का नाम अमीर हैदर रखा गया। घरवाले बच्चे को प्यार से चंदन कहकर पुकारने लगे। चंदन आठ साल का ही हुआ था कि उस के सर से पिता का साया उठ गया। चंदन की परवरिश उसके चाचा अल्लामा शफीक हसन एलिया की देख-रेख में होने लगी। बिन बाप का बच्चा होने के कारण परिवार के लोग चंदन को कुछ ज्याद ही लाड़-प्यार करते। उसकी शैतानियां बढ़ती ही चली गईं। चोरी-छिपे सर्कस देखना, मोहल्ले की कामवालियों को परेशान करना और भी बहुत कुछ। एक बार तो उसने एक सफाईकर्मी युवती को पटाखे से जला दिया जिस कारण उस समुदाय के दो-तीन सौ लोग उन्हें मारने-पीटने उनके घर पहुँच गए। चाचा ने किसी तरह माफी मांगकर और पैसे आदि देकर मामला रफा-दफा किया। पानी सिर से ऊपर जाता देखकर उनकी माँ और चाचा ने उनके बड़े भाई रजा हैदर को बुलाने का फैसला किया जो उन दिनों सहारनपुर में पुलिस महकमे में थे और चंदन से अठारह साल बड़े थे। बड़े भाई की सहमति से उन्हें पढ़ने के लिए उनकी बड़ी बहन खुर्शीद के पास देहरादून भेज दिया गया। लेकिन यहाँ भी उनकी शरारतें कम नहीं हुई। एक लड़की को लिखा खत उनके जीजाजी के हाथ लग गया तो उन्होंने अच्छे से फटकार लगा दी। डाँट-फटकार से आहत चंदन रात को अपनी बहन की पाजेब चुराकर घर से



भाग लिए और ट्रेन से लाहौर जा पहुंचे। पाजेब बेचकर मिले आठ रुपए भी उस अनजान शहर में जल्द ही खत्म हो गए। इसी दौरान वे लाहौर के ओरिएंटल कॉलेज पहुंच गए। यह 1931 के शुरुआती दिन थे। कॉलेज में छात्रों की चहल-पहल देखकर उनका मन भी पढ़ने के लिए हुआ। प्रवेश की उम्मीद में तीन दिन तक वह कालेज के बाहर ही बैठे रहे तो थक हार कर कालेज कैंपस में रहने वाले जर्मन प्रिंसिपल मिस्टर वूलनर और उनकी पत्नी की नजर उन पर पड़ी। उस दंपति ने उन्हें अपने साथ रख कर इस शर्त पर पढ़ाना शुरू किया कि उन्हें कॉलेज टॉप करना होगा। तेज दिमाग चंदन ने तीन साढ़े तीन साल में ही उर्दू और फारसी में महारत और मास्टर ऑफ लैंग्वेज की उपाधि हासिल कर ली। जर्मन दंपति अपना कार्यकाल खत्म होने पर उन्हें अपने साथ जर्मनी ले जाना चाहते थे लेकिन चंदन जाने के लिए तैयार नहीं हुआ और अखबारों में लेख और कहानियां लिखकर अपना गुजारा करने लगा। कहानियां और लेख वह अमीर हैदर नाम से लिखा करते थे। इसी बीच उन्हें कोलकाता में एक फिल्म लिखने का काम मिला लेकिन किसी कारणवश फिल्म पूरी नहीं हो पाई। वहीं पीसी बरुआ ने उनको सुझाव दिया



कि अगर इस फील्ड में कुछ करना है तो आप को बंबई (अब मुंबई) जाना चाहिए। मुंबई पहुंच कर वह आगा कश्मीरी और ख़्वाजा अहमद अब्बास से मिले। अब्बास के कहने पर हैदर 14 जनवरी 1938 के दिन हिमांशु राय से मिले और उन्हें 'मुसाफिर' के साथ दो तीन कहानियां सुनाई। हिमांशु राय उनसे बहुत प्रभावित हुए और उन्हें बॉम्बे टॉकीज में नौकरी मिल गई। लेकिन उनकी कहानी पर फिल्म न बन सकी। तभी किसी ने उन्हें सोहराब मोदी से मिलने की सलाह दी। सोहराब मोदी उस 18-19 साल के नौजवान को देख कर चौंक गए। उन्होंने मोदी को जेलर की कहानी सुनाई जिस पर जेलर नाम की ही फिल्म बनी और सफल रही। इसके बाद जहाँगीर की न्यायप्रियता पर 'पुकार' नाम की फिल्म के पटकथा संवाद और गीत लिखने की जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई।

इस फिल्म के गीत और संवाद भी काफी लोकप्रिय हुए। पुकार बनने के समय ही एक रोचक किस्सा हुआ। सोहराब मोदी संवाद सुनकर ही तय करते थे कि उसे वैसे ही रखना है या बदलना है। एक दृश्य में उन्हें अमीर हैदर का संवाद इतना पसंद आया कि उसे दोबारा सुनाने को कहा। अमीर हैदर ने जब फिर पढ़कर सुनाया तो वह कुछ अलग था। एक बार फिर ऐसा होने पर मोदी ने गुस्से से उनकी कॉपी उनसे छीन ली। मोदी के आश्चर्य का ठिकाना नहीं रहा जब उन्होंने देखा कि उस कॉपी पर कोई संवाद नहीं लिखा था बल्कि धोबी का हिसाब लिखा हुआ था। पटकथा सुनाने के इस अंदाज से मोदी उनसे बहुत प्रभावित हुए और बोल पड़े 'तुम तो कमाल के हो मियां?' आज से तुम्हारा नाम अमीर हैदर 'कमाल' होगा। पुकार फिल्म की क्रेडिट में उनका नाम अमीर हैदर 'कमाल' ही गया है। लेकिन नाम जरा लंबा था इसलिए बाद में अमीर हैदर निकाल कर कमाल के आगे अमरोही जोड़ दिया गया और फिल्म 'महल' से लोग उन्हें कमाल अमरोही के नाम से ही जानने लगे।

चलते चलते

जब अमीर हैदर उर्फ कमाल अमरोही सोहराब मोदी को जेलर की कहानी सुना रहे थे तब उन्होंने उनसे एक बात कही थी जो एक युवा लेखक के गहरे आत्मविश्वास को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि आप मेरी कहानी सुनने के बाद इस कमरे से बाहर जाएँगे और जब वापस आएँगे, तो वहाँ से टाइपिंग की आवाज सुनाई पड़ेगी।

'क्यों?'

"इसलिए कि आप बाहर जाकर टाइपिस्ट से मेरा एग्रीमेंट बनाने के लिए कहेंगे। उसे मेरे सामने रखकर उस पर मुझसे दस्तखत करने को कहेंगे।"

और सचमुच वैसा ही हुआ। कहानी के अंजाम तक पहुँचते-पहुँचते मोदी कमरे से बाहर गए और टाइपिंग की आवाज आने लगी और कुछ ही पलों में अमीर हैदर के सामने एग्रीमेंट रख दिया गया था।



अपना ज्ञान टटोलें

1 हाई स्पीड रेल का वह कौन सा रेलवे स्टेशन होगा जहां भारतीय रेल के स्टेशनों के लिए इंटरचेंज की सुविधा होगी?

(क)	(ख)	(ग)	(घ)
अहमदाबाद	सभी पर	साबरमती	वडोदरा

2 हाल ही में मेघालय और नागालैंड को जोड़ने वाली सीधी ट्रेन का माननीय राष्ट्रपति ने शुभारंभ किया था। उसका नाम क्या है?

(क)	(ख)	(ग)	(घ)
गुवाहाटी–लामडिंग एक्सप्रेस	गुवाहाटी–अगरतला एक्सप्रेस	मेघालय एक्सप्रेस	मेघालय–नागालैंड एक्सप्रेस

3 भारत के पहले एल्युमिनियम फ्रेट रेक का पूरा नाम क्या है?

(क)	(ख)	(ग)	(घ)
एल्युमिनियम फ्रेट रेक 61 बीओबीआरएनएसएम1	एल्युमिनियम फ्रेट रेक–62 बीओबीआ. रएनएएचएसएम1	एल्युमिनियम रेक–61 आ. रएनएएलएचएसएम1	एल्युमिनियम फ्रेट रेक–61 बीओबीआरएनएएलएचएसएम1

4 हाल ही में रिवरफ्रंट पैसेंजर जेट्टी का उद्घाटन कहां किया गया था?

(क)	(ख)	(ग)	(घ)
हुबली	बोगीबील में	मुंगेर	पटना

5 हाल ही में भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय द्वारा सर्वोत्तम पर्यटक मित्र रेलवे स्टेशन का अवार्ड किस स्टेशन को दिया गया था?

(क)	(ख)	(ग)	(घ)
तिरूपति	हैदराबाद	सिकंदराबाद	इंदौर

6 स्लीपर श्रेणी में तत्काल टिकट ..... बजे से बुक किया जा सकता है?

(क)	(ख)	(ग)	(घ)
11:00 पूर्वा.	10:00 पूर्वा	12:00 पूर्वा.	09:00 पूर्वा.

7 प्लेटफार्म टिकट जारी होने के समय से ..... घंटे तक के लिए वैध रहता है?

(क)	(ख)	(ग)	(घ)
1	2	4	3

8 डिस्कस थ्रो में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली सुश्री कमलप्रीत कौर भारतीय रेल में कहां कार्य करती हैं?

(क)	(ख)	(ग)	(घ)
डीएमडब्ल्यू अमृतसर	डीएमडब्ल्यू, पटियाला	डीएमडब्ल्यू लुधियाना	डीएमडब्ल्यू, चंडीगढ़

9 भारतीय रेल की उस महिला हॉकी खिलाड़ी का नाम बताइये जिसे अंतरराष्ट्रीय हाकी फेडरेशन द्वारा 'वोमेन प्लेयर ऑफ द इयर' से सम्मानित किया गया है?

(क)	(ख)	(ग)	(घ)
नेहा गोयल	दीप ग्रेस एक्का	गुरजीत कौर	पुखरामबम सुशीला चानू

10 मुंबई, महाराष्ट्र में किन/किस किन क्षेत्रीय रेलों का मुख्यालय स्थित है?

(क)	(ख)	(ग)	(घ)
पश्चिम रेलवे एवं मध्य रेलवे	सिर्फ पश्चिम रेलवे	सिर्फ मध्य रेलवे	इनमें से कोई नहीं

1. (घ) 2. (क) 3. (घ) 4. (घ) 5. (ग) 6. (क) 7. (घ) 8. (घ) 9. (क) 10. (क)

पुराने दिनों की सुनहरी यादें

5 नवंबर 1951



5.11.1951 को आज ही के दिन ग्रेटसदर्न बॉम्बे, बड़ौदा और सेंट्रल इंडिया रेलवे लिमिटेड, सौराष्ट्र रेलवे, राजपूताना स्टेट रेलवे एवं जयपुर स्टेट रेलवे को मिलाकर पश्चिम रेल अस्तित्व में आया।

पुराने दिनों की सुनहरी यादें

5 नवंबर 1951



आज ही के दिन दि ग्रेट इंडियन पेनिनसुला (GIP) रेलवे एवं निजाम, सिंधिया और धौलपुर स्टेट रेलवे को मिलाकर मध्य रेल का गठन किया गया था।

पुराने दिनों की सुनहरी यादें

9 नवंबर 1903



यूरोपको द्वारा विंच पावरहाउस पंचिंग कालका-शिमला रेलवे में 9.11.1903 को आज ही के दिन 762 मिमी नैरो गेज लाइन पर अपनी पहली ट्रेन चलाई गई थी

पुराने दिनों की सुनहरी यादें

16 नवंबर 1963



चितरंजन लोकोमोटिव वर्क्स (CLW) द्वारा निर्मित 'विद्युत' नाम का पहला 25kV, AC इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव 16.11.1963 को कमीशन किया गया था

पुराने दिनों की सुनहरी यादें

14 नवंबर, 1998



पहला स्वदेशी डी-सेक अत्याधुनिक फ्रेट लोकोमोटिव 'WAG-9' जिसे 'WAYUG' नाम दिया गया था, 14.11.1998 को आज ही के दिन चितरंजन लोकोमोटिव वर्क्स (CLW) द्वारा बनाया गया था

पुराने दिनों की सुनहरी यादें

29 नवंबर 2014



आज ही के दिन न्यू जलपाईगुड़ी, पश्चिम बंगाल से गुवाहाटी, असम के मध्य पहली यात्री ट्रेन चलाकर मेघालय को भारतीय रेलवे के मानचित्र पर लाया गया था।

रेल, पर्यटन व साहित्य को एक साथ संजोय
रेल मंत्रालय द्वारा प्रकाशित एकमात्र हिंदी मासिक पत्रिका



भारतीय रेल

की सदस्यता अब ऑनलाइन भी उपलब्ध

विज़िट करें
www.irctctourism.com/IRBRmag/#/home/hn

क्यूआर कोड स्कैन करें

सदस्यता शुल्क

मद		ऑफलाइन सदस्यता शुल्क (₹)	ऑनलाइन सदस्यता शुल्क (₹)
एक प्रति (मासिक अंक)		20	-
एक प्रति (विशेषांक)		70	-
वार्षिक सदस्यता (सर्व साधारण)	एक वर्ष	250	263
	दो वर्ष	460	483
	तीन वर्ष	675	709
वार्षिक सदस्यता (रेलकर्मी)	एक वर्ष	200	210
	दो वर्ष	370	389
	तीन वर्ष	540	567
वार्षिक सदस्यता (विदेशी) सी-मेल द्वारा		1,250	1,313
वार्षिक सदस्यता (विदेशी) एयर-मेल द्वारा		2,500	2,625

(वार्षिक सदस्यता शुल्क विशेषांक के साथ)

भुगतान का माध्यम

ऑनलाइन सदस्य www.irctctourism.com/IRBRMag पर सदस्यता शुल्क का भुगतान कर सकते हैं।

ऑफलाइन डी.डी./चेक/म.ओ./पो.ओ./नगद देय-'व्यापार प्रबंधक, भारतीय रेल, नई दिल्ली'

सदस्यता फॉर्म

नाम .....

पता .....

पोस्ट..... जिला.....

राज्य..... पिन कोड .....

मोबाइल ..... ई-मेल .....

रेल कर्मचारी: हाँ/नहीं वर्तमान सदस्यता (यदि हो तो) संख्या ..... तारीख .....

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: व्यापार प्रबंधक, कमरा नं. 310, रेल भवन, रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001, टेलीफोन: 011-47845089, 45089 (रेलवे) **bmpr310rb@gmail.com**

FLUID CONTROLS®
ENGINEERING CONNECTIONS EVERYDAY



MILLIONS OF CONNECTORS SUCCESSFULLY INSTALLED



Fluid Controls Private Limited has over 45 years of experience in engineering connections for Rail & Metro brake piping assemblies. Certified for the International Railway Industry Standard (IRIS – ISO/TS 22163:2017), Aerospace AS9100 and ISO/IEC 17025:2017 for our laboratory, Fluid Controls offers comprehensive solutions – from design, engineering, testing and on-site installation services to the supply of high-performance connectors, isolating cocks, cleats and tube & hose assemblies.

WE HAVE EXPERIENCE

45+ YEARS OF EXPERIENCE • IRIS & AS9100 CERTIFIED
IN-HOUSE R&D • OVER 30 MILLION CONNECTORS INSTALLED
APPROVED BY MAJOR ROLLING STOCK MANUFACTURERS

+91-22-68238000 railways@fluidcontrols.com fluidcontrols.com

प्रिय विज्ञापनदाता

रेल मंत्रालय द्वारा प्रकाशित एकमात्र मासिक हिन्दी पत्रिका

भारतीय रेल

में अपना विज्ञापन देकर लाखों उपभोक्ताओं तक अपने उत्पादों की पहुंच बनाएं

विज्ञापन दरें

(विज्ञापन चार कलर में) नीचे दी गई दरों के साथ 5 प्रतिशत की जीएसटी/आइजीएसटी प्राप्य होगी

विवरण	विशेष दर (वार्षिक अंक) (₹)	सामान्य अंक (मासिक दरें)	
		सामान्य दरें (₹)	अनुबंधित दरें (₹)
बैक कवर	13,300	11,400	10,450
सेकेण्ड कवर	12,350	10,450	9,500
थर्ड कवर	11,400	9,500	8,550
पूरा पृष्ठ (विशेष स्थिति, जैसे टेक्स्ट के बाद में)	9,500	8,550	7,600
पूरा पृष्ठ	8,550	7,600	6,650
आधा पृष्ठ	6,650	5,130	4,180
सेंटर स्प्रेड	17,000	15,000	13,300
सेंटर स्प्रेड (दो पेज इकट्ठे) (स्पेशल पोजीशन)	18,500	16,500	14,700

* तीन महीने या ज्यादा समय के लिए लगातार अथबा बारी-बारी देने पर अनुबंधित दरें लागू।

तकनीकी विवरण

पत्रिका का आकार
28 X 20.5 सेमी

छपाई क्षेत्र
23 X 16.5 सेमी

भुगतान का माध्यम

'व्यापार प्रबंधक, भारतीय रेल, नई दिल्ली' के पक्ष में डिमाण्ड ड्राफ्ट अथवा नकद राशि रूम नं. 310, रेल भवन, नई दिल्ली-110 001 में जमा की जा सकती है

विज्ञापन सामग्री

ई-मेल, आर्टपुल, सीडी

पत्रिका का प्रसार

समग्र देश में

संपर्क करें:

व्यापार प्रबंधक
310, रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001,
टेलिफोन: 011-233822531, 23303665, 23304456

पंजीयन संख्या : दिल्ली पोस्टल नं. डी.एल. (एन.डी.)-11/6031/2021-22-2023
आर.एन.आई. रजिस्टर्ड नं. 14427/1960
दिनांक 08 को प्रकाशित तथा दिनांक 10-11 को प्रेषित

आई.एस.एस.एन. 2457-0001



1.All designs on State of Art 3D Solid Works software with FEA Capabilities.
2.Full Compliance with European CE Directives.
3.Design of High Technology, Complex Machine tools since more than 4 decades from concept till prove out.
4.In-house / Competent Design Team (Well-versed with National & International standards and Emerging Technologies)

hyt

HYT ENGINEERING CO. PVT. LTD.

Sales Office: 17-18, Ground Floor, Hans Bhawan, Bahadur Shah Zafar Marg, I.T.O., New Delhi - 110 002, India. Phone: + 91 11 4320 2200/01

Work: 29/10, 29/10/1, 29/10/2, D-II Block, MIDC, Chinchwad, Pune - 411 019, India. Phone: + 91 20 6634 3900

www.hytengineering.com I info@hytengineering.com

मुद्रक व प्रकाशक : **प्रशान्त कुमार पट्टनायक** द्वारा रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) के लिए मैसर्स जे.के. ऑफसेट ग्राफिक्स प्रा.ली., बी-278, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-20 में मुद्रित व 310, रेल भवन, रायसीना रोड, नई दिल्ली से प्रकाशित। संपादक : **योगेश अवस्थी**